सेंसेक्स	~	80,891.02
निफ्टी	~	24,680.90
सोना	~	99,930
चांदी	~	1,16,000
डॉलर	~	86.79

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 30 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 305
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

लोकसभा-राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा...

सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों ने एक-दूसरे को घेरने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा...मोदी बोले

हमने पाकिस्तान के सीने पर सीधा हमला किया

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा हुई। सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों ने एक-दूसरे को घेरने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व के 193 देशों में से सिर्फ 3 देशों ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। हमने पाकिस्तान के सीने पर सीधा हमला किया। पाकिस्तान की न्यूक्लियर धमकी को हमने झूठा साबित कर दिया।

पीएम ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारी लड़ाई तो कई बार हुई है। लेकिन ये पहली ऐसी भारत की रणनीति बनी कि जिसमें पहले जहां कभी नहीं गए थे वहां हम पहुंचे। वो सोच नहीं सकता था कि कोई बहावलपुर मुरीदके भी जमींदोज कर सकता है। हमने कर दिया। पीएम ने कहा कि हमारी सेनाओं ने आतंकी अड्डों को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि भारत अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देकर रहेगा। भारत ने सिद्ध कर दिया कि न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगा न भारत इसके सामने झुकेगा। मोदी से पहले राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। कहें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारा एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा।

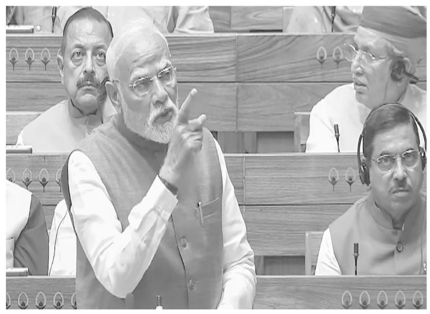

आतंकी मास्टरमाइंड को अब नींद नहीं आती

पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं के बीच के कोआर्डिनेशन और सिनर्जी ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए। आतंकी घटनाएं पहले भी देश में होती थीं। पहले उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे। उनको पता होता था कि कुछ नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति बदल गई है अब उनके मास्टरमाइंड को नींद नहीं आती। अब उनको पता है कि अब भारत आएगा और मार कर जाएगा। ये न्यू नॉर्मल भारत ने सेट कर दिया है। दुनिया ने देख लिया है कि हमारी कार्रवाई का दायरा कितना बड़ा है। सिंदूर से लेकर सिंधु तक पाकिस्तान पर कार्रवाई की है। ऑपरेशन सिंदूर ने तय कर दिया है कि भारत पर आतंकी हमले की पाकिस्तान और उसके आकाओं को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आप ऐसे ही नहीं जा सकते है। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने 3 सूत्र तय किए हैं अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देकर रहेंगे।

धर्म पूछकर गोलियां मारी, यह क्रूरता की पराकाष्ठा

पीएम ने कहा- 22 अप्रैल को पहलगाम में जिस प्रकार की क्रूर घटना घटी, जिस प्रकार आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को उनका धर्म पूछकर गोलियां मारी यह क्रूरता की पराकाष्ठा है। भारत को हिंसा की आग में झोंकने का यह सुविचारित प्रयास भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देश वासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। भारत को हिंसा की आग में झोंकने का यह सुविचारित प्रयास भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देश वासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया।

हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे

पीएम मोदी ने सदन में कहा कि 22 अप्रैल के बाद विश्व को समझ में आए तो अंग्रेजी भी बोली थी। मैंने कहा था यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि सजा उनके आकाओं को भी होगी और कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। 22 अप्रैल को मैं विदेश में था, मैं तुरंत लौटकर आया और आने के तुरंत बाद मैंने बैठक बुलाई और उसमें साफ साफ निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा और ये हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें अपने सैन्य बलों की क्षमता पर पूरा भरोसा है। सेना कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई। यह भी कहा गया कि सेना तय करे कि कब कहां कैसे किस प्रकार से, ये सारी बातें उस मीटिंग में साफ साफ कह दी गई थीं। कुछ बातें मीडिया में रिपोर्ट भी हुईं। हमें गर्व है आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी आतंकियों के आकाओं की नींद उड़ी है।

खडग़े बोले- मोदी को भगवान मत बनाओ

राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने पहलगाम हमले पर कारगिल की तरह एक रिपोर्ट तैयार करें और बताएं। हर चीज को छिपाते रहेंगे तो कैसे चलेगा। ये भी आप करने को तैयार नहीं हैं। ये देश के इंटरेस्ट में हैं। हम आपका अपमान नहीं कर रहे हैं, लेकिन देश बड़ा है। इसलिए मिलकर काम करें। अपने फैलियर के लिए कांग्रेस को क्लेम करना बंद करो। एक व्यक्ति को इतना बढ़ावा मत दो, भगवान मत बनाओ। लोकतांत्रिक रूप से आया है, उसे इज्जत दो, पूजा मत करो। इससे देश का नुकसान होता है। राजनीति में भक्ति तानाशाही की तरफ ले जाती है। मैं 60 साल से राजनीति में हूं लेकिन मुझे गद्दार कहा गया। हमारे लोग गद्दार हैं, शर्म आनी चाहिए। अगर ये बात है तो गद्दार आप हैं। विपक्ष को बदनाम करना आपका चाल और चरित्र है।

राहुल बोले- दम है तो पीएम कहें कि ट्रम्प झूठे

राहुल गांधी ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान कहा, ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने सदन में कहा कि हमने रात 1.35 बजे पर पाकिस्तान को यह बताया कि हमने आतंकी ठिकानों पर हमला किया है। यह एस्केलेटरी नहीं थी। अब कोई एस्केलेशन नहीं होना चाहिए। राहुल ने कहा कि मैं कहता हूं आपने 35 मिनट में ही पाकिस्तान के सामने सरेंडर कर दिया। यह बता दिया कि आपके पास लडऩे की इच्छाशक्ति नहीं है। सरकार ने पायलट्स के हाथ-पांव बांध दिए। राहुल ने कहा कि अगर पीएम में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कहें कि ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान में सीजफायर नहीं कराया। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा है। राहुल ने कहा कि कैप्टन शिवकुमार डिफेंस अटैची इंडोनेशिया ने कहा कि भारत ने कुछ एयरक्राफ्ट्स खोए हैं। यह इसलिए हुआ क्योंकि हमने उनके सैनिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया। न हमें इसके लिए कहा गया। मतलब आपने उनके हाथ बांध दिए। लोकसभा में रक्षामंत्री भी यह कह चुके हैं कि हमने पाकिस्तान को बताया था कि हम उनके सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे। तो क्या होगा, हमारे एयरक्राफ्ट पर हमला होगा। मतलब आपने शुरू किया और शुरू होते ही कह दिया कि न हमारे पास राजनैतिक इच्छा है न हम हमला करेंगे। आप जवाब नहीं देना चाहते हो लेकिन नतीजा सबको मालूम है। वे कह रहे हैं कि जरूरी सवाल है जेट गिरे क्यों, क्या गलती हुई।

खास खबर

भारत को प्रलय मिसाइल के परीक्षण में मिली सफलता

नई दिल्ली। भारत को रक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी मिली है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीरडीओ) ने जानकारी दी है कि भारत की स्वदेशी मिसाइल प्रलय का 28 और 29 जुलाई 2025 को लगातार दो बार सफल परीक्षण किया गया। ये परीक्षण सेना की जरूरतों के मुताबिक किए गए थे ताकि यह देखा जा सके कि मिसाइल कम और ज्यादा दूरी तक कितनी सटीकता से मार कर सकती है। दोनों दिनों में मिसाइल ने तय दिशा में उड़ान भरी और अपने लक्ष्य को बिल्कुल सही तरीके से भेदा। डीआरडीओ ने बताया कि यह परीक्षण सभी तय मानकों और उद्देश्यों पर खरा उतरा है। यानी मिसाइल ने जैसा उससे उम्मीद की गई थी, ठीक वैसा ही प्रदर्शन किया। बता दें कि प्रलय एक आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे कम दूरी के लिए बनाया गया है।

बस-ट्रक भिड़े, 6 कांवडिय़ों की मौत

देवघर। देवघर में बस और ट्रक के बीच टक्कर में 6 कांवडिय़ों की मौत हो गई। 24 कांवड़िए घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवडिय़ों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली। 8 घायलों का एम्स में इलाज चल रहा है। बाकी लोग सदर अस्पताल में भर्ती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू के एक महत्वपूर्ण संदर्भ पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में तारीख तय

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सुप्रीम कोर्ट को भेजे गए एक महत्वपूर्ण संदर्भ पर सुनवाई शुरू होने वाली है। इस बारे में राष्ट्रपति मुर्मू ने सवाल उठाया है कि क्या न्यायपालिका राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा तय कर सकती है। इस मामले की सुनवाई 19 अगस्त से पांच जजों की संविधान पीठ करेगी, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई करने वाले है। दरअसल राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट को यह संदर्भ भेजा है, जिसमें कुल 14 सवाल उठाए हैं। ये सवाल सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल 2025 के फैसले से संबंधित हैं, जिसमें कोर्ट ने राज्यपालों और राष्ट्रपति को विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा निर्धारित की थी। उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की निष्क्रियता न्यायिक समीक्षा के दायरे में आती है।

नेशनल हेराल्ड केस- ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर फैसला टाल दिया है। अब यह मामला 7 और 8 अगस्त को निरीक्षण के लिए लिस्ट किया गया है। इसके बाद कोर्ट यह तय करेगी कि चार्जशीट पर संज्ञान कब लिया जाएगा। वहीं, राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर आरोप भी तय होंगे।

कोर्ट ने 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद फैसला 29 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रखा था। ईडी का आरोप है कि सोनिया और राहुल ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) हड़पने की कोशिश की।

राज्यसभा में नड्डा बोले- खड़गे ने मानसिक संतुलन खोया

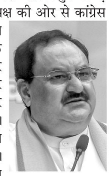

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल हुआ यह कि विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने बहस की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के लिए कौन जिम्मेदार है, वह कुर्सी खाली करें। अगर कोई जिम्मेदार नहीं है तो पीएम जवाब दें। इस पर जेपी नड्डा ने कहा, उन्होंने (खडग़े) प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की है, उनकी तकलीफ समझ सकता हूं। 11 साल से उनको वहां बैठाए रखा है। उन्होंने कहा कि वह (मोदी) दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पार्टी और देश के लिए गौरव का विषय है, लेकिन आप पार्टी से इतने जुड़ गए हैं कि देश गौण हो जाता है और मेंटल बैलेंस खोकर इस तरीके से बात कर रहे। इस पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। खडग़े नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि उनके मंत्री मेंटल बैलेंस खोकर बोलते हैं। उन्होंने (जेपी नड्डा) मुझे मेंटल कहा है, तो मैं इसे छोडऩे वाला नहीं हूं। इसके बाद जेपी नड्डा ने कहा कि अगर आपकी भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं इसके लिए आपसे माफी भी मांगता हूं। इसके बाद सदन के रिकॉर्ड से नड्डा का कमेंट हटाया गया।

गुजरात दंगा मामले में सबूतों के अभाव में तीन आरोपी 19 साल बाद बरी

अहमदाबाद । गुजरात उच्च न्यायालय ने सोमवार को गोधरा कांड के बाद हुए दंगों से जुड़े एक मामले में तीन दोषियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। यह फैसला आणंद की एक फास्ट ट्रैक अदालत द्वारा उन्हें पाँच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाए जाने के लगभग 19 साल बाद आया है। गुजरात उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति गीता गोपी की पीठ ने कहा कि निचली अदालत ने साक्ष्यों के मूल्यांकन में गलती की थी और दोषसिद्धि विश्वसनीय साक्ष्यों पर आधारित नहीं थी। मुकदमे के दौरान अभियुक्तों की पहचान और अवैध जमावड़े या आगजनी में उनकी संलिप्तता साबित नहीं हो सकी। बता दें कि यह मामला 27 फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने के बाद आणंद में हुए दंगों से संबंधित था, जिसमें भीड़ ने दुकानों को नुकसान पहुंचाया था। न्यायमूर्ति गीता गोपी की पीठ ने सचिन पटेल, अशोक पटेल और अशोक गुप्ता द्वारा दायर याचिकाएँ स्वीकार कर लीं। तीनों ने 29 मई, 2006 को आणंद की फास्ट ट्रैक अदालत द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि और सज़ा के आदेश को चुनौती दी थी। सोमवार को पारित आदेश में उच्च न्यायालय की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि अधीनस्थ न्यायालय के न्यायाधीश साक्ष्य का आकलन करने में विफल रहे हैं।

बिहार में हो रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा...

15 लोग बताइए, जो जिंदा, लेकिन लिस्ट से नाम कटा

पटना। बिहार में हो रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर आज फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- अगर बड़े पैमाने पर वोटर्स के नाम कटे हैं तो हम हस्तक्षेप करेंगे। सुप्रीम कोर्ट 12 अगस्त से बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन मामले की सुनवाई शुरू करेगा।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ अपना घर छोडक़र कहीं और चले गए हैं, कुछ मर गए हैं। जस्टिस बागची ने कहा कि हम इस पूरे मामले को देख रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर मतदाताओं का नाम वोटर

लिस्ट से काटा जा रहा है, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए जो कहें कि वे जीवित हैं और उनको मरा दिखाकर नाम काट दिया गया है। सोमवार को कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर रोक से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर से कहा था कि अगर खामी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर देंगे। इसके साथ ही चुनाव आयोग से पूछा है- आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को मतदाता पहचान के लिए स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि राशन कार्ड पर विचार नहीं किया जा सकता। यह बहुत बड़े पैमाने पर बना है, फर्जी होने की संभावना अधिक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर बात फर्जीवाड़े की है तो धरती पर कोई ऐसा डॉक्यूमेंट नहीं है, जिसकी नकल नहीं हो सके। ऐसे में 11 दस्तावेजों के आपके सूचीबद्ध करने का क्या आधार है?

65 लाख नाम लिस्ट से हटे

चुनाव आयोग ने 27 जुलाई को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के पहले चरण के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इसके मुताबिक बिहार में अब 7.24 करोड़ वोटर हैं। पहले यह आंकड़ा 7.89 करोड़ था। वोटर लिस्ट रिवीजन के बाद 65 लाख नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हटाए गए नामों में वे लोग शामिल हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं या फिर कहीं और स्थायी रूप से रह रहे हैं या जिनका नाम दो वोटर लिस्ट में दर्ज था।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

75 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 29 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 75 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

पुत्र को छात्रावास में प्रवेश दिलाने की मांग

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील के ग्राम मुरझड़ का छात्र दीनदयाल मर्सकोले अपने पुत्र हिमांशु मर्सकोले को छात्रावास में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आया था। दीनदयाल का कहना था कि उसके पुत्र ने कक्षा 6वीं से 8वीं तक की पढ़ाई पीएम श्री हाईस्कूल डाईट बालाघाट में की है। इस दौरान वह छात्रावास में रहता था। उसके पुत्र ने इसी स्कूल की कक्षा 9वीं में प्रवेश ले लिया है, लेकिन कक्षा 8वीं में उसके 66 प्रतिशत अंक होने के कारण छात्रावास में प्रवेश नही दिया जा रहा है। दीनदयाल का कहना था कि वह गरीब है और अपने पुत्र को किराये के कमरे में रखकर पढ़ाई नही करवा सकता है। अत: उसे छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने की सुविधा दिलाई जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

एरियर्स का भुगतान नही किया जा रहा

जनसुनवाई में जाहिद अली शिकायत लेकर आए थे कि सेवानिवृत्ति के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा उसकी एरियर्स की राशि का भुगतान नही किया जा रहा है। जाहिद अली का कहना था कि वह लोक निर्माण विभाग में वाहन चालक के पद पर पदस्थ था और 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हो गया है। सेवानिवृत्ति के बाद उसे अब तक भविष्य निधि, समूह बीमा अंशदान एवं कलेक्टर द्वारा रोकी गई 2023 की वेतन वृद्धि और वेतन वृद्धि का एरियर का अब तक भुगतान नही किया गया है। अत: उसे यह भुगतान शीघ्र कराया जाए। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा के सरपंच संजय कटरे शिकायत लेकर आए थे कि धरपीवाड़ा से निलजी पहुंच मार्ग में 03 से 04 पाईप पुलियॉ लगभग एक वर्ष से क्षतिग्रस्त हो गए है जिसके कारण आवागमन में परेशानी हो रही है। अत: इनका सुधार कार्य शीघ्र कराया जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

गिरवी रखे जेवर को ज्वेलर्स से वापस दिलाने की मांग

जनसुनवाई में वार्ड न.13 ग्राम कोसमी बालाघाट के शोभाराम नगपुरे शिकायत लेकर आए थे कि उसके द्वारा 17 अप्रैल 2024 को वर्धमान ज्वेलर्स महाराणा प्रताप चौक बालाघाट में सोने एवं चांदी के जेवर 06 माह की अवधि के लिए गिरवी रख पत्नी की बीमारी के ईलाज के लिए 11 हजार 500 रुपये 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर लिए गए थे। पत्नी के कैंसर रोग से पीड़ित होने के कारण उसके ईलाज में अधिक रुपये खर्च हो गया है और 31 जनवरी 2025 को पत्नी का निधन हो गया है। ज्वेलर्स से गिरवी रखे जेवर मांगने पर उससे 43 हजार रुपये की राशि मांगी जा रही है। शोभाराम का कहना है कि उसे अपने 02 बच्चों के पालन पोषण व पढ़ाई का खर्च उठाना पड़ता है। वह ज्वेलर्स को 1.5 प्रतिशत ब्याज दर से राशि देने तैयार है। लेकिन ज्वेलर्स द्वारा लगाए गए मनमानी ब्याज की राशि जमा करने मे सक्षम नही है। अत: उसे गिरवी रखे जेवर वापस दिलाए जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम बालाघाट को साहूकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

खेत जाने का रास्ता खुलवाने की मांग

खैरलांजी तहसील के ग्राम गुनई के तोमेश्वर पटले शिकायत लेकर आए थे कि खेत के रास्ते को लेकर उसके द्वारा 12 जुलाई 2025 को तहसील कार्यालय खैरलांजी में आवेदन दिया गया था। जिसकी पेशी 18 एवं 25 जुलाई को थी। इसके बाद भी उसके खेत जाने का रास्ता नही खोला गया है। जिसके कारण वह अपने खेत में धान का रोपा नही लगा पा रहा है और उसकी 02 लाख रुपये की फसल खराब हो रही है। अत: उसके खेत जाने का रास्ता तत्काल खुलवाया जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने खैरलांजी तहसीलदार को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से निर्देश दिये कि इस प्रकरण का तत्काल निराकरण किया जाए और आवेदक के खेत जाने का रास्ता खुलवाया जाए।

अवैध रेत भण्डारण हटाने की मांग

जनसुनवाई में खैरलांजी तहसील की ग्राम पंचायत टुईयापार के अंतर्गत ग्राम चंद्रकुआ के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि उनके गांव में अवैध रूप से रेत का भंडारण किया गया है। जिसके कारण ओवरलोड डम्परों द्वारा रेत का परिवहन किया जाता है। डम्पर जिस रोड से गुजरते है उसी रोड पर प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी स्थित है जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है। अत: उनके गांव में अवैध रूप से भण्डारित रेत का परिवहन बंद कराया जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने खनिज अधिकारी को तत्काल कार्यवाही कर रेत का डम्प हटाने और परिवहन पर रोक लगाने के निर्देश दिये है।

लामता सीनियर आदिवासी छात्रावास को शिफ्ट करने की मांग को लेकर छात्रों ने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद की छात्र इकाई द्वारा कलेक्टर को एक आवेदन देते हुए बताया गया कि लामता में सीनियर आदिवासी छात्रावास की स्थिति बहुत जर्जर हो चुकी है। यहां से आए दिनों बरसात के समय पानी टपकते रहता है। यह छात्रावास जर्जर हो चुका है उन्होंने मांग की है कि यहां से बच्चों को अन्य छात्रावास में शिफ्ट किया जाए ,क्योंकि यदि ऐसी ही स्थिति रही तो कभी भी यहां बड़ा हादसा हो सकता है। आपको बता दे की मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद की

छात्र इकाई द्वारा 29 जुलाई को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को एक ज्ञापन छात्रावास शिफ्ट किए जाने को लेकर दिया गया है। यहां पहुंचे छात्रों ने बताया कि लामता अंतर्गत आने वाले सीनियर आदिवासी छात्रावास जिसमे कक्षा 6 वीं से कक्षा 12 वीं तक के बच्चे निवासरत होकर अध्ययनरत है। किंतु वर्तमान में छात्रावास में उपलब्ध बिल्डिंग जिसकी हालत अत्यधिक जर्जर हो चुकी है। छत से पानी टपकता है। कुछ दिन पूर्व छात्रावास में खाना खाने के दौरान छत से पानी टपकने के साथ-साथ सीमेंट का टुकडा गिर गया था। जिससे छात्रों को किसी प्रकार की हानि नहीं हुई , किंतु बिल्डिंग की छत कभी भी गिर सकती है, क्योंकि वह अत्यधिक जर्जर हो चुकी है। लाईब्रेरी का अभाव है, इन्हीं सभी परिस्थितियों को देखते हुए छात्रावास सुधार करने के आदेश देकर उचित कार्यवाही करें। क्योंकि वर्तमान में देखा गया है कि भारत के अनेकों राज्य में पढ़ने वाले स्कूली छात्रों की घटनाएं सामने आते रहती है। जिसकी भरपाई करना नामुमकिन है। ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए बालाघाट जिले के तमाम छात्रावासों का निरीक्षण करने के साथ-साथ कार्यवाही की जाये। आदिवासी विकास परिषद की छात्र इकाई के पदाधिकारी संजय कुमार धुर्वे, राजेंद्र उइके ,सीताराम उइके द्वारा बताया गया कि उनके समाज के छात्रावास में रहने वाले बच्चों द्वारा उन्हें बताया गया कि लामता के सीनियर छात्रावास में मूलभूत सुविधाओं की बहुत अधिक कमी है। छात्रावास भी बहुत अधिक क्षतिग्रस्त और जर्जर हो चुका है। यहां कभी भी कोई घटना हो सकती है । पानी आने के दौरान यहां छत टपकती रहती है । इसलिए बच्चों की मांग अनुसार छात्रावास के बच्चों को अन्य भवन में शिफ्ट किया जाए और बच्चों को लाइब्रेरी सहित मूलभूत सुविधा दी जाए।

जिले में चिन्नौर चावल का रकबा हुआ कम

वर्ष 2021 की तुलना में 3500 से घटकर रकबा हुआ 1200 हेक्टेयर , किसान नहीं ले रहे चिन्नौर चावल के उत्पादन में इंटरेस्ट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीते दिनों बालाघाट जिले में उत्पादित होने वाला सुगंधित चिन्नौर चावल की सुगंध देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक सुगंधित हुआ था । किंतु इन दिनों यदि चिन्नौर चावल की बात करें तो अब चिन्नौर का उत्पादन बीते कुछ वर्षों की तुलना में लगातार कम होते जा रहा है । इस वर्ष विभाग से मिले आंकड़े अनुसार चिन्नौर चावल का रकबा महज 1200 हेक्टेयर तक ही सीमित होकर रह गया है । आंकड़ों की यदि बात करें तो लगातार वर्ष 2021 और अभी तक सतत आकडे गिरते ही जा रहे है । इन दिनों महज जिले के वारासिवनी ,लालबर्रा और परसवाड़ा के क्षेत्र में ही चावल का उत्पादन किया जा रहा है । जबकि वर्ष 2021 में चिन्नौर चावल का उत्पादन क्षेत्र 3500 हैकटेयर में किया जा रहा था, जो आज घटकर महज 1200 हेक्टेयर पर पहुंच चुका है। जबकि चिन्नौर चावल को जी.आई टैग भी मिला हुआ है । बावजूद भी किसान चिन्नौर चावल का उत्पादन करने में उतना इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे हैं । आपको बता दे की जिले का चिन्नौर चावल प्रदेश ही नहीं दुनिया भर के बाजारों में अपनी सुगंध के लिए जाना जाता हैं। इसे वर्ष 2022-23 में थाईलैंड भी भेजा गया था। हर कोई चिन्नौर चावल की सुगंध के कारण इसे मानता और उपयोग करता हैं । चिन्नौर चावल को जी.आई टैग भी मिला हैं, किंतु यदि वर्तमान समय की बात करें तो चिन्नौर चावल का लगातार वर्ष प्रतिवर्ष रकबा कम होते जा रहा है। जहां चिन्नौर चावल को हर कोई स्वादिष्ट और सुगंधित बता रहा हैं , तो वही किसानों को इसका उचित मूल्य और बाजार नहीं मिलने के कारण किसानों ने चिन्नौर चावल का उत्पादन करना धीरे-धीरे कम कर दिया है। जबकि देखा जाए तो वर्ष 2021 में जिले भर के अलग-अलग क्षेत्र में 3500 हेक्टेयर के क्षेत्र में चिन्नौर चावल का उत्पादन किया जाता था , किंतु यह आंकड़ा धीरे-धीरे घटता ही जा रहा है। जिसमें विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार चिन्नौर चावल के उत्पादन में लगातार कमियां आई है, जबकि वर्ष 2021-22 में चिन्नौर चावल 3500 हेक्टेयर में लगाया गया था, तो वहीं वर्ष 2023-24 में यह रकबा घटकर 1800 हेक्टेयर पर पहुंच गया और इस समय यदि वर्तमान समय की बात करें, तो वर्ष 2025- 26 के लिए मात्र जिले भर के अलग-अलग क्षेत्र में 1200 हेक्टेयर पर ही चिन्नौर चावल का उत्पादन किसानों द्वारा किया जा रहा है। जिसमें वारासिवनी, लालबर्रा परसवाड़ा के क्षेत्र शामिल है जबकि देखा जाए तो एक समय ऐसा भी था जब

चिन्नौर चावल को जी.आई टैग मिला था, उसके बाद चिन्नौर चावल को वर्ष 2022-23 में थाईलैंड भी भेजा गया था, किंतु ऐसा माना जा रहा है कि किसानों को चिन्नौर चावल का सही भाव और मार्केट नहीं मिलने के कारण किसानों ने चिन्नौर चावल का रकबा धीरे-धीरे कम करते हुए अन्य धान की ओर अपना रुझान बढ़ा दिया है । चिन्नौर चावल मात्र इन दिनों 1200 हैकटेयर के क्षेत्र में ही पैदा किया जा रहा है । ऐसा माना जा रहा है कि सतत गिर रहे इस रकबे से कहीं ना कहीं एक समय ऐसा आ जाएगा की इसकी दर और कम हो जाएगी और बड़े किसान सिर्फ इससे नाम मात्र के लिए ही उत्पादित करेंगे।

1200 हेक्टेयर में ही धान का उत्पादन किया जा रहा है - राजेश खोबरागड़े

कृषि विभाग के अधिकारी राजेश खोबरागड़े द्वारा चर्चा के दौरान बताया गया कि निश्चित ही बीते कुछ वर्षों में चिन्नौर चावल का रकबा धीरे-धीरे कम हुआ है और इस वर्ष जिले के अलग-अलग क्षेत्र में मात्र 1200 हेक्टेयर में ही चिन्नौर चावल का उत्पादन किया जा रहा है। हालांकि चावल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए वह किसानों के पास फिर से जाएंगे और इसका उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित करेंगे।

आवारा श्वानो के हमले से वानर की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार शाम को बैहर रोड का यातायात उस समय थम गया और राहगीर तब चकित हो गए, जब उन्होंने एक वयस्क वानर पर 15 से अधिक आवारा श्वानों ने प्राणघातक हमला कर दिया। मुख्य मार्ग से करीब 100 मीटर दूर खाली प्लाट में श्वान, वानर को नोंचते-काटते रहे। किसी श्वान के जबड़े में वानर का हाथ था, तो किसी के जबड़े में उसका पैर। दांतों से शरीर पर ताकतवर पकड़ बनाकर आवारा श्वान वानर को खींचते-काटते हुए और दूर ले गए। इस बीच सड़क से गुजर रहे जिन लोगों ने ये नजारा देखा, वह सहम गया। लोग दूर से श्वानों के चंगुल से वानर को छुड़ाने के लिए पत्थर फेंकने और शोर मचाने लगे, लेकिन इसका श्वानों के झुंड पर कोई असर नहीं हुआ। कुछ युवाओं ने श्वानों के नजदीक जाने की हिम्मत दिखाई और पत्थरों से हमला कर वानर को छुड़ाया। इसके बाद श्वानों का झुंड तितर-बितर हो गया, लेकिन इसके भी कुछ श्वान दोबारा वानर की तरफ बढ़ने लगे। लगातार शोर और पत्थर लगने से श्वान दूर भाग निकले। करीब आधे घंटे तक वानर श्वानों के जबड़ों का निशाना बना रहा। इससे वह अधमरा हो गया। उसकी शरीर में थोड़ी-थोड़ी देर में हल्की हलचल दिखाई दे रही थी। बाद में वानर की मौत हो गई।

बिरसा थाने के ग्राम जगला में वन भूमि का विवाद- वृक्षारोपण फेसिंग कर रहे वन कर्मचारियों को धमकाएं तो फेंसिंग पोल उखाड़ कर फेके

दो पक्ष के बीच हुई मारपीट में दोनों पक्ष के 14 लोग हुये चोटिल

26 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज, अंकुश चौहान, संदीप मेश्राम, आकाश मेश्राम और अनुभव उके बालाघाट निवासी सहित 16 लोगों के विरुद्ध दर्ज हुये अपराध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जगला में वन विभाग के क्षेत्र में आने वाली कक्ष क्रमांक 1650 में वृक्षारोपण कार्य एवं फेंसिंग करने के दौरान जहा चार लोगों ने वन कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार मारपीट करते हुए उनके द्वारा लगाए गए फेंसिंग को उखाड़ कर फेंक दिए वहीं इसी दौरान इस जमीन पर दावेदारी करने वाली महिला पक्ष और इसी ग्राम के अन्य लोगों के बीच वन विभाग की इस जमीन को लेकर मारपीट हो गई ।दोनों पक्ष के बीच हुई मारपीट में दोनों पक्ष के करीब एक दर्जन से अधिक लोग चोटिल हो गए। यह घटना दो दिन पहले 27 जुलाई को दोपहर में हुई। इस मामले में जहां वन विभाग उपवन क्षेत्रपाल धनुक सिंह धुर्वे द्वारा की गई रिपोर्ट पर अंकुश चौहान बालाघाट संदीप मेश्राम ग्राम सावंगी थाना कटंगी, आकाश मेश्राम बालाघाट और अनुभव यूके वारासिवनी निवासी के विरुद्ध शासकीय कर में बाधा उत्पन्न करने और मारपीट जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया वहीं महिला शकुंतला मरकाम ग्राम जगला निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेंद्र बिसेन सहित पांच आरोपी ग्राम जगला निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है और राजेंद्र कुमार बिसेन ग्राम जगला निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर शकुंतला मरकाम सहित 16 लोगों के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है।

क्या है कक्ष क्रमांक 1650 का विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जगला निवासी शकुंतला मरकाम जो अपने परिवार के साथ खेती खेती किसानी करती है। उनका कहना है कि वन विभाग की जमीन में करीब 8 एकड़ का पट्टा उनके पति मिलाप के नाम पर बना है और वे लोग 25 वर्ष पूर्व से इस जमीन पर खेती करते आ रहे हैं। 27 जुलाई को दोपहर में उपवन क्षेत्रपाल धनुकसिंह धुर्वे, वनरक्षक सुरेंद्र उइके के सुशील कुमार राहंगडाले एवं चौकीदार झगलुसिह मरावी, कृपाल मरावी, त्रिभुवनदास रामेश्वर धुर्वे धीरज यादव के साथ इस विवादित कक्ष क्रमांक 1650 में वृक्षारोपण कार्य करने के लिए गए थे और वृक्षारोपण एवं फेंसिंग कर चल रहा था तभी वहां पर शकुंतला मरकाम द्वारा बुलाए गए अंकुश चौहान, संदीप मेश्राम, आकाश मेश्राम, अनुभव उके के अलावा अन्य 20-25 व्यक्ति आये। अंकुश चौहान संदीप मेश्राम आकाश मेश्राम और अनुभव उके ने इन वन कर्मचारीयो के साथ अभद्रता करते हुए बोलने लगे कि तुम्हारा डिप्टी डेंजर कौन है, तुम्हारा प्रोजेक्ट कहां है, तुम्हारी हिम्मत कैसे हो गई, यहां काम करने की और इन लोगों ने फेंसिंग में लगाए गए 6,7 पोल उखाड़ कर फेंक दिए और वन कर्मचारियों को अश्लील गालियां देते हुए यहां काम बंद करने नहीं तो जान से खत्म करने की धमकी देने लगे। डर के कारण वन कर्मचारियों को रोपण एवं फेंसिंग कर बंद करना पड़ा। इस विवाद के दौरान जगला निवासी राजेंद्र बिसेन सुशील यादव सहित अन्य लोग आ गये और वे शकुंतला मरकाम को बोलने लगे की इस जमीन से तुम लोग कब्जा हटा लो, जंगल की जमीन में कब्जा करके रखे हो यह जमीन गांव के गाय चराने के लिए है और इन लोगों ने शकुंतला बाई को जातिगत रूप से अपमानित करते हुए उसे अश्लील गालियां देने लगे। वन विभाग की जमीन को लेकर ग्राम जंगला के दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए । दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए और हाथबुक्के, से एक दूसरे को मारपीट कर दिए। जान से मार डालने की धमकी दे दी। दोनों पक्ष के बीच हुई इस मारपीट में दोनों पक्ष के डेढ़ दर्जन से अधिक लोग चोटिल हो गये। इस मारपीट में शकुंतला मरकाम और उसके पक्ष के आकाश मेश्राम, संदीप मेश्राम ,अनुभव उके को चोंटे आई। और दूसरे पक्ष के राजेंद्र बिसेन, सुशील यादव, हेमलाल सूर्यवंशी, धीरज बिसेन ,सालिकराम यादव ,सुशील राहंगडाले, बिहारी धुर्वे, जीतलाल धुर्वे, डोमेश पटले,शंकर टेम्भरे पर एक दर्जन से अधिक लोगों ने शकुंतला मरकाम के पक्ष के लोगों द्वारा उकसाने पर हमला करते हुए मारपीट किये। इस घटना के बाद दोनों पक्ष रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचे ।बिरसा पुलिस ने मारपीट में चोटिल सभी लोगों का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये।

3 रिपोर्ट में 26 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

27 जुलाई को वन क्षेत्र क्रमांक 1650 की जमीन को लेकर जहां वन कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार कर उन्हें अश्लील गालियां धमकी देकर शासकीय कार्य बाधा पहुंचाने के अलावा दो पक्ष के बीच हुई मारपीट को लेकर तीन रिपोर्ट में 26 आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद किए गए। उपवन क्षेत्रपाल धनुकसिह धुर्वे द्वारा की गई रिपोर्ट पर अंकुश चौहान बालाघाट,संदीप मेश्राम ग्राम सावंगी कटंगी, आकाश मेश्राम बालाघाट अनुभव उके के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 221 324 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। शकुंतला पति मिलाप सिह मरकाम 40 वर्ष ग्राम जगला निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेंद्र बिसेन पिता लोक राम बिसेन, सुशील यादव पिता लतेल यादव, सालिक यादव कन्हैया यादव, हेमलाल सूर्यवंशी पिता रेखलाल सूर्यवंशी, प्यारेलाल पिता झुमकु सूर्यवंशी सभी ग्राम जगला निवासी के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इसी प्रकार राजेंद्र कुमार बिसेन पिता लोक राम बिसेन 53 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर खेदु पिता दुकाल ग्राम हर्राटोला ग्राम छपला , राजेंद्र पिता खेदु हर्राटोला ग्राम छपला, साधु पिता सिरदार ग्राम चरचेंडी, विदेश पिता सुमेरी ग्राम चरचेंडी, जगत सिंह धुर्वे पिता पंचम सिंह धुर्वे ग्राम तरेगांव, धनीराम धुर्वे पिता सुखराम धुर्वे ग्राम तरेगांव, कृपाल सिंह पिता भीमा सिंह, ताराचंद पिता तुलसीराम, रामलाल पिता दशरथ, शकुंतला पति मिलाप सिंह, अन्नू बाई धुर्वे, धन्नू की बहू, सभी निवासी ग्राम जगला के अलावा आकाश मेश्राम, अंकुश चौहान, संदीप मेश्राम, अनुभव उके बालाघाट निवासी के विरुद्ध धारा 296 115(2) 3(5) 49 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। तीनों मामले की विवेचना की जा रही है। विवेचना बिरसा पुलिस द्वारा की जा रही है।

सुर संगम सांस्कृतिक समिति की बैठक संपन्न

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भूले बिसरे गीत श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन आगामी 03 अगस्त 2025 रविवार को गुजरी चौक किरनापुर में किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए सुर संगम सांस्कृतिक समिति किरनापुर के अध्यक्ष खुमेशचन्द्र अजीत तथा सचिव अरविंद कोरे ने जानकारी देते हुए बताया कि फिल्म संगीत के महान व मशहूर पार्श्वगायकों की स्मृति में उक्त कार्यक्रम का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है। जिसमें क्षेत्र के नवोदित गायक कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराया जाता है।आयोजक समिति ने क्षेत्र के सभी संगीत प्रेमियों से निर्धारित कार्यक्रम में अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान करने की अपील की है।

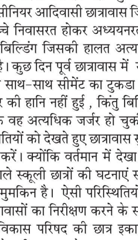

प्रियांशी पटले
आपको
जन्मदिवस पर
शुभाशीर्वाद

पापा प्रभु पटले (ग्रामीण पत्रकार)
मम्मी माया पटले, दादा चैनलाल पटले,
दादी सुरमन बाई पटले, बडे पापा नारायण पटले
ईश्वरदयाल पटले, चाचा दिनदयाल पटले
एवं समस्त पटले परिवार, ग्राम बेहरई

स्थान परिवर्तन
मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा
संपर्क नं- 9425138797

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु Computer ऑपरेटर की आवश्यकता है
पद - 01 (फिमेल)
सैलरी-योग्यतानुसार
-संपर्क करें-
TST ऑफिस
प्रेमनगर बालाघाट
मो. 9584903881

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

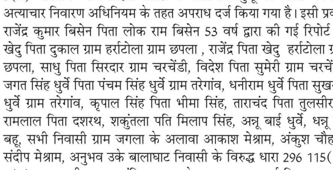

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

यदि 7 दिनों मे नहीं बनी वैकल्पिक पुलिया तो बैहर मार्ग पर डालेंगे डेरा?

जलाशय से घिरे गांव, गांगुलपारा के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन, गांव में आने जाने की व्यवस्था बनाने की करी मांग , कहा- छाती भर पानी पार कर, आए हैं ज्ञापन सौपने

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भले ही देश, को आजाद हुए 75 वर्ष बीत गए हो,लेकिन जिले के कई इलाके आज भी विकास से कोसों दूर है। खास तौर पर वन ग्राम के लोग बरसात के दिनों में आज भी गांव में कैद रहने को मजबूर हैं।ताजा मामला गांगुलपरा जलाशय के निकट बसे वन ग्राम गांगुलपरा का है।कहने को यह इको पर्यटन क्षेत्र, लेकिन जहां, ग्रामीणों के आवागमन के लिए आज तक शासन प्रशासन द्वारा पक्की सड़क व पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया है। जिससे गांव के लगभग 200 लोगों को खास कर बरसात के दिनों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वहीं आवागमन की सुविधा ना होने के चलते आज भी ग्रामवासी शहर की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं।जिन्होंने बिरसा बिग्रेड के बैनर तले मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर गांगुलपारा वन ग्राम तक पक्का पहुंच मार्ग, व पुलिया बनाए जाने की मांग की है।वही वर्तमान समय मे नालो से आवागमन के लिए तत्काल वैकल्पिक पुलियों का निर्माण कराए जाने की गुहार लगाई है।जिसके लिए उन्होंने प्रशासन को 7 दिनों की मोहलत दी है।जिन्होंने तय समय सीमा में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर पुलिया ना बनाने पर समस्त ग्रामीणों, बच्चो व अपने मवेशियों को साथ लेकर बैहर मार्ग पर डेरा डालने की चेतावनी दी है।जिन्होंने उनके डेरा डालने से भविष्य में बैहर मार्ग से आवागमन करने पर रहागिरो को होने वाली परेशानियों के लिए शासन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है।

कई मुसीबतों का सामना कर रहे ग्रामीण

ग्रामीणों के अनुसार उनका वन ग्राम गांगुलपारा, जलाशय, पहाड़ों और जंगलों से घिरा है जहां गांव में लगभग 200 लोगो का परिवार हैं गांव तक आवागमन मार्ग ना होने के चलते ग्रामीणों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।यदि कोई गर्भवती महिला या वन्य प्राणियों के हमले में घायल किसी व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना हो तो सड़क ना होने के चलते वहां एंबुलेंस नहीं पहुंच पाती। जिसके चलते ग्रामीण चादर और बास का डोला बनाकर उन्हें उपचार के लिए बालाघाट लाते हैं। वही पढाई करने के लिए बच्चे नदी ,नाला व जंगल के भय से स्कूल नही जा पा रहे है। वही बरसात के दिनों में जल भराव होने पर गांव के लोग गांव में ही कैद हो जाते हैं वही बच्चे तक गांव से बाहर नहीं निकल पाते।

कई बार सौंप चुके हैं ज्ञापन, मिला सिर्फ आश्वासन

ग्रामीणों ने बताया कि अपनी प्रमुख मांग को लेकर वे पिछले कई वर्षों से जिला पंचायत, जनपद पंचायत, कलेक्टर कार्यालय, डीएफओ कार्यालय सहित अन्य शासकीय कार्यालयों में ज्ञापन सौंप चुके हैं वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर विधायक ,सांसद और मंत्री तक को कई बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है उसके बाद भी उनकी यह मांग पूरी नहीं हुई है।उन्हें हर बार सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिलता है।जिसके चलते उन्होंने अपनी इसी मांग को लेकर अंतिम बार ज्ञापन सौंपा है यदि उनकी यह मांग पूरी नहीं होती तो समस्त ग्रामीण बैहर मार्ग पर जाकर डेरा डाल देंगे।

बरसात में ग्रामीण गांव में हो जाते है कैद

ग्रामीणो ने बताया कि ग्रामवासी आदिवासी सामाजिक सांस्कृतिक ग्रामसभा ईको पर्यटन क्षेत्र पंचायत टेकाड़ी के गांगुलपारा गांव में चार पीढ़ियों से निवासरत है।इस ग्राम के समीप सातनारी जलाशय का पानी गांव से होते हुए तालाब में जाता है जिसके कारण बरसात में रास्ता बंद हो जाता है। जिससे बच्चो का गांव से शहर तक विद्यालय आना जाना बंद हो जाता है।वही जंगल मे जंगली जानवरों से घायल व्यक्ति व प्रसव महिला को जिला अस्पताल तक पहुचाने में घना 5 किलोमीटर का जंगल पैदल चलकर जाना पड़ता है।इस समस्या से कई बार शासन प्रशासन को अवगत करा चुके है किंतु इस ओर उन्होंने कोई ध्यान नही दिया है।

छाती भर पानी पार करके ज्ञापन सौपने आए है- धनीराम

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान गांगुलपारा आदिवासी ग्राम सभा अध्यक्ष धनीराम मर्सकोले ने बताया कि वर्ष 2023 मे विधायक निधि से पूर्व विधायक व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे द्वारा 38 लाख की राशि से सुदूर सड़क का निर्माण किया गया है आज वो सड़क नालो में तब्दील हो गई है।आदिवासी ग्रामसभा के ग्रामवासी बहुत कठिनाइयों से जीवन यापन कर रहे है।हमारा शहर से संपर्क टूट चुका है।गांगुलपारा मछुआ नाका से ग्राम तक पहुँचने के लिए सात बड़े नालो से गुजरना पड़ता है इन नालो पर तत्काल वैकल्पिक पुलों का निर्माण कर आवाजाही प्रारंभ करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि आज इसी मांग को लेकर समस्त ग्रामीण छाती भर पानी पार करके जिला मुख्यालय में ज्ञापन सौपने आए हैं।

तो बैहर मार्ग पर समस्त ग्रामीण डालेंगे डेरा- सत्येंद्र

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान बिरसा बिग्रेड अध्यक्ष सत्येंद्र इनवाती ने उक्त जानकारी से अवगत कराते हुए बताया कि यदि प्रशासन द्वारा वैकल्पिक पुलों का निर्माण एक सप्ताह के अंदर नही किया जाता तो हम ग्रामवासी अपने परिवार व पशुओं के साथ बैहर मार्ग गांगुलपारा हाइवे मे मकान बनाकर रहना प्रारंभ कर देंगे।जिससे आवाजाही बाधित होगी।जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होंगी।

रेंजर कॉलेज से शंकर घाट रोड पर आवारा श्वानो ने चीतल को दौडाकर किया घायल, रेस्क्यू करने से पहले ही हुई मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रेंजर कॉलेज से शंकर घाट रोड पर एक चीतल को आवारा कुत्तों ने दौडाते हुए बुरी तरह से घायल कर दिया। चीतल भागते भागते रेंजर कॉलेज के आसपास बनी फेंसिंग में फस गया । जिसे सुबह के समय रेंजर कॉलेज में घूमने वाले लोगों ने आवारा कुत्तों को भगाया और इसकी सूचना वन विभाग को दी। किंतु वन विभाग के कर्मचारी कुछ घंटे लेट चीतल को रेस्क्यू करने पहुंचे। हालांकि विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया जा रहा है कि जब वन विभाग के कर्मचारी चीतल को बचाने पहुंचे तब तक चीतल की मौत हो गई थी। जबकि विभाग चीतल का उपचार करवाना चाह रहा था, उसके बाद चीतल के शव को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद जलाया गया। आपको बता दे की वनों से आच्छादित बालाघाट जिले में वन्य प्राणियों की बहुलता अच्छी खासी मात्रा में देखी जा रही है। रेंजर कॉलेज सहित बजरंग घाट और शंकर घाट के आसपास वन्य प्राणी चीतल विचरण करते नजर आ रहे हैं तो वहीं इन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का भी अत्यधिक जमावड़ा देखने को मिल रहा है , जो वन्य प्राणियों की मौत का कारण भी बनते जा रहा है । इसके पहले भी कई बार आवारा कुत्तों द्वारा वन्य प्राणी चीतल को दौडाते हुए कई लोगों ने वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं । पुनः एक बार फिर आवारा कुत्तों के कारण एक वन्य प्राणी चीतल की मौत का मामला सामने आया है 29 जुलाई की सुबह रेंजर कॉलेज से शंकर घाट रोड पर एक चीतल को आवारा कुत्तों ने दौडाते हुए घायल कर दिया। चीतल रेंजर कॉलेज के आसपास लगाई जा रही फेंसिंग में जाकर फस गयी थी। जिसे सुबह के समय घूमने जाने वाले लोगों ने आवारा कुत्तों को भागाते हुए इस पूरी घटना की जानकारी वन विभाग को दी , किंतु बताया जा रहा है कि वन विभाग कुछ घंटे लेट पहुंचा जब तक वन्य जीव चीतल की मौत हो चुकी थी। जब हमारे द्वारा बालाघाट रेंजर हिमांशु राय से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि उन्हें सुबह चीतल के फेंसिंग में फंसने की जानकारी मिली थी और उन्होंने वन विभाग के कर्मचारियों को चीतल का रिस्कयु करने और उपचार हेतु टीम भेजी थी, किंतु वन कर्मियों के पहुंचने के पहले ही चीतल की मौत हो चुकी थी। अग्रिम कार्रवाई विभाग के अधिकारी कर्मचारी द्वारा की गई है।

सर्पदोष से मुक्ति पाने उमड़ा जन सैलाब

जिले भर मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई नागपंचमी, जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन, नागदेवता का दूध और जलाअभिषेक कर की गईं विशेष पूजा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में नाग पंचमी का पर्व पूर्ण आस्था, विधि-विधान व धार्मिक मान्यता के अनुसार मनाया गया।भगवान भोलेनाथ के प्रमुख महा सावन के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाए गए इस पर्व पर जिले भर के तमाम शिव व नाग मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक भगवान शिव और नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना की गई।वहीं जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर श्रद्धालु भक्तगण नाग देवता और भगवान शिव से अपने अपने परिवार की सुख-समृद्धि, यश, शांति, कृति मनोबल, धन बल में वृद्धि, सुख, निरोगी काया और अपनी अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मंगलकामनाएं की।वही सर्पदोष से मुक्ति पाने तमाम नाग मंदिरो मे श्रद्धांलु भक्तो की विशेष पूजा का दौर देर शाम तक चलता रहा।

सर्पदोष से मुक्ति पाने का दिन है नागपंचमी

आपको बताए की नागपंचमी, का दिन हिंदू धर्म में नाग देवता को समर्पित है। कहा जाता हैं की अगर किसी की कुंडली में काल सर्प दोष है तो इस दिन किए गए उपाय से लाभ मिल सकता है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति इस दिन विधि विधान से नाग देवता की पूजा करता है उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।साथ ही मनुष्य और उसके परिवार को नाग भय भी नहीं रहता।इसके अलावा काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए नाग पंचमी का दिन सबसे उत्तम है।शायद यही वजह हैं की नाग पंचमी पर दिन भर नाग देवता की विशेष पूजा करने उमड़े जनसैलाब ने नाग और शिव मंदिरो मे पूजा अर्चना कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की प्राथनाए की।जहाँ पूजा अर्चना का दौर पुरे दिन चलता रहा।वही लोगो ने दिन विशेष पर प्रसाद व भंडारे का भी लुत्फ उठाया।

जगह जगह नागदेवता का किया गया जलाभिषेक

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नाग पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके तहत जगह जगह सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।दौरान बस स्टैंड, नगरपालिका गेट समीप स्थित नागराज बाबाताज नाग मंदिर, वारासिवनी रोड स्थित नाग मंदिर और नगर के समस्त नाग और शिव मन्दिरों मे सुबह से लेकर शाम तक विशेष पूजा के लिए भक्तो का ताता लगा रहा।जहाँ श्रद्धालु भक्तो ने नाग देवता का दूध और जल से अभिषेक किया।नागदेवता को कच्चा दूध, नारियल और लाई का भोग लगाकर विशेष पूजा अर्चना की गई।महा प्रसाद का वितरण किया गया।इसके साथ ही सरपी वालो द्वारा नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना की गई।वही जगह जगह पूजा अर्चना का कार्यक्रम संपन्न कर विशाल भंडारा और महा प्रसादी का वितरण किया गया।जहाँ इन कार्यक्रमो का दौर सुबह से लेकर देर शाम तक चलता रहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में बंद रहा कृषि कार्य

नागपंचमी के इस प्रमुख पर्व पर ग्रामीण अंचलों में 1 दिन के लिए कृषि कार्य बंद रखा गया।जहां मुख्यता ग्रामीण अंचलों में भी इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां श्रद्धालुओं व कृषक बंधुओ ने नाग देवता की विशेष पूजा अर्चना कर उनसे क्षमा मांगी।वही अपने परिवार की हिफाजत के लिए विशेष प्रार्थनाएं की।इसके अलावा नाग देवता को लगाए जाने वाला भोग खासतौर पर धान की लाई का छिड़काव पूरे घर में किया गया।ताकि नाग देवता उनसे प्रसन्न रहें और भविष्य में भी उनके किसी भी परिजनों को किसी प्रकार का नुकसान ना पहुंचाएं।वही ग्रामीणों ने पूजा अर्चना कर मंदिरो मे महा प्रसाद का वितरण किया।वही घर घर लाई चना फूटाना नारियल हलवा प्रसाद आदि का वितरण किया गया।

कितने दिन टिकेगी ये नई व्यवस्था?

अब रजिस्टर पर नहीं, नपा कर्मचारियों की लगेगी ऑनलाइन हाजरी, नपा में हाजरी का 1 अगस्त से लागू होगा नया नियम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) ।बालाघाट नगर पालिका में पदस्थ कर्मचारियों के कार्यालय देरी से पहुंचने की अक्सर शिकायत मिलती रहती है।कर्मचारियों की कार्य में लापरवाही और कार्य स्थल पर मौजूद न रहने की शिकायतों को देखते हुए अब नगर पालिका प्रशासन द्वारा इन कर्मचारियों की हाजरी लगाने के नियम में बदलाव किया गया है। जिसके तहत अब कर्मचारियों की हाजरी नगर पालिका के रजिस्टर की जगह फिंगर मशीन के माध्यम से ऑनलाइन लगाई जाएगी।ऑनलाइन हाजरी की यह व्यवस्था नगर पालिका बालाघाट में 1 अगस्त से शुरू होगी।जिसके दिशा निर्देश व ऑनलाइन हाजरी से जुड़ी अन्य जानकारियां नपा में पदस्थ समस्त कर्मचारियों को दी जा चुकी है।वही ऑनलाइन हाजरी को कर्मचारियों के वेतन से जोड़े जाने की भी बात सामने आ रही है।कहा जा रहा है कि यदि कर्मचारी ऑनलाइन हाजरी नहीं लगाएंगे, तो उनका वेतन भी जनरेट नहीं होगा।इसीलिए नगर पालिका में पदस्थ कर्मचारियों को फिंगर मशीन में अपना रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया है।जिसके चलते इन दिनों नगर पालिका में हाजरी ऑनलाइन लगाने के लिए कर्मचारियों द्वारा रजिस्ट्रेशन का कार्य जोर शोर से किया जा है। जिसके चलते इन दिनों नगर पालिका में कर्मचारियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। उधर ऑनलाइन हाजरी की यह व्यवस्था कब तक और कितने दिनों तक यथावत बनी रहेगी। फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। बताया जा रहा है कि ऐसे कर्मचारी जो घर से सीधे फील्ड पर पहुंचकर कार्य करते थे, उन कर्मचारियों को भी ऑनलाइन अटेंडेंस के इस नियम से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

समय पर नही लगी, तो हाजरी होंगी अमान्य

बालाघाट नगरपालिका में कर्मचारियों की ऑनलाइन हाजिरी लगेगी। इसके लिए एक ऐप विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से कर्मचारी अपनी हाजरी लगा सकेंगे।बताया गया कि ऑनलाइन हाजरी लगाने से पारदर्शिता बढ़ेगी और समय पर काम सुनिश्चित होगा।जानकारी के अनुसार कर्मचारियों को ड्यूटी समय पर या उससे पहले नगरपालिका आकर हाजरी लगानी होगी, अन्यथा उनकी हाजरी मान्य नहीं होगी।वही समय के बाहर हाजरी लगाने पर उनकी उपस्थिति अमान्य मानी जाएगी।

फर्जी हाजरी पर लगेगी रोक

बताया गया कि यह व्यवस्था कर्मचारियों में अनुशासन बनाए रखने में मदद करेगी और कामचोरी पर अंकुश लगाएगी।इसके अलावा ऑनलाइन हाजरी से फर्जी हाजरी की घटनाओं पर भी रोक लगेगी।ऑनलाइन हाजरी से कर्मचारियों की उपस्थिति का सटीक रिकॉर्ड रखा जा सकेगा और समय पर काम सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कितने दिन टिकेगी ये नई व्यवस्था

नगर पालिका में अब अभी कर्मचारियों की ऑनलाइन हाजरी लगाई जाएगी।यह नियम 1 अगस्त से सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगा।उधर ऑनलाइन हाजरी के ढेर सारे फायदे भी बताए जा रहे हैं। लेकिन यहा व्यवस्था कितने दिनों तक टिकेगी, इस बारे में फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता। क्योंकि इसके पूर्व भी नगर पालिका में कई तरह के बदलाव व नई-नई व्यवस्थाएं देखने को मिली है।कुछ वर्ष पूर्व तो कर्मचारियों की दो बार हाजरी लगाने का नियम भी बनाया गया था।तो वही कुछ वर्ष पूर्व ही संपूर्ण नगर पालिका को ई-नगर पालिका घोषित कर, नपा के सभी कार्य ऑनलाइन किए जाने की बात कही गई थी।लेकिन यह व्यवस्था ज्यादा दिन तक नहीं टिक सकी। ऐसे में सवाल उठना लाजिम है कि, इस नई प्रणाली के तहत ऑनलाइन माध्यम से हाजिरी लगाने की यह व्यवस्था कितने दिनों तक टिकेगी? और भविष्य में इस नई व्यवस्था का क्या प्रभाव पड़ेगा? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

रजिस्ट्रेशन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है -कतरौलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरौलिया ने बताया कि कर्मचारियों की ऑनलाइन हाजरी को लेकर व्यवस्था बनाई गई है, सभी कर्मचारियों से ऑनलाइन हाजरी लगाने कहा गया है।ऑनलाइन हाजरी के लिए कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन कार्य शुरू है।जो लगभग पूरा हो चुका है।तमाम तरह की व्यवस्थाओ में सुधार किया जा रहा है।

शिकोकाई राज्य स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने बढाया मान

7 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर किया जिले का नाम रोशन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इंदौर स्थित सेंट विंसेंट पलोटी स्कूल में 27 जुलाई को आयोजित शिकोकाई स्टेट कराटे चैम्पियनशिप में बालाघाट की एकलव्य मार्शल आर्ट एन्ड फिटनेस एकेडमी (ई.एम.ए.फ) एकेडमी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम किए।इस प्रतियोगिता में (ई.एम.एफ.ए) के 7 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनका नेतृत्व कोच प्रवीण नन्हेट ने किया वही छाया नरवास ने रेफरी एवं जज की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस अकैडमी (ई.एम.एफ.ए)टीम ने 7 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक और 1 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया।

इन्होंने झटके मेडल

इंदौर स्थित सेंट विंसेंट पलोटी स्कूल में आयोजित इस शिकोकाई राज्य स्तरीय कराटे चैम्पियनशिप के दौरान काता इवेंट में ओम सोनकर (7 वर्ष)ने गोल्ड मेडल,विहान बिसेन (12 वर्ष)ने गोल्ड मेडल, सर्वेश सिंह जांचपेले (14 वर्ष)ने गोल्ड मेडल,और यथार्थ गर्दे (16 वर्ष)ने गोल्ड मेडल जीता है।जबकि मनन शर्मा (13 वर्ष)ने सिल्वर मेडल, सोहम बीरा(12 वर्ष) ब्रॉन्ज मेडल,हासिल किया है।

इसके अलावा कुमिते इवेंट में मनन शर्मा (13 वर्ष)ने गोल्ड मेडल, सोहम बेरा (12 वर्ष)ने गोल्ड मेडल,यथार्थ गर्दे (16 वर्ष)ने गोल्ड मेडल, और सर्वेश सिंह जांचपेले (14 वर्ष)ने सिल्वर मेडल हासिल किया है।इस तरह अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इन खिलाड़ियों ने 7 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक, और 1कांस्य पदक ऐसे कुल 10 पदक हासिल किए है।

जिला वापसी पर हुआ खिलाडियो का भव्य स्वागत

इंदौर में आयोजित इस प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन करने के बाद खिलाड़ी बीती शाम जिला पहुचे, जिनके आगमन पर टीम का एकलव्य मार्शल आर्ट फिटनेस अकैडमी के पदाधिकारियो सदस्यों व खेल प्रेमियों द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया।टीम की इस शानदार उपलब्धि पर एकेडमी के संचालक, कोच प्रवीण नन्हेट सहित खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस सफलता से न केवल जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बालाघाट का नाम रोशन होने की उम्मीद है। इस अवसर पर कार्तिक तितरमारे, निधि नन्हेट, संगीता मराठा, भावना सोनकर, आशीष सोनकर, कमलेश शर्मा, पल्लवी शर्मा, विशाल गर्दे, महेश सिंह जांचपेले, मंजुलता सिंह जांचपेले, भरतलाल नरवास, मल्लिका बेरा, निकेश बिसेन, तरुण खारोले, गौरव जयसवाल, महेश चौहान, और पावनकांत मेश्राम, सहित एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी के समस्त पदाधिकारीगण व खेल प्रेमी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वन परिक्षेत्राधिकारी श्री सक्सेना के स्थानांतरण से लड़खड़ाई दक्षिण सामान्य वन मंडल की व्यवस्था

वन्य प्रेमियों ने वनकर्मी एवं कर्मचारियों पर जिला मुख्यालय से आना-जाना करने एवं वन परिक्षेत्र की गस्त नही करने सहित अन्य आरोप लगाये

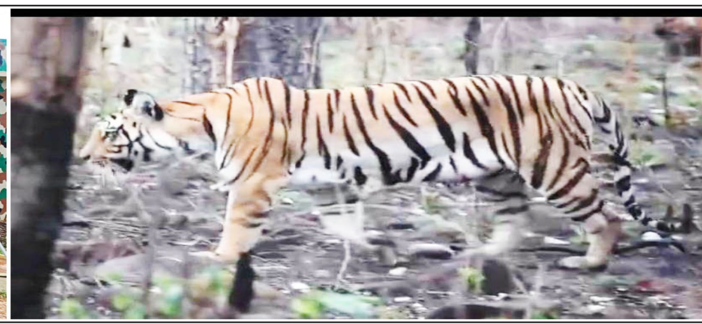

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र मंडल लालबर्रा में पदस्थ वन परिक्षेत्र अधिकारी हर्षित सक्सेना का स्थानांतरण हो चुका है और उनके स्थान पर बालाघाट से स्थानांतरण होकर आये श्री मड़ावी को रेंजर का प्रभार गत दिवस सौंपा गया है। लेकिन विगत कई दिनों से जानकारी मिल रही हैं कि श्री सक्सेना के स्थानांतरण के बाद से वन विभाग की व्यवस्था लड़खड़ा सी गई है और वन कर्मी अपने कार्यों में लापरवाही बरत रहे हैं। साथ ही टेकाड़ी ला., सोनेवानी एवं नवेगांव जंगल क्षेत्र में बने नाका में समय पर कर्मचारी उपस्थित नही रहते है, अनुपस्थित रहना, वन परिक्षेत्र में गस्त नही करना, वाहनों की चेकिंग सही तरीके से नही करना, नगर मुख्यालय में ना रहकर जिला मुख्यालय से आना-जाना करते है। जिससे वन संपदा को नुकसान होने के साथ ही वन्यप्राणी जंगल से बाहर गांव के नजदीक पहुंच सकते है। ऐसी स्थिति में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं जंगल की ओर घुमने जाने वाले जागरूक नागरिक, वन्यप्रेमी व ग्रामीणों ने भी वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्य में लापरवाही बरतने, वन क्षेत्र का सही तरीके से गस्त नही करने, नाका में तैनात नही रहने, नगर मुख्यालय में ना रहते हुए जिला मुख्यालय से आना-जाना करने सहित अन्य आरोप लगाते हुए दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा की जो व्यवस्था लड़खड़ा गई है उसमें सुधार करने के लिए जिला के वन विभाग के अधिकारियों से वन परिक्षेत्र का औचक निरीक्षण कर लापरवाही बरतने वाले वन कर्मचारियों पर कार्यवाही कर वन क्षेत्र में गस्ती बढ़ाकर वन संपदा एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की मांग की है क्योंकि सोनेवानी को म.प्र. सरकार के द्वारा कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर दिया है। साथ ही सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र में बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों की संख्या अधिक है, इसलिए वन्यप्राणियों की देख-रेख पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वहीं कंजर्वेशन रिजर्व घोषित हो जाने के बाद से सोनेवानी को भविष्य में टाइगर रिजर्व क्षेत्र की दृष्टि से भी देखा जा रहा है।

सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व हो चुका है घोषित

आपकों बता दे कि राष्ट्रीय उद्यान व अभ्यारणों की तरह ही दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के अंतर्गत आने वाले लालबर्रा वन परिक्षेत्र के सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र में भी राष्ट्रीय पशु बाघ सहित अन्य जंगली जानवरों का भ्रमण व रहवास बड़े स्तर पर होता है और धीरे धीरे इनकी संख्या भी बढ़ते जा रही है। जिसको ध्यान में रखते हुए वनविभाग के द्वारा सरकार को एक प्रपोजल के माध्यम से सोनेवानी में होने वाले वन्यप्राणियों के मुवमेंट व उनका पंसदीदा स्थल होने की जानकारी दी गई थी और गत दिवस म.प्र. सरकार के द्वारा सोनेवानी को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर दिया है क्योंकि सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र में वन्यप्राणी बहुतायत संख्या में पाये जाते है। जिनमें विशेष रूप से राष्ट्रीय पशु बाघ, राष्ट्रीय पक्षी मोर, जंगली भैंस, तेंदुआ, भालू, सोनकुत्ता, हिरण, सांभर, चीतल सहित अन्य वन्यजीव व पक्षियों के दीदार पर्यटकों को होते है। लेकिन गत दिवस से सोनेवानी वन्य प्राणी अनुभव क्षेत्र के भ्रमण पर वन विभाग के द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया है बरसात के मौसम को देखते हुए। जिस कारण से पर्यटक वर्तमान समय में नही जा पा रहे है। लेकिन बाघ, तेंदुआ सहित अन्य वन्यप्राणियों का जंगल क्षेत्र में मूवमेंट बना हुआ है और क्षेत्र के कुछ लोग वनग्राम एवं जंगल क्षेत्र घुमने के लिए जाते है। वहीं जब से वन परिक्षेत्राधिकारी हर्षित सक्सेना का स्थानांतरण हुआ है उसके बाद से वन कर्मचारियों के द्वारा सोनेवानी सहित जंगल क्षेत्र में गस्त सही तरीके से नही किया जा रहा है एवं जंगल क्षेत्र के अंदर जाने वालों की जांच के लिए बनाये गये नाका में भी कर्मचारी समय पर उपस्थित नही रहते है। ऐसी स्थिति में कुछ लोग जंगल के अंदर बिना जानकारी दिये चले जाते है। जिनके द्वारा वन संपदा एवं वन्यप्राणियों को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। वहीं वन्यप्राणी भी गांव के नजदीक आ सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है इस तरह से दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा में पदस्थ कर्मचारी-अधिकारियों की लापरवाही के चलते लोगों में उनकी व्यवस्था के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। वहीं वन परिक्षेत्राधिकारी हर्षित सक्सेना का स्थानांतरण विगत दिवस हो चुका है। जिनके स्थान पर गत दिवस बालाघाट से स्थानांतरण होकर आये वन अधिकारी श्री मड़ावी को रेंजर का प्रभार सौंपा गया है। लेकिन उनके द्वारा भी सोनेवानी सहित वन परिक्षेत्र की गस्त पर विशेष ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे वन्यप्रेमी व जागरूक नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि मध्यप्रदेश शासन के द्वारा दक्षिण सामान्य वन्य मंडल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सोनेवानी में राष्ट्रीय पशु बाघ सहित अन्य जंगली जानवरों की बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुये कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर दिया है और यह क्षेत्र जंगली जानवरों का पंसदीदा क्षेत्र बन चुका है एवं जिस तरह से जंगली जानवरों व राष्ट्रीय पशु बाघ की जनसंख्या में तेजी से वृध्दि हो रही है। उसके अनुसार सोनेवानी को भविष्य में टाइगर रिजर्व क्षेत्र की दृष्टि से भी देखा जा रहा है। इसलिए इस ओर वन विभाग को वन संपदा को सुरक्षित रखने, वन्यप्राणियों की देख-रेख पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वहीं वन परिक्षेत्राधिकारी श्री मड़ावी से दूरभाष पर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सोनेवानी, नवेगांव सहित अन्य वन क्षेत्र में कर्मचारियों के द्वारा गस्त नही किये जाने एवं गस्ती बढ़ाकर वन्यप्राणियों को संरक्षित करने के क्षेत्र में काम करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

नगर मुख्यालय में नही रहते कर्मचारी - राजेश

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान बालाघाट सदस्य राजेश ब्रम्हे ने बताया कि दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के वन परिक्षेत्राधिकारी श्री सक्सेना के स्थानांतरण हो जाने के बाद से कर्मचारियों के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। समय पर जंगल क्षेत्र का निरीक्षण एवं गस्त नही किया जा रहा है एवं अन्य काम भी नही किये जा रहे है। साथ ही नाका में भी कर्मचारी समय पर उपस्थित नही रहते है ऐसी स्थिति में वन क्षेत्र में अपराधिक प्रवृत्ति के लोग प्रवेश कर सकते है। श्री ब्रम्हे ने बताया कि सरकार के द्वारा सोनेवानी को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कर दिया गया है क्योंकि इस जंगल क्षेत्र में बाघ सहित अन्य वन्यप्राणी बड़ी संख्या में है और भविष्य में अभ्यारण बन सकता है। साथ ही यह भी बताया कि कर्मचारी एवं अधिकारी जिला मुख्यालय से आना-जाना करते है। जिसके कारण वे समय पर वन परिक्षेत्र में काम करने नही पहुंच पाते है। जबकि कर्मचारियों को नगर मुख्यालय में निवास करना चाहिए एवं वन संपदा व वन्यप्राणियों के संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर काम करना चाहिए।

वनप्राणियों की सुरक्षा में हो रही चुक - सिलेकर

वन्यप्रेमी डीपी सिलेकर ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर नवेगांव, चिखलाबड्डी एवं सोनेवानी में वन्यप्राणी बड़ी संख्या में है और पर्यटक वन्यप्राणियों का दीदार करने जाते भी है। साथ ही वन विभाग के द्वारा वन परिक्षेत्र एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा हेतु जगह-जगह नाका बनाये गये है लेकिन उक्त स्थानों पर समय पर कर्मचारी उपस्थित नही रहते है। इस तरह से वन परिक्षेत्राधिकारी श्री सक्सेना के स्थानांतरण के बाद से लालबर्रा दक्षिण सामान्य वन मंडल के कर्मचारी लापरवाही बरत रहे है। श्री सिलेकर ने बताया कि जिस तरह से वनकर्मियों के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है जिससे यह प्रतीत होता है कि सोनेवानी क्षेत्र में जो वन्यप्राणी है उनकी सुरक्षा में चूक की जा रही है जिससे वन्यप्राणियों को खतरा हो सकता है। साथ ही वनकर्मी नगर मुख्यालय में नही रहते है जिला मुख्यालय से आना-जाना करते है। ऐसी स्थिति में वन क्षेत्र में कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो जाती है तो उन्हे घटना स्थल में पहुंचने में समय लगेगा इसलिए हमारी मांग है कि वन परिक्षेत्र में समय-समय पर गस्त होनी चाहिए एवं कर्मचारियों के द्वारा वन्यप्राणियों की सुरक्षा पर ध्यान नही दिया जा रहा है उस व्यवस्था में सुधार होना चाहिए।

बल्हारपुर के विद्यार्थियों को साइकिल की गई वितरित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत बल्हारपुर स्थित शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई। यह कार्यक्रम सरपंच सेवन काटेकर के प्रमुख आतिथ्य एवं प्रभारी प्राचार्य जीएस बोपचे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत पात्र पाये गये कक्षा 9 वीं के 25 छात्र-छात्राओं को अतिथियों के हस्ते साइकिल वितरित की गई। वहीं छात्र-छात्राओं ने साइकिल मिलने के बाद उनके चेहरे खिल उठे जिन्हे अब साइकिल आने में सुविधा होगी। सरपंच सेवन काटेकर ने छात्र-छात्राओं को समय पर स्कूल आने, परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत 25 छात्र-छात्राओं को साइकिल मिली है जिससे उन्हे अब स्कूल आने में सुविधा होगी। वहीं प्रभारी प्राचार्य जीएस बोपचे ने छात्र-छात्राओं को समय पर, नियमित स्कूल आने एवं पढ़ाई अच्छी करने की बात कही। इस अवसर पर पंच मोहेश्वर पटले, एसएमडीसी सदस्य रविशंकर भगत, शिक्षक श्रीमती तारा परते, धानेन्द्रसिंह बिसेन, लालबहादुर कटरे, श्रीमती आयुषी पटले, कु. वैशाली भौरगढ़े, सुरेन्द्र कटरे, श्रीमती विमला सोनवाने, एनके रावते, प्रदीप डहरवाल, बीएस धुर्वे, चिराग येरपुडे सहित अन्य शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित लॉन में श्री श्याम सेवा मंडल एवं श्री श्याम सेवा महिला मंडल के तत्वाधान में सोमवार की रात में श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम श्री श्याम सेवा मंडल, श्री श्याम सेवा महिला मंडल के पदाधिकारी एवं भजन गायकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान श्री श्याम खाटू के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया, तत्पश्चात श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर गोंदिया से पहुंचे भजन गायक दर्पण अग्रवाल, नितेश सोनी के द्वारा भजनों की एक से बढकर एक प्रस्तुती दिये और भजनों के साथ श्याम प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं इस श्री श्याम संकीर्तन के अवसर पर भजन गायक दर्पण अग्रवाल, नितेश सोनी ने भजन गाकर श्याम प्रेमियों को झूमने पर मजबूर किया और उपस्थितजनों ने श्री श्याम भजन पर जमकर नृत्य भी किये, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया।

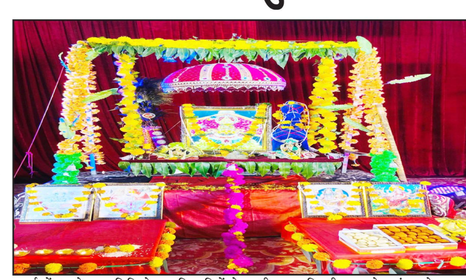

चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजित श्री श्याम संकीर्तन कार्यक्रम में गोंदिया के गायक दर्पण अग्रवाल एवं नितेश सोनी के द्वारा भगवान श्री श्याम के भजन-कीर्तन की संगीतमय प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीयजन पहुंचकर श्री श्याम संकीर्तन श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किये। साथ ही यह भी बताया कि श्री श्याम सेवा मंडल के द्वारा माह के प्रत्येक सोमवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, जिससे लोगों में धार्मिक, श्रध्दा, आस्था एवं भक्ति जाग्रत हो सके। इस अवसर श्री श्याम सेवा मंडल एवं श्री श्याम सेवा महिला मंडल लालबर्रा के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नया ट्रांसफार्मर लग जाने से लो-वोल्टेज की समस्या हुई दुर

छोटी पनबिहरी में लंबे समय से बनी थी लो-वोल्टेज की समस्या, 200 केवी का लगा ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों ने विद्युत विभाग का जताया आभार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के तहसील मार्ग स्थित पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के समीप लगा ट्रांसफार्मर में खराबी आ जाने के कारण ग्राम छोटी पनबिहरी एवं अस्पताल परिसर के आसपास निवासरत लोगों के घरों में लंबे समय से लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई थी जिससे ग्रामीणजन खासा परेशान थे। साथ ही कई बार विद्युत विभाग को खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग कर रहे थे। वहीं बरसात के दिनों में लो-वोल्टेज रहने के कारण रात्रि के समय कुछ स्थानों पर अंधेरा रहने पर जहरीले कीड़े मकोड़े के काटने का भी डर बना हुआ था इसलिए ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से जल्द खराब ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग विद्युत विभाग से की थी। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए मंगलवार को पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के समीप लगा ट्रांसफार्मर जिसमें तकनीकी खराबी आ गई थी उसे बदलकर उसके स्थान पर 200 केव्ही वॉट का नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। नया ट्रांसफार्मर लग जाने के बाद से ग्राम पनबिहरी एवं अस्पताल परिसर के आसपास निवासरत लोगों के घरों में लंबे समय से लो-वोल्टेज की जो समस्या बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है। साथ ही खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लग जाने पर ग्रामीणाजनों ने विद्युत विभाग का आभार व्यक्त किया है और बरसात के दिनों में बिजली कटौती की जो समस्या बनी हुई है उसे भी जल्द दुर करने की मांग की है। आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील पहुंच मार्ग पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के समीप विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। जिससे छोटी पनबिहरी व अस्पताल परिसर के आसपास निवासरत लोगों के घरों में विद्युत कनेक्शन गया हुआ है। लेकिन ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने से विगत दिवस से ग्राम छोटी पनबिहरी में लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई थी। जिसके कारण ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही कभी कम-%यादा वोल्टेज होने पर विद्युत उपकरण खराब होने एवं स्कार्पिंग होने से बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी और रात के समय ग्रामीणों को लो-वोल्टेज के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लो-वोल्टेज की समस्या से निजात दिलवाने के लिए ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से पुराने ट्रांसफार्मर जिसमें तकनीकी खराबी आ गई थी उसे बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग किये थे। जिसके बाद मंगलवार को विद्युत विभाग के द्वारा पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के समीप स्थित पुराने ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगा दिया है। जिसके बाद से ग्राम पनबिहरी में लो-वोल्टेज की समस्या दुर हो चुकी है।

कटंगझरी एकीकृत शास. उमावि. में वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कटंगझरी स्थित एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गत दिवस वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य संजय मेश्राम की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर स्कूल परिसर में छात्र-छात्राएं व शिक्षकगणों के द्वारा विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। साथ ही क्षेत्रीयजनों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की है। चर्चा में स्काउट मास्टर सुरेन्द्रसिंह पन्द्रे ने बताया कि स्काउट एवं गाइड के द्वारा जिला स्तरीय प्रस्तावित वार्षिक कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के अनुसार गत दिवस एकीकृत शासकीय उ%चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगझरी में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही सभी बच्चों को अपने-अपने जन्मदिन पर एक-एक पौधे लगाने प्रेरित किया गया है क्योंकि पौधे अधिक रहेगे तो हरियाली बनी रहेगी और शुध्द ऑक्सीजन मिलेगा इसलिए लोग अधिक से अधिक पौधे लगाये। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

धार्मिक मान्यताओं के साथ नाग पंचमी पर्व का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नाग पंचमी का पर्व २९ जुलाई को नगर सहित क्षेत्र में धार्मिक आस्था के अनुरूप मनाया गया। यह पर्व हिंदू द्यर्माबलंबियो का एक प्रसिध्द पर्व है। नाग हमारी संस्कृति का एक अहम हिस्सा है नागों को धारण करने वाले भगवान शिव की पूजा करने इस दिन विशेष महत्त्व रखता है। इसी कड़ी में नगर के मंदिर में प्रात: काल से ही शिवालयों में भगवान शिव की पूजा करने भक्तों का हुजूम लगा रहा। विभिन्न मंदिरो भक्तो के द्वारा भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना नाग पंचमी पर्व पर की गई।

झालीवाड़ा में सर्पीबारी संगठन ने मनाई नाग पंचमी

नगर मुख्यालय से ५ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत झालीवाड़ा में सर्पिबारी संगठन के द्वारा हर्षोल्लास के साथ नाग पंचमी पर्व मनाया गया। जहां मान्यता अनुसार नागदेवता की विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसमें ग्राम में स्थित हेमराज चौधरी के घर पर सर्पिबारी विद्या प्राप्त कर चुके व्यक्तियों को मिलने वाले पाठ की विधि विधान से पूजा अर्चना कर सर्पिबारी का गायन किया गया। तत्पश्चात पाठ को लेकर सर्पिबारी का गायन करते हुए सभी लोग ग्राम के हनुमान मंदिर पहुंचे। जहां पर भगवान हनुमान जी की पूजा अर्चना कर उन्हें चोला चढ़ाया गया। इस दौरान सर्पिबारी का गायन किया गया जहां पर कुछ लोग सर्प की तरह करते हुए हनुमान जी की प्रतिमा के पास पहुंचे। इसके बाद सभी सर्पिबारी का गायन करते हुए जंगल स्थित नाग देवता के स्थान गए। जहां पर नाग देवता की विशेष पूजा अर्चना उनके गुरु की उपस्थिति में की गई।

सर्पिबारी के साथ नाग देवता की हुई पूजा-छन्नूलाल राउत

छन्नूलाल राउत ने बताया कि नाग पंचमी पर्व पर घर में पूजा अर्चना करने के बाद मंदिरों में पूजा.अर्चना की जाती है। जिसके बाद सभी जंगल में नाग देवस्थान में पूजा करने जाते हैं जो हमारी पुश्तैनी से चला आ रहा है। यह कार्य हम और हमारे बच्चे भी करते हैं पूजा के दौरान सर्पिबारी गीत का गायन करते हैं। नाग पंचमी के दिन गांव में सभी कार्य बंद रहते हैं वह जमीन में गड्ढा तक नही खोदा जाता है। ग्राम में सर्पिबारी का गायन कर गांव के नागदेवता कि सदा अपनी कृपा बनाए रखने के लिए कामना की जाती है। नाग देवता हमारे आराध्य है उनकी पंचमी प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है।

सराफा हनुमान मंदिर में शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

तीन दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न अनुष्ठान हुए आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के सराफा बाजार स्थित हनुमान मंदिर में समस्त महिला मंडल सराफा हनुमान मंदिर के तत्वाधान में २९ जुलाई को शिव जी की विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा कर अनुष्ठान का समापन किया गया। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन २७ जुलाई से प्रारंभ किया गया जिसमें श्री राम मंदिर से कलश शोभायात्रा एवं भोले बाबा की बारात निकाल कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया। यह शोभायात्रा सुबह ९ बजे मंदिर से निकली जो नगर के विभिन्न चौक चौराहे एवं गलियों का भ्रमण करते हुए श्री हनुमान मंदिर सराफा बाजार पहुंची। जहां पर शोभायात्रा का समापन किया गया तत्पश्चात दोपहर १२ बजे से पंडित जुगल किशोर के नेतृत्व में पंडितों की टोली के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ श्री गणेश पूजन,पंचांग पूजन, वेदी पूजन कर भगवान महादेव का शिवलिंग, भगवान गणेश ,भगवान कार्तिक ,माता पार्वती ,भगवान शिव के वाहन नंदी एवं नागराज की प्रतिमा को जलाधिवास करवाकर संध्या आरती की गई। इसके बाद अगले दिन २८ जुलाई को वेदी पूजन अग्नि स्थापना कर प्रतिमा को अन्नाधिवास फ्लाधिवास पुष्पाधिवास सईयाधिवास विधि विधान से मंत्र उच्चारण के साथ करवाया गया तत्पश्चात आरती की गई। २९ जुलाई को विधि विधान से पूजा अर्चना एवं अभिषेक कर नागपंचमी के अवसर पर समस्त प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कर महाभिषेक करने के उपरांत हवन पूजन किया गया। जिसमें पूर्णाहुति कर महाआरती की गयी तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण कर संध्या आरती की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल कार्यक्रम में शामिल हुए जहां उनके द्वारा भगवान हनुमान का आशीर्वाद ग्रहण कर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां शिव परिवार का आशीर्वाद ग्रहण कर नगर सहित क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि बनाए रखने की कामना की गई।

३ व्यक्तियों पर शासकीय कार्य में बाधा डाल मारपीट करने का अपराध कायम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत शेरपार की रेलवे फाटक पर कार्यरत गेट कीपर राकेश कुमार मेश्राम के साथ २८ जुलाई की रात में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने राहुल डहरवाल सहित अन्य दो व्यक्तियों पर शासकीय कार्य में बाधा डालने और मारपीट करने का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी राकेश कुमार मेश्राम ने थाने में लिखित शिकायत दी की मैं खरखडी थाना खैरलांजी का रहने वाला हूँ। मैं दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे वरिष्ठ अनुभाग अभियंता रेलपथ बालाघाट के अंतर्गत स्थित समपार फाटक क्रमांक बी के ५२ शेरपार में २८ जुलाई को शाम ६ बजे से सुबह ६ बजे तक गेट कीपर की ड्युटि में था। उस दौरान करीब ८.३५ बजे गाड़ी क्रमांक ६८११ के आने की सूचना मिलने पर मेरे द्वारा गेट बंद किया गया। गाड़ी पास होने पर जब मेरे द्वारा गेट खोला गया तब वारासिवनी साईड का गेट बुम खुल गया किंतु कटंगी साईड का बुम नही खुला फिर मेरे द्वारा देखने पर पाया गया कि एक व्यक्ति राहुल डहरवाल पिता अशोक डहरवाल निवासी सिरपुर जो गेट बुम पर बैठा हुआ है। मैने उनसे उतरने को कहा तो राहुल डहरवाल एंव उनके दो और साथियों द्वारा मुझे अश्लील गालिया दी गई मैने मना किया तो उन्होंने मारपीट कर दिया। यह समपार फाटक की ड्यूटि सेफ्टी से संबधित है मेरे द्वारा अपने शासकीय कार्य के निर्वहन में उक्त तीनो व्यक्तियों के द्वारा बाधा उत्पन्न कर मेरे साथ मारपीट की है। उक्त व्यक्तियों के उपर कड़ी से कडी कार्यवाही की जायें ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना ना हो सके। पुलिस ने प्रार्थी राकेश कुमार मेश्राम की शिकायत पर राहुल डहरवाल निवासी सिरपुर एंव उसके दो साथियो के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा २९६,१३२,१२१ (१), ३/५ के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में

सुशील चौधरी के खिलाफ छेड़छाड़ का अपराध कायम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत १३ वर्षीय नाबालिक के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने सुशील चौधरी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार १३ वर्षीय नाबालिक सोमवार को अपने घर में थी जहां पर सुनसान मकान का फायदा उठाकर मंगेझरी निवासी सुशील पिता सीताराम चौधरी घर में घुसकर नाबालिक के साथ छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा ७४,७५(१) ,७९, ३३३ लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की धारा ७ /८ अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा ३ (१) (डब्लू आई), ३ (२) (५ ए) के तहत अपराध पंजीकृत कर जांच में लिया है। घटना के संबंध में सर्व आदिवासी समाज जिला अध्यक्ष भुवन सिंह कोर्राम ने बताया कि हम समाज के साथ यहां पर आए हुए हैं क्योंकि वारासिवनी थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह आदिवासी नाबालिक बच्ची के साथ ओबीसी समाज के सुशील सीताराम चौधरी ने बलात्कार करने की कोशिश की हैं। मकान सुना देखकर यह कृत्य उसके द्वारा किया गया पीड़िता के माता पिता खेत गए हुए थे। वह पीड़िता के घर में खखिला मांगने के लिए आया हुआ था। नाबालिक ने उसे खिला देकर डब्बा रखने के लिए अंदर गई तो सुशील चौधरी भी नाबालिक के पीछे अंदर गया और बलात्कार करने की कोशिश करने लगा। तभी पीड़िता ने धक्का मार कर जैसे तैसे वह बाहर भागी दूसरे घर के तरफ गई इसके बाद घटना की जानकारी शाम को पीड़िता ने अपने माता पिता को बताई इसके बाद हम सभी यहां पर आए हुए हैं। हमने थाना प्रभारी से मुलाकात कर उन्हें घटना की जानकारी दिए हैं मामले में एफआईआर दर्ज करवा दी गई है।

कच्ची शराब निर्माता विक्की बहेटवार को न्यायालय ने भेजा जेल

आरोपी के कब्जे से आबकारी विभाग ने ६०० किलो महुआ लहान, ६० लीटर शराब की बरामद

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। आबकारी उपनिरीक्षक कार्यालय व्रत वारासिवनी के द्वारा २९ जुलाई को बीते दिनों की गई छापेमार कार्यवाही के फरार आरोपी विक्की पिता झनक लाल बहेटवार निवासी बिटोड़ी थाना रामपायली को गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपी को सुबह एसडीएम कार्यालय के पीछे से गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जिसे न्यायालय के द्वारा जेल भेज दिया गया। उक्त घटना में आबकारी विभाग के द्वारा ६०० किलोग्राम महुआ लहान को बरामद कर नष्ट कर दिया था। तो वहीं करीब ६० लीटर से अधिक कच्ची हाथ भट्टी महुआ शराब जप्त की है मामले में आबकारी विभाग के द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

२३ जुलाई को विक्की बहेटवार के घर की गई थी छापामार कार्यवाही

आबकारी उपनिरीक्षक कार्यालय व्रत वारासिवनी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बिटोड़ी में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा भारी मात्रा में शराब का निर्माण कर विक्रय किया जा रहा है। जिस पर आबकारी विभाग के वृत प्रभारी संदीप श्रीवास के द्वारा घटना की जानकारी जिला अधिकारी आबकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। तत्पश्चात उनके मार्गदर्शन में टीम तैयार कर वृत प्रभारी संदीप श्रीवास के नेतृत्व में ग्राम पंचायत बिटोड़ी में पहुंचकर मुखबिर की सूचना के आधार पर छापामार कार्यवाही की गई। जिसमें मौके पर करीब ६०० किलोग्राम से अधिक महुआ लहान ,प्लास्टिक के बड़े ,ड्रम एवं बोरियों में डालकर रखा गया था तो वहीं विभिन्न स्थानों पर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब भी जरी केन में रखी गई थी। मौके पर आबकारी विभाग के द्वारा भारी मात्रा में महुआ लहान जो मिला था उसे वीडियोग्राफी कर नष्ट करने की कार्यवाही की गई। वहीं करीब ६० लीटर से अधिक हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब मौके से जप्त की गई। छापामार कार्यवाही की सूचना पर भारी मात्रा में शराब निर्माण कर्ता विक्की पिता झनक लाल बहेटवार ग्राम बिटोड़ी थाना रामपायली निवासी मौके से फरार हो गया था। जिसमें आबकारी विभाग के द्वारा मौके पर आवश्यक कार्यवाही कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा ३४ (१), ३४ (२) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी विक्की बहेटवार की पतासाजी की जा रही थी। तभी मूखबीर से सूचना मिली कि वह वारासिवनी में आया हुआ है जिस पर आबकारी अधिकारी के द्वारा घेराबंदी कर मुखबिर सूचना के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के पीछे से विक्की बहेटवार को राउंडअप कर गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई। तत्पश्चात उसे वारासिवनी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। इस कार्यवाही में वृत प्रभारी संदीप श्रीवास ,आबकारी उपनिरीक्षक ज्योति सोनी, आबकारी आरक्षक भानु प्रताप मार्सकोले,अनिता कुमरे का सराहनीय योगदान रहा।

एसडीएम कार्यालय के पीछे घेराबंदी कर विक्की बहेटवार को गिरफ्तार किया-संदीप श्रीवास

आबकारी वृत प्रभारी संदीप श्रीवास ने बताया कि जिला कलेक्टर मृणाल मीणा ,सहायक आबकारी आयुक्त सुरेंद्र उराव का निर्देश था कि जिले में अवैध शराब की गतिविधि बढ़ गई है। इस संबंध में २३ जुलाई को हमारे द्वारा ग्राम बिटोड़ी में कार्यवाही की गई थी । जिसमें ग्रामीण विक्की बहेटवार के घर में बड़ी मात्रा में महुआ लहान और शराब जप्त की गई। मौके से आरोपी फरार हो गया था तत्काल मामले में प्रकरण दर्ज किया गया था कार्यवाही के बाद से आरोपी लगातार फरार था। फिर हमें २९ जुलाई की सुबह मुखबिर सूचना मिली जिस पर हमने एसडीएम कार्यालय के पीछे घेराबंदी कर विक्की बहेटवार को गिरफ्तार किया। इसके पास से ६०० किलो महुआ लहान ,ड्रम और बोरियों में बरामद हुआ था जिसे नष्ट कर दिया गया है तो वहीं जरी केन में ६० लीटर से अधिक शराब मिली थी।

जवाहर नवोदय विद्यालय में अभिभावक और शिक्षक परिषद की सामान्य बैठक आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में रविवार को अभिभावक शिक्षक परिषद की सामान्य बैठक आयोजित की गई। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह ने पालकों की उपस्थिति में माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर बैठक का विधिवत शुभारंभ किया। तत्पश्चात विद्यालय के शिक्षक उमेश नागपुरे के निर्देशन में छात्र.छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर उपस्थित पालकों का स्वागत किया गया। बैठक के आरंभ में उपस्थित पालकों, शिक्षकों एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों का परिचय कराया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने सभी पालकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश के इस अग्रणी विद्यालय के सफल संचालन एवं सतत् विकास के लिए अभिभावक शिक्षक परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस विद्यालय प्रशासन को हमेशा पालकों का सकारात्मक सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने पालक शिक्षक परिषद के गठन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस विद्यालय के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पालक शिक्षक परिषद छात्र हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने में विद्यालय प्रशासन को सकारात्मक एवं त्वरित सहयोग प्रदान करती है। पालकों और शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में पालक शिक्षक परिषद् का गठन किया जाता है । ताकि इस विद्यालय के उत्तरोत्तर विकास में पालकों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त होता रहे। प्रभारी प्राचार्य ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत वर्ष सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में बारहवीं में भोपाल क्षेत्र में अपने विद्यालय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में ३७ बच्चे ९० प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। बारहवीं कक्षा में जीवविज्ञान में योग राहंगडाले, एकाउंटेंसी में चित्रांश कटरे एवं कक्षा दसवीं में पीएटी स्किल विषय में पाँच विद्यार्थि श्रद्धा पंजारिया, हर्ष तेलासे, डॉली टेंभरे, खुशी मसकरे, रौनक पाँचे ने पूरे १०० में से १०० अंक प्राप्त किए हैं। वहीं आई आई टी में तीन , नीट में तीन, दक्षणा फाउंडेशन में पाँच तथा सुपर १०० में तीन विद्यार्थी चयनित हुए हैं। इसरो के युवा वैज्ञानिक प्रोग्राम में विद्यालय की होनहार छात्रा आरोही पारधी का चयन हुआ है। जारी सत्र में अपने विद्यालय में संकुल स्तरीय बैडमिंटन खेल का भी सफल आयोजन हुआ । नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में अपने विद्यालय के बच्चों ने सराहनीय उपलब्धि हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह पालकों एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के समन्वय तथा पीटीसी के सकारात्मक सहयोग से संभव हुआ है। बैठक में शिक्षक बी आर पटेल पीजीटी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया। पालकों की ओर से कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त हुए। इन सुझावों को कार्यान्वित करने के लिए सभी पालकों ने अपना सक्रिय सहयोग देने की बात कही। इस बैठक के माध्यम से पाँच शिक्षकों और दस विकासखंडों से चयनित पंद्रह पालक प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए पालक शिक्षक परिषद का गठन किया गया। बैठक का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जीण् एस यादव पीजीटी ने किया । इस बैठक में पालकों सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

सिकंद्रा में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में ६० व्यक्तियों के द्वारा किया रक्तदान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पंचायत भवन में शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय एवं ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वाधान में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्र से जुड़े लोगों के द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज करवारकर रक्तदान किया गया। जहां पर लोगों का पंजीयन कर उनकी जांच की गई। तत्पश्चात नियम अनुसार रक्त शरीर में होने पर रक्तदान के लिए भेज दिया गया। जहां पर ७५ से अधिक लोगों के द्वारा रक्तदान की इच्छा के लिए पंजीयन कराया गया। परंतु जांच में ६० व्यक्ति रक्तदान योग्य पाए गए जिनके द्वारा रक्तदान किया गया। जहां पर ६० यूनिट रक्त ब्लड बैंक के द्वारा जमा किया गया। इस दौरान शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय बालाघाट की ब्लड बैंक वैन आई थी जिनके द्वारा यह कार्य किया गया। सरपंच कन्हैया खरवार ने बताया कि लंबे समय से हमारी इच्छा थी कि रक्तदान शिवर लगवाया जाए यह हमारे जागरूक युवा साथियों के साथ एसएसपी कॉलेज एवं पंचायत के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया है। ग्राम पंचायत में ७५ से अधिक संख्या में लोगों की सूची तैयार की गई है जिसमें ६० लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया है। हम किसी भी कारखाना फैक्ट्री या अन्य स्थान पर खून तैयार नहीं कर सकते हैं यह केवल मानव शरीर में तैयार होता है जो दान के माध्यम से ही एकत्रित किया जाता है। कोई व्यक्ति यदि रक्तदान करता है तो वह एक व्यक्ति की जिंदगी बचाता है यह बहुत बड़ा पुनीत कार्य है। इस अवसर पर सरपंच कन्हैया खैरवार, देवेन्द्र माहुले ,राजेश मरठे ,दीपक बांगरे ,संदेश पंचेश्वर,विजय चौधरी ,गणेश बनकर, शैलेश मरठे ,जिला अस्पताल के हेमंत पाटिल, लेब टेकनिशियन कामिनी पंद्रे ,नर्सिंग आफिसर सुरेश पंवार,बी टी वेन ड्राइवर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वारासिवनी रेलवे स्टेशन की बदलेगी सूरत-विक्रम देशमुख

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने वारासिवनी रेलवे स्टेशन में व्याप्त अनियमितताओं और जीर्ण.शीर्ण प्लेटफ़ार्म की शिकायत रेलवे मंत्रालय भारत सरकार से गई थी। जिसके उपरांत रेलवे मंत्रालय ने विक्रम देशमुख की शिकायत को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के डिवीजनल रेलवे मैनेजर डीआरएम नागपुर को शिकायत स्थानांतरित की गई । विक्रम देशमुख ने वारासिवनी रेलवे स्टेशन में प्लेटफार्म के टूटे पेवर ब्लॉक,विद्युत व्यवस्था,प्रसाधन सुविधाओं की कमियों संबंधी शिकायत की थी। तत्पश्चात दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मुख्यालय के अंतर्गत मंडल अभियंता उत्तर के द्वारा अपने पत्र दिनांक २४ जुलाई २०२५ के माध्यम से विक्रम देशमुख को सूचित किया गया कि वारासिवनी रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार का कार्य वर्ष २०२५-२६ में प्रस्तावित किया जावेगा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख के द्वारा वारासिवनी रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार हेतु प्रयास किए जाने पर वारासिवनी नगर के गणमान्य नागरिक मनीष खण्डेलवाल, कैलाश दुल्हानी,अंकित सुराना,विवेक शर्मा ,मनोज लिल्हारे आदि ने रेलवे सुविधा उपयोगकर्ताओं ने साधुवाद दिया है।

भारत यूके मुक्त व्यापार समझौता देशहित में नहीं

24 जुलाई 2025 को भारत एवं यूके के बीच द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं इंग्लैंड के प्रधानमंत्री श्री कीर स्टारमर की उपस्थिति में हुई भारत के साथ यह द्विपक्षीय मुक्त व्यापार ठीक नहीं है क्योंकि इंग्लैंड की आर्थिक नीति ने भारत को गुलाम बना दिया था और अंग्रेजों ने देश पर शासन किया मेरे लिए देश सबसे ऊपर है और हम देश के स्वाभिमान से कोई भी समझौता नहीं कर सकते है हमें उनके साथ कभी व्यापार नहीं करना चाहिए जिसने देश को गुलाम बनाया हों हम अपने चीजों को खुद बना सकते हैं जों गाँधी जी का संदेश रहा है हमें अपने वीर शहीदों को याद करना चाहिए जिसने अपने प्राण देश को गुलामी से बचाने के लिए शहीद हों गए देश की गुलामी भी ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार से हुई थी उनकी विदेश नीति ठीक नहीं है जब भारत अंग्रेजों का गुलाम बना तो इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औद्योगिक अर्थव्यवस्था को लादना, भारत में पुराने देशी दरबारों के संरक्षण का लोप, मशीन उद्योगों की शुरूआत, विदेशी शासन की भारत में स्थापना और उसका राजनीतिक दबाव, बिट्रेन की आर्थिक नीति जिसके तहत उसने भारत को मूल रूप से कृषि प्रधान बनाए रखने की कोशिश की, 1813 ई. का चार्टर एक्ट इत्यादि। अर्थशास्त्र का एक आधारभूत सिद्धांत है कि सहज श्रम से या औद्योगिक तकनीकों से वस्तुओं के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। इस तरह मशीन उद्योगों के द्वारा कम समय में अधिक और सस्ते मालों की बिक्री प्रारंभ हुई, जिससे हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की मांग तथा बिक्री में कमी आई।मशीनीकरण से नुकसान हुआ जैसे अंग्रेजी सत्ता के राजनीतिक दबाव व विदेशी मशीन उद्योगों के सस्ते उत्पादनों के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों के कर्मचारी की जीविका का साधन नष्ट हो गया। यद्यपि 1850 ई. के पश्चात भारत में आधुनिक उद्योगों की स्थापना भी हुई, परन्तु इतनी तेजी से नहीं कि बेरोजगारी और बर्बादी के कगार पर पहुंचे मजदूर को पूर्ण रोजगार मिल जाए।भारतीय सामान अपने द्वारा निर्मित उत्कृष्ट किस्म की वस्तुओं को विदेश भेजते थे तो वहाँ भी केवल अभिजात और कुलीन वर्ग के लोग ही साधारणतया उसे खरीद पाते थे। इस प्रकार की सीमित मंडी तब और भी सीमित हो गई जब भारतीय वस्तुओं के प्रति विदेश में अवरोधक कानून बनाए जाने लगे। इसका भारतीय उद्योगों पर बुरा प्रभाव पड़ा। रोजमर्रा की आवश्यकताओं का उत्पादन में भारतीय उत्पादन के विकास के लिए आवश्यक था, लेकिन इसे प्राथमिकता नहीं मिली।ब्रिटेन तथा अन्य देशों में मशीन से निर्मित सस्ती वस्तुओं की बाढ़ भारत के ग्रामीण इलाकों में हस्तशिल्प के पतन का मूल कारण था। रेलवे तथा परिवहन के अन्य साधनों के विकास से इस बाढ़ को फैलने में मदद मिली, क्योंकि अब ग्रामीण लोगों की पहुंच भी विदेशों में उत्पादित सस्ती वस्तुओं तक होने लगी। कारखानों में विकसित उत्पादन की सस्ती और लाभकारी तकनीक का मुकाबला हमारा सभी उद्योग बन्द हो गई और प्राय: नष्ट हो गई। औद्योगिक क्रांति का दौर में इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय उद्योगों का जम कर विनाश हुआ। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इंग्लैंड के उत्पादन को भारत में खपाने का प्रयास किया। 1813 ई. के कम्पनी चार्टर एक्ट के द्वारा जब भारत में कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को लगभग समाप्त कर दिया गया तो भारतीय बाजारों में सस्ते दर की अच्छे किस्म की वस्तुओं की बाढ़ आ गई।इससे भारतीय उद्योगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की बिक्री में भारी कमी आई। पूंजी की कमी, तकनीकी ज्ञान के अभाव आदि के कारणों से भारत औद्योगिकीकरण का लाभ न उठा सका और आर्थिक रूप से पिछड़ गया। ग्रामीण उत्पादन प्रणाली में मशीन का प्रयोग बढ़ने से भी हस्तशिल्प उद्योगों का ह्रास हुआ, मशीनों द्वारा स्वाभाविक रूप से बढ़ती मांग को पूरा किया जाने लगा।देशी रजवाड़े हस्तशिल्प उद्योगों के संरक्षक थे। उनके संरक्षण के समाप्त होने के कारण हस्तशिल्प में उत्पादित वस्तुओं के खरीददार समाप्त हो गए।

टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रहा है बाघों का कुनबा

मध्यप्रदेश न केवल अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह भारत का टाइगर स्टेट भी कहा जाता है। बाघों के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही मध्यप्रदेश ने अपनी प्राकृतिक संपदा और जैव-विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहाँ के घने जंगल और संरक्षित क्षेत्र बाघों की सबसे बड़ी आबादी का घर हैं, जो इसे देश में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करता है। मध्यप्रदेश को भी प्रकृति ने न केवल मुक्त हस्त से संवारा है बल्कि नैसर्गिक सौंदर्य और हरियाली से आच्छादितकिया है, वहीं प्रदेश सरकार ने भी वन्य प्राणी संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर इसे वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले डेढ़ दशक के दौरान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से चलते आज मध्यप्रदेश देश और दुनिया में अग्रणी प्रदेश बना है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की जातियों की घटती संख्या, उनके अस्तित्व और संरक्षण संबंधी चुनौतियों के प्रति जन-जागृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्व बाघ दिवस 29 जुलाई को मनाए जाने का निर्णय वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर सम्मेलन में किया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले देशों ने वादा किया था कि बहुत जल्द वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने बहुत तेजी से काम किया और प्रबंधन में निरंतरता दिखाते हुए पूरे देश में बाघों के संरक्षण और संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति करने में सफलता पाई है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2006 से बाघों के संरक्षण के लिए प्रयास शुरू किए गए। इसी के बाद प्रदेश में टाइगर की संख्या लगातार बढ़ती चली गई। वर्ष 2006 में मध्यप्रदेश में कुल 300 टाइगर थे हालाँकि 2010 में टाइगर की संख्या घटकर 257 हो गई। इस साल मध्य प्रदेश से टाइगर स्टेट का दर्जा छिन गया था और कर्नाटक को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला।वहीं वर्ष 2014 में मध्यप्रदेश में 308 बाघ हो गए और वर्ष 2018 में यह संख्या बढ़कर 526 हो गई और मध्यप्रदेश ने टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल किया और इस वर्ष बाघों की संख्या 526 पहुँच गई। वर्ष 2022 की गणना के अनुसार 785 बाघ हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। बीते आठ वर्षों में मध्यप्रदेश में 477 बाघ बढ़े। इस अवधि में प्रतिवर्ष प्रदेश में बाघों की वृद्धि दर 10 फीसदी से अधिक रही है। अगर यही रफ्तार रही तो अगली बार की बाघों की गणना में प्रदेश में बाघों की संख्या हजार से अधिक पहुंच सकती है। मध्यप्रदेश के कुछ बाघ ऐसे हैं जो देश-दुनिया में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। मुन्ना, कॉलरवाली, सीता, चार्जर, बामेरा और टी1 यह कुछ ऐसे नाम हैं जो अपनी विशेषताओं के चलते हाल के कुछ वर्षों में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। पर्यटक दूर-दूर से इन्हें देखने आते हैं और अलग तरह का अनुभव लेते हुए खुद को बड़े रोमांचित महसूस करते हैं। बाघ की दहाड़े अब प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बाहर भी सुनाई दे रही है। राजधानी भोपाल के शहरी इलाकों में भी बाघों की आवाजाही अब देखी जा सकती है। बाघों को राजधानी भोपाल की आबोहवा इस कदर रास आ रही है आने वाले दिनों में इनकी टेरिटरी तेजी से बढ़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 1973 में बाघों को विशेष संरक्षण प्रदान करने के लिए देश में टाइगर रिजर्व की स्थापना की गई थी। प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व 1973 में कान्हा टाइगर बना। इनमें सबसे बड़ा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और सबसे छोटा पेंच टाइगर रिजर्व है। मध्यप्रदेश में अब 9 टाइगर रिजर्व हो गए हैं जिनमें कान्हा टाइगर रिजर्व , पेंच टाइगर रिजर्व , बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पन्ना टाइगर रिजर्व, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, संजय-डुबरी टाइगर रिजर्व, रातापानी टाइगर रिजर्व,वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व और माधव टाइगर रिजर्व शामिल हैं। 2023 में मध्यप्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को मैनेजमेंट इफेक्टिवनेस इवैल्यूशन में देश के टॉप 5 टाइगर रिजर्व में चुना गया। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 24 अभयारण्य हैं और 11 नेशनल पार्क हैं। अभयारण्य के रूप में पचमड़ी, पनपथा, बोरी, पेंच-मोगली, गंगऊ, संजय-दुबरी, बगदरा, सैलाना, गांधी सागर, करेरा, नौरादेही, राष्ट्रीय चम्बल, केन, नरसिहगढ़, रातापानी, सिंघोरी, सिवनी, सरदारपुर, रालामण्डल, केन घड़ियाल, सोन चिड़िया अभयारण्य घाटीगांव, सोन घड़ियाल अभयारण्य, ओरछा और वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य अपनी विशिष्ट पहचान के लिए देश में जाने जाते हैं जो विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों और वनस्पतियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह सुखद है कि अब प्रदेश के भीतर बाघों की संख्या टाइगर रिजर्व की सीमाओं के बाहर भी तेजी से बढ़ रही है और बाघों की हलचल शहरी इलाकोंकी इंसानी आबादी के बीच भी महसूस की जा रही है। सतना से लेकर सीधी, शहडोल से अमरकंटक,डिंडौरी के लेकर मंडला तक में भी बाघों का कुनबा नई चहलकदमी कर रहा है। तीन बार टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में सबसे आगे है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में कुशल प्रबंधन और अनेक नवाचारी तौर तरीकों को अपनाया गया है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों और चिड़ियाघरों में भी बाघ हैं, जहां इनका संरक्षण और प्रजनन होता है। जहाँ एक तरफ हाल के वर्षों में प्रदेश सरकार ने ईको विकास समितियों को प्रभावी ढंग से पुनर्जीवित किया है वहीं वाटरहोल बनाने और घास के मैदानों के रखरखाव और वन्य-जीव निवास स्थानों को रहने लायक बनाने के अनेक कार्यक्रम समय - समय पर भी चलाये हैं जिसका जमीनी असर अब दिखाई दे रहा है। मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में इस समय सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन है। टाइगर राज्य का दर्जा हासिल करने के साथ ही प्रदेश राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन में भी देश में आगे है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है। इन राष्ट्रीय उद्यानों में अनुपम प्रबंधन योजनाओं और नवाचारी तरीकों को अपनाया गया है। खुली जगह के साथ वन्यजीवों को तनावमुक्त वातावरण और उचित आहार की भी जरूरत होती है जिस दिशा में प्रदेश में पिछले कुछ समय से बेहतरीन कार्य हुआ है जिसके चलते बाघों की संख्या तेजी से बड़ी है। जहाँ एक तरफ हाल के वर्षों में प्रदेश सरकार ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बाघ पर्यटन द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग कर ईको विकास समितियों को प्रभावी ढंग से पुनर्जीवित किया है वहीं वाटरहोल बनाने और घास के मैदानों के रखरखाव और वन्य-जीव निवास स्थानों को रहने लायक बनाने का कार्यक्रम भी चलाया है। कान्हा-पेंच वन्य-जीव विचरण कारीडोर भारत का पहला ऐसा कारीडोर है, जिसमें कारीडोर का प्रबंधन स्थानीय समुदायों, सरकारी विभागों, अनुसंधान संस्थानों और नागरिक संगठनों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाता है। प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उद्यानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। राज्य शासन की सहायता से कई सौ गाँवों का विस्थापन किया गया जिससे बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दबाव से मुक्त हुआ है। संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों के विस्थापन के फलस्वरूप वन्य-प्राणियों के रहवास क्षेत्र का विस्तार हुआ है। कान्हा, पेंच और कूनो पालपुर के कोर क्षेत्र से सभी गाँव को विस्थापित किया जा चुका है। बाघों की सुरक्षा के प्रति भी मध्यप्रदेश सरकार संवेदनशील है। प्रदेश में वन्य क्षेत्रों के पर्यटन से लगभग 55 से 60 करोड़ का राजस्व प्राप्त होता है, जिसका 33 प्रतिशत संयुक्त वन प्रबंधन समिति के माध्यम से ग्राम विकास में खर्च किया जाता है। वनों और वन्य प्राणियों के संरक्षण के साथ-साथ इन वन्य क्षेत्रों में पर्यटन की सुविधाएं भी मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ रही हैं।

-हर्षवर्धन पान्डे

तथ्यात्मक विश्लेषण : क्या ट्रंप का भारत-चीन से श्रम हायरिंग प्रतिबंध का आदेश, भारत- ब्रिटेन एफटीए का जवाब है ?

वैश्विक स्तरपर भारतीय बौद्धिक क्षमता व टैलेंट के बारे में सदियों से दुनियाँ का हर देश जानता है। आज दुनियाँ के अनेक देश भारत के साथ एफटीए की आस लगाए बैठे हैं, भारत राष्ट्रीय हित में डील जरूर करेगा,जैसे ब्रिटेन के साथ की है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अब भारत की बढ़ती ताकत से प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष,स्वास्थ्य,शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विकसित देश संज्ञान लेकर अपनी रणनीतियां बना रहे हैं, लेकिन साँच को आंच नहीं भारत अपने ही देश में स्वदेशी टेक कंपनियां को सेवाएं देखकर, नामी टेक कंपनियों से आगे निकलने का हौसला रखकर, मंजिल तक पहुंचने में, जज्बा और जांबाजी से पूरी ताकत लगा देगा। आज 26 जुलाई 2025 को भारत के पीएम मालदीव की राजकीय यात्रा से लौटे जहां वे स्वतंत्रता दिवस के मुख्य अतिथि थे, कुछ दिन पहले जो मालदीव भारत आउट के नारों से गूंज रहा था वह आज भारत इन के नारों से सराबोर हो रहा है जिसे देखकर दुनियाँ हैरान है। यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि ब्रिटेन-भारत का एग्रीमेंट 24 जुलाई 2025 को हुआ था व अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में 24,-25 जुलाई 2025 को ही एआई सम्मिट में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट एप्पल, मेटा जैसी अनेक टेक कंपनियों से कहा कि वे अमेरिकी फर्स्ट को साकार करने के लिए भारत से श्रमिक हायरिंग करना बंद कर अमेरिकीयों को प्राथमिकता दें।बता दें ट्रंप की हालिया घोषणा (24 25 जुलाई 2025 को एआई सम्मिट में) के अनुसार, उन्होंने अमेरिकी टेक कंपनियों जैसे गूगल,माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, मेटा आदि से कहा है कि वे भारत से हायरिंग बंद करें औरअमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा-अमेरिकी कंपनियाँ भारत जैसी जगहों से इंजीनियर और तकनीशियन हायर कर रही हैं।यह उनकी卐ग्लोबलिस्ट माइंडसेट卐 के कारण हो रहा है, जिसे अब खत्म होना चाहिए।उन्होंने तीन एआई फोकज्ड एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स भी जारी किए- एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बनाने की रणनीति, फेडरैली फुंडेड एआई को पोलिटिकल ने उत्रालिटी का पालन करना, और अमेरिकी एआई एक्सपोर्ट्स को बढ़ाना।अब मुद्दा यह उठा है कि क्या ट्रंप ने उसी दिन यह बयान भारत-ब्रिटेन एफटीए का जवाब है? मेरा मानना है कि नहीं, यह भले ही एक ही दिन निर्णय हुए हो परंतु नीचे पैराग्राफ में हम तथ्यात्मक विश्लेषण से इसका जवाब देंगे।चूँकि ब्रिटेन का, यूरोपीय यूनियन से त्यागपत्र देकर तुरंत भारत से एफटीए करना, भारतीय विदेशमंत्री की चीनी राष्ट्रपति व विदेशमंत्री समक्ष से मिलना व ट्रंप का भारत-चीन श्रम हायरिंग प्रतिबंध आदेश का संज्ञान कुछ दूसरे एंगल से लिया जा रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, क्या ट्रंप का भारत- चीन से श्रम हियरिंग प्रतिबंध का आदेश,भारत-ब्रिटेन एफटीए का जवाब है ? एक तथ्यात्मक विश्लेषण। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा 24-25 जुलाई 2025 को वॉशिंगटन डीसी में एआई सम्मिट में हायरिंग प्रतिबंध की घोषणा का भारत-ब्रिटेन एफटीए समझौते से कोई संबंध नहीं होने की करें तो ट्रम्प ने कल वॉशिंगटन डीसी में आयोजित एआई समिट में कहा अमेरिका की सबसे बड़ी टेक कंपनियां हमारी आजादी का लाभ उठाती हैं, लेकिन फैक्ट्रियां चीन में लगाती हैं और भारत से लोग भर्ती करती हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां अमेरिकी वर्कर्स को प्राथमिकता दें, यही देश हित में है। ट्रम्प ने टेक कंपनियों के ग्लोबलिस्ट माइंडसेट की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकियों को सबसे पहले नौकरी मिलनी चाहिए। ट्रम्प के मुताबिक विदेशों में फैक्ट्री और कर्मचारियों पर पैसा लगाकर कंपनियां अमेरिकी टैलेंट के हक को मार रही हैं।उन्होंने तीन एआई फोकज्ड एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स भी जारी किए-(1) एआई इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बनाने की रणनीति, (2) फेदेरैली फूंडेड एआई को पोलिटिकल नेउत्रलिटी का पालन करना, और (3) अमेरिकी एआई एक्सपोर्ट्स को ब ?ाया।अब सवाल उठता है कि क्या यह भारत-ब्रिटेन एफटीए (मुफ्त व्यापार समझौता) के जवाब में लिया गया कदम है? मेरा मानना है नहीं, ट्रंप की घोषणा और एआई सम्मिट में की गई घोषणाएँ संयुक्त राज्य अमेरिका के घरेलू रोजगार व तकनीक राजनैतिक एजेंडे के अनुरूप हैं। इनका भारत ब्रिटेन एफटीए (जो भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच 24 जुलाई 2025 को हुआ) से कोई सम्बंध नहीं है। ट्रंप का जोर अमेरिकी टेक उद्योग को भारत से दूरी बनाने पर है, ताकि अमेरिकी श्रमिकों को अवसर मिलें। इसलिए, ट्रंप के आदेश को एफटीए का जवाब कहना तथ्यात्मक सही नहीं है। साथियों बात अगर हम भारत ब्रिटेन एफटीए के तथ्यों की करें तो,ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन को नए व्यापार साझेदारों की तलाश थी। भारत, एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति और उपभोक्ता बाजार के रूप में, ब्रिटेन के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था। कई वर्षों के वार्ता के बाद, जुलाई 2025 में भारत और ब्रिटेन ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, निवेश,आईपी और श्रमिक गतिशीलता को लेकर महत्वपूर्ण प्रावधानों से युक्त था। 90 पेर्सेंट उत्पादों पर टैरिफ समाप्त-ब्रिटेन को भारतीय निवेशकों के लिए वीज़ा प्रक्रियाएँ आसान बनाना, डेटा संरक्षण और तकनीकी सहयोग पर विशेष अनुबंधशिक्षा, स्वास्थ्य और रक्षा क्षेत्रों में निवेश प्रोत्साहन यह समझौता भारत के लिए यूरोप के बाहर ब्रिटेन के साथ सबसे बड़ा व्यापारिक करार बन गया। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा 24-25 जुलाई 2025 को एआई सम्मिट में हायरिंग प्रतिबंध आदेश के दिए वक्तव्य की करें तो, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में एक बयान देकर टेक जगत में हलचल मचा दी है, उन्होंने अमेरिका की दिग्गज कंपनियों-गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजॉन, मेटा जैसी फांग कंपनियों से कहा कि वे भारत में लोगों को नौकरी देना बंद करें और केवल अमेरिकियों को प्राथमिकता दें,उनका यह बयान वायरल हो गया, जिसमें वे इन कंपनियों को ग्लोबलिस्ट माइंडसेट का आरोप लगाते नजर आए। ट्रंप ने कहा कि हमारी टेक कंपनियों ने अमेरिका की आजादी का फायदा उठाकर अपने ऑफिस चीन में खोले, भारत में कर्मचारियों की भरती की और मुनाफा आयरलैंड में जमा किया,अब ऐसा नहीं चलेगा, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या कंपनियां ट्रंप की बात मानेंगी?और क्या भारत में हजारों इंजीनियरों की नौकरी खतरे में है? ट्रंप ने टेक कंपनियों से भारत में हायरिंग रोकने की अपील की,टेक कंपनियां भारत में टेक टैलेंट और कम लागत का फायदा उठाना जारी रखेंगी! साथियों बात अगर एफटीए व हायरिंग प्रतिबंध के तथ्यात्मक विश्लेषण की करेंतो,भारत-ब्रिटेन एफटीए से प्रेरित नहीं, बल्कि अमेरिका की आंतरिक राजनीति और रिपब्लिकन वोट बैंक के गणित पर आधारित है।(1) भारत और चीन का विशेष उल्लेख क्यों भारत और चीन अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में आउटसोर्सिंग के प्रमुख स्रोत रहे हैं। टीसीएस,इन ?ोसिस, एचसीएल, विप्रो जैसी कंपनियाँ गूगल, अमे ?ॉन, माइक्रोसॉफ्ट जैसी अमेरिकी कंपनियों को बौद्धिक सेवाएं देती रही हैं।ट्रंप का यह संदेश न केवल चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी को लक्षित करता है, बल्कि भारत जैसे भागीदार देश की भूमिका को भी सीमित करने की कोशिश करता है (2) अमेरिका की घरेलू राजनीति बनाम वैश्विक कूटनीति (अ) ट्रंप का घरेलू एजेंडा -2024 चुनाव में ट्रंप की हार और 2025 में वापसी की तैयारी ने उन्हें पुन: अमेरिका फर्स्ट एजेंडे की ओर ले गया है।उन्होंने पहले भी 2016-2020 के कार्यकाल में एच -1बी वीज़ा और आउट सोर्सिंग पर कठोर नीति अपनाई थी।यह घोषणा अमेरिकी मध्यम वर्ग,ब्लू कॉलर वोटर्स और बेरोजगार युवाओं को साधने का प्रयास है। (3) वैश्विक समझौतों पर ट्रंप का दृष्टिकोण-ट्रंप वैश्विक व्यापार समझौतों के आलोचक रहे हैं, जैसे एनएएफटीए, टीपीपी आदि।वह बहुपक्षीय गठबंधनों को अमेरिका के लिए हानिकारक मानते हैं और एकतरफा लाभ की नीतियाँ पसंद करते हैं।इसलिए यह समझना जरूरी है कि ट्रंप की घोषणा भारत-ब्रिटेन एफटीए से प्रेरित नहीं, बल्कि अमेरिका की आंतरिक राजनीति और रिपब्लिकन वोट बैंक के गणित पर आधारित है। (4) क्या यह भारत-ब्रिटेन एफटीए का जवाब हो सकता है?- भारत- ब्रिटेन एफटीए का अमेरिका से सीधा संबंध नहींयह द्विपक्षीय समझौता है, जो यूरोपीय संघ या अमेरिका को प्रभावित नहीं करता।एफटीए के दायरे में अमेरिकी टेक कंपनियाँ या अमेरिकी श्रमिक नहीं आते। (5) भारत-ब्रिटेन साझेदारी से अमेरिका को कोई रणनीतिक खतरा नहीं अमेरिका और भारत स्वयं भी रणनीतिक साझेदार हैं -क्वाड, आईपीईएफ,2+2 वार्ता आदि मंचों पर।भारत-ब्रिटेन एफटीए से अमेरिका की जीडीपी या टेक सेक्टर पर कोई सीधा असर नहीं पड़ता। (6) अमेरिका की कंपनियाँ भारत को आउट सोर्सिंग केंद्र मानती हैं, एआई और आईटी सेक्टर में भारत की प्रतिभा का उपयोग अमेरिका की उत्पादकता को बढ़ाता है।इसपर प्रतिबंध अमेरिका के लिए भी घाटे का सौदा हो सकता है।इस प्रकार ट्रंप का यह कदम भारत- ब्रिटेन एफटीए का उत्तर नहीं, बल्कि स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता (अमेरिकन औतारकय) की सोच का हिस्सा है।भारत सरकार ने अब तक इस पर कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी है, जो इंगित करता है कि भारत इसे अमेरिका की आंतरिक राजनीति मानता है, न कि एफटीए के खिलाफ कूटनीतिक कदम। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या ट्रंप का भारत-चीन से श्रम हायरिंग प्रतिबंध का आदेश भारत- ब्रिटेन एफटीए का जवाब है ? एक तथ्यात्मक विश्लेषण

ट्रंप का जबरदस्त आगाज- मेक अमेरिका ग्रेट अगेन व अमेरिकी फर्स्ट-टेक कंपनियों को चीन में ऑफिस, भारत में कर्मचारियों की भर्ती, मुनाफा आयरलैंड में जमा अब नहीं चलेगा,भारतीयों में अद्भुत बौद्धिक क्षमता, जबरदस्त टैलेंट,जिस कंपनी में सेवाएं देंगे वह सफलताओं के झंडा गढ़ेगी-उनसे अच्छा अवसर हमारा इंतजार कर रहा है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत यूके मुक्त व्यापार समझौता देशहित में नहीं

24 जुलाई 2025 को भारत एवं यूके के बीच द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं इंग्लैंड के प्रधानमंत्री श्री कीर स्टारमर की उपस्थिति में हुई भारत के साथ यह द्विपक्षीय मुक्त व्यापार ठीक नहीं है क्योंकि इंग्लैंड की आर्थिक नीति ने भारत को गुलाम बना दिया था और अंग्रेजों ने देश पर शासन किया मेरे लिए देश सबसे ऊपर है और हम देश के स्वाभिमान से कोई भी समझौता नहीं कर सकते है हमें उनके साथ कभी व्यापार नहीं करना चाहिए जिसने देश को गुलाम बनाया हों हम अपने चीजों को खुद बना सकते हैं जों गाँधी जी का संदेश रहा है हमें अपने वीर शहीदों को याद करना चाहिए जिसने अपने प्राण देश को गुलामी से बचाने के लिए शहीद हों गए देश की गुलामी भी ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार से हुई थी उनकी विदेश नीति ठीक नहीं है जब भारत अंग्रेजों का गुलाम बना तो इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औद्योगिक अर्थव्यवस्था को लादना, भारत में पुराने देशी दरबारों के संरक्षण का लोप, मशीन उद्योगों की शुरूआत, विदेशी शासन की भारत में स्थापना और उसका राजनीतिक दबाव, बिट्रेन की आर्थिक नीति जिसके तहत उसने भारत को मूल रूप से कृषि प्रधान बनाए रखने की कोशिश की, 1813 ई. का चार्टर एक्ट इत्यादि। अर्थशास्त्र का एक आधारभूत सिद्धांत है कि सहज श्रम से या औद्योगिक तकनीकों से वस्तुओं के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। इस तरह मशीन उद्योगों के द्वारा कम समय में अधिक और सस्ते मालों की बिक्री प्रारंभ हुई, जिससे हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की मांग तथा बिक्री में कमी आई।मशीनीकरण से नुकसान हुआ जैसे अंग्रेजी सत्ता के राजनीतिक दबाव व विदेशी मशीन उद्योगों के सस्ते उत्पादनों के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों के कर्मचारी की जीविका का साधन नष्ट हो गया। यद्यपि 1850 ई. के पश्चात भारत में आधुनिक उद्योगों की स्थापना भी हुई, परन्तु इतनी तेजी से नहीं कि बेरोजगारी और बर्बादी के कगार पर पहुंचे मजदूर को पूर्ण रोजगार मिल जाए।भारतीय सामान अपने द्वारा निर्मित उत्कृष्ट किस्म की वस्तुओं को विदेश भेजते थे तो वहाँ भी केवल अभिजात और कुलीन वर्ग के लोग ही साधारणतया उसे खरीद पाते थे। इस प्रकार की सीमित मंडी तब और भी सीमित हो गई जब भारतीय वस्तुओं के प्रति विदेश में अवरोधक कानून बनाए जाने लगे। इसका भारतीय उद्योगों पर बुरा प्रभाव पड़ा। रोजमर्रा की आवश्यकताओं का उत्पादन में भारतीय उत्पादन के विकास के लिए आवश्यक था, लेकिन इसे प्राथमिकता नहीं मिली।ब्रिटेन तथा अन्य देशों में मशीन से निर्मित सस्ती वस्तुओं की बाढ़ भारत के ग्रामीण इलाकों में हस्तशिल्प के पतन का मूल कारण था। रेलवे तथा परिवहन के अन्य साधनों के विकास से इस बाढ़ को फैलने में मदद मिली, क्योंकि अब ग्रामीण लोगों की पहुंच भी विदेशों में उत्पादित सस्ती वस्तुओं तक होने लगी। कारखानों में विकसित उत्पादन की सस्ती और लाभकारी तकनीक का मुकाबला हमारा सभी उद्योग बन्द हो गई और प्राय: नष्ट हो गई। औद्योगिक क्रांति का दौर में इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय उद्योगों का जम कर विनाश हुआ। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इंग्लैंड के उत्पादन को भारत में खपाने का प्रयास किया। 1813 ई. के कम्पनी चार्टर एक्ट के द्वारा जब भारत में कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को लगभग समाप्त कर दिया गया तो भारतीय बाजारों में सस्ते दर की अच्छे किस्म की वस्तुओं की बाढ़ आ गई।इससे भारतीय उद्योगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की बिक्री में भारी कमी आई। पूंजी की कमी, तकनीकी ज्ञान के अभाव आदि के कारणों से भारत औद्योगिकीकरण का लाभ न उठा सका और आर्थिक रूप से पिछड़ गया। ग्रामीण उत्पादन प्रणाली में मशीन का प्रयोग बढ़ने से भी हस्तशिल्प उद्योगों का ह्रास हुआ, मशीनों द्वारा स्वाभाविक रूप से बढ़ती मांग को पूरा किया जाने लगा।देशी रजवाड़े हस्तशिल्प उद्योगों के संरक्षक थे। उनके संरक्षण के समाप्त होने के कारण हस्तशिल्प में उत्पादित वस्तुओं के खरीददार समाप्त हो गए, जिसका हमारे उद्योग पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा। ईस्ट इंडिया कम्पनी यद्यपि इन उद्योगों को प्रश्रय प्रदान कर सकती थी, परन्तु उसने अपने गृह राज्य के दबाव में आ कर ऐसा काम किया जो भारतीय उद्योग के लिए अहितकर हुए। भारतीय उद्योगों का इसलिए भी विनाश हुआ कि अंग्रेजों की सीमा शुल्क नीति और परिवहन नियमन के तरीके भारत के हित के प्रतिकूल में थे, जिससे भारतीय व्यापारियों को व्यापार करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। उदाहरण स्वरूप लार्ड लिंटन के शासनकाल में भारत में बनी कपास की वस्तुएं जो बाहर के देशों में भेजी जाती थी, उन पर अतिरिक्त शुल्क लगाया गया, जबकि भारत में इंग्लैंड से लाई कई कपास की वस्तुओं पर इस शुल्क को माफ कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि हुई, जबकि इंग्लैंड में बनी वस्तुओं के मूल्य में कमी। इससे भारतीय वस्तुओं की मांग पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा, जिससे हस्तशिल्प उद्योग भी प्रभावित हुआ। भारतीय उद्योगों के ह्रास का एक कारण इनके मंडी या बाजार का सीमित होना भी रहा, चूंकि भारत के हस्त शिल्प उद्योग मध्ययुगीन समाज के सीमित अभिजात्य वर्ग की पहुंच तक ही सीमित थे।ब्रिटेन की आर्थिक नीति के कारण भी परम्परागत उद्योगों का विनाश हुआ। इस नीति के तहत भारत में नये उद्योगों को विकसित होने से रोका गया। क्योंकि भारत में नये उद्योगों के विकास से ब्रिटेन में उत्पादित वस्तुओं की भारत में खपत घट जाती। इसके अलावे एक अन्य कारण से भी ब्रिटेन ने भारत को मूलत: कृषि प्रधान बनाए रखने का प्रयास किया। चूंकि इंग्लैंड को अपने उद्योगों को चलाने के लिए भारतीय कच्चे मालों के उत्पाद की जरूरत थी। इस तरह भारत एक औद्योगिक राष्ट्र का कृषि प्रधान औपनिवेशिक उपयोग बन कर रह गया जो आज तक वही प्रथा के कारण किसानों को किस्मत नहीं बदली और वो लाचार और विवश नजर आते हैं।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। निचले भावों पर माँग से मंगलवार को दलहनों में चना बढ़त पर रहा। मसूर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बढ़त पर रहा। किराना जिंसों में नारियल बाजार मजबूती पर रहे। लौंग व बड़ी इलायची में मजबूती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में निचले भावों पर माँग से भावों में जोरदार तेजी आयी और चना सुधरकर 6500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। मसूर में मजबूती देखी गयी। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बढ़त बनाये रहे। किराना जिंसों में नारियल माल की अक्षत से सुर्खी पर रहा। लौंग व बड़ी इलायची में मजबूती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4115-4130, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2240, सोया साल्वेंट 1150-1155, सोया रिफाइंड 1215-1220, कपास्या 1325, धूलिया 1330, कड़ी 1330,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1205, मुम्बई सोया 1240,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6800-6900, रायडा 6600-6700, सोयाबीन 4350-4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6450-6500, एवरेज 5600-5800, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्श?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6050-6100, मूंग देशी 7400-7500, पाला 7500-7600, चमकी 7500-7600, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों कीमती धातुओं में बाजार मजबूती पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 114500, चाँदी (99) 114400, टंच 113600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98500,

रुपया गिरावट पर बंद हुआ

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.83 रुपये पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 86.83 पैसे टूटकर 86.88 प्रति डॉलर पर आ गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग जारी रहने से रुपये के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा में अच्छी बढ़त बनी रही, जिससे घरेलू मुद्रा में नकारात्मक रुख रहा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने आर्थिक प्रयासों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी बात को लेकर प्रलोभन में न आएं। वरिष्ठ सदस्यों की बातों का आपको पूरा महत्व देना होगा। आपको यदि कोई जिम्मेदारी मिले, तो उसमें ढील बिलकुल न दें। आज आपको परिवार में किसी सदस्य से खरी खोटी सुनने को मिल सकती है जिससे आपके रिश्तों में कड़वाहट आ सकती हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको बड़ों की बातों को पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। शीघ्रता व भावुकता में आपको कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आपको बड़ों की बातों को ध्यान से सुनना होगा। आप छोटे बच्चों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

मिथुन- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों के ऊपर काम का दवाब रहने से थोड़ी टेंशन बनी रहेगी। आपकी अपने पिताजी से किसी बात को लेकर झड़प हो सकती है। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा, क्योंकि आपका खर्च बढ़ेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों में ढील बिल्कुल न दें।

कर्क- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। मन में किसी काम को लेकर टेशन बनी रहेगी। आपको किसी से पद की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिलने से उनका मन काफी खुश रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्ते बेहतर रहेंगे। आपकी किसी से कहीसुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा, नहीं तो परिवार में बेवजह के लड़ाई-झगड़े बढ़ सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाले हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। आप अपनी वाणी और व्यवहार से सबका दिल जीतेंगे। दोस्तों का साथ और सहयोग आप पर बना रहेगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपनी सेहत को लेकर यदि कोई समस्या महसूस हो, तो उसमें लापरवाही बिल्कुल ना करें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। कुछ नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा। करियर में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। पारिवारिक विषयों में एकजुटता बनी रहेगी। आपको किसी काम को लेकर बजट बनाकर चलना होगा। संतान को आप किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है।

तुला- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए थोड़ा सावधान रहने के लिए रहेगा, क्योंकि आपसे कोई गलती हो सकती है। किसी कानूनी मामले में आपको अत्यधिक मेहनत मशक्कत के बाद ही राहत मिलेगी। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर सूझबूझ से निपटाने की आवश्यकता है। पारिवारिक रिश्तों में एकता बनी रहेगी। किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान दें।

वृश्चिक- आज आप किसी से धन उधार लेने से बचें और आपको किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखना होगा। आप अपने ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति की बातों में आकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट ना करें। आपको अपने बिजनेस को लेकर पार्टनरशिप करने से बचना होगा। आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने घर का रिनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं। आपसे जल्दबाजी के कारण कामों में कोई गलती हो सकती है। नौकरी को लेकर परेशान चल रहे लोग बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। आपको किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। संतान को यदि आप कोई जिम्मेदारी देंगे, तो उसमें कोई गड़बड़ी हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य की पूर्ति के लिए रहेगा। आप अपने करीबियों से तालमेल बनाकर चलेंगे। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात होगी। आपको अपनी आवश्यक कामों को समय रहकर निपटाने की आवश्यकता है। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर सकेंगे। आपको अपने मन में चल रही उलझनों को लेकर जीवनसाथी से बातचीत करनी होगी। प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई मामला विवादित है, तो उसमें आप थोड़ा धैर्य बनाएं रखें। आपको कहीं काम को लेकर घूमने-फिरने जाना पड़ सकता है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में काम करने के लिए रहेगा। औद्योगिक क्षेत्रों में आपका अच्छा नाम रहेगा। टीमवर्क के जरिए काम करके आप अच्छा नाम कमाएंगे। आप अपनी संतान को जिम्मेदारी देंगे, तो उसमें मन लगाकर काम करेगा, जिससे आपका मन परेशान रहेगा। आपकी कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आप किसी से कोई लेनदेन ना करें। राजनीति में आप सोच समझकर कदम बढ़ाएं।

शब्दजाल - 7975

शब्द जाल में सुनील शेट्टी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं।

श	रा	दि	ल	वा	ले	ह	ट	अं	क	र
छ	च	दी	ह	रि	लै	ता	दि	त	को	धु
स	र	ह	वा	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	वी
पू	म	दा	च	ने	क	ड़	ढा	ल	र	र
त	वॉ	र्ड	र	ह	हु	रि	घि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ए	ती	झ	न	ती
ट	र	बु	अं	र	म	ट	पा	ला	ह	क
क	ज	क्ष	ला	क	छ	सौ	न	ग	जू	ट
ह	थो	तें	क	ह	ज	दा	ने	दा	ल	द
र	ल	प	ति	मो	ह	रा	वें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

अंत, दिलवाले, सपूत, रक्षक, रघुवीर, मोहरा, दीवाने हुए पागल, ढाल, बॉर्डर, कहर

शब्दजाल - 7974 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कन्या में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.51 बजे से
कन्या	09.03 बजे से
तुला	11.13 बजे से
वृश्चिक	13.28 ब.से
धनु	15.44 बजे से
मकर	17.49 बजे से
कुंभ	19.36 बजे से
मीन	21.09 बजे से
मेष	22.39 बजे से
वृष	00.19 बजे से
मिथुन	02.17 बजे से
कर्क	04.31 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 211 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि षष्ठी 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 21.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 03.40 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 13.41 बजे तदनन्तर तैतिल 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 05.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 30’
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872421
जूलियन दिन 2460886.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 04
विशेष कल्कि जयंती, स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दान का महत्व

सेठ जमनादास गांधीजी के चरखा संघ के अध्यक्ष थे। चरखा संघ का सारा हिसाब-किताब वही रखते थे। एक बार गांधीजी एक सभा में चरखा संघ के महत्व के बारे में लोगों को बता रहे थे और कह रहे थे कि इसका सारा खर्च चंदे से ही चलता है। उनके बगल में जमनादास बैठे थे। सभा खत्म होने के बाद लोग लाइन लगा कर चरखा संघ के लिए दान पात्र में चंदा डालने लगे। कतार में एक बहुत गरीब बुढ़िया भी थी। वह दान पात्र में चंदा न डाल कर गांधीजी के पास आने लगी। स्वयंसेवकों ने उसे गांधीजी के पास जाने से रोक दिया। स्वयंसेवकों को ऐसा करते देख गांधीजी ने कहा, ‘मां को मेरे पास आने दो।’ बुढ़िया ने गांधीजी के पास पहुंच कर एक पोटली खोली और एक अधेला (आधा पैसा) उनके चरणों में रखते हुए कहा, ‘मेरे पास कुल जमा पूंजी इतनी ही है।’ गांधीजी ने उस अधेले को माथे से लगाया और बोले, ‘मां, हमारे लिए तो आप का दिया हुआ धन सबसे ज्यादा है।’ सेठ जमनादास सब कुछ देख रहे थे। सभी लोगों के जाने के बाद गांधीजी ने दान पात्र का सारा पैसा जमनादास को दे दिया मगर बुढ़िया द्वारा दिया गया एक अधेला अपने पास रख लिया। जमनादास ने कहा, ‘बापू, आप ने एक अधेला नहीं दिया।’ गांधीजी बोले, ‘उसे मैं अपने पास रखूंगा।’ जमनादास ने कहा, ‘चरखा संघ को मिलने वाले हजारों रुपये मैं ही लेता हूं। पर इस अधेले के लिए आप को मुझ पर विश्वास नहीं है।’ गांधीजी ने कहा, ‘यदि किसी व्यक्ति के पास हजारों रुपये हों और वह उसमें से सौ रुपये दे दे, तो कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उस बुढ़िया के लिए यह अधेला ही सारी जमा पूंजी थी जो उसने दान कर दी। कितना बड़ा त्याग किया है उसने। उसका अधेला मेरे लिए करोड़ों से ज्यादा है। जब तक यह मेरे पास रहेगा, मुझे दान के महत्व का अहसास कराता रहेगा।’

फिल्म वर्ग पहेली- 6919

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. ‘छम छम बरसा’ गीत वाली फिल्म-३
६. ‘जलता है जिया मेरा भीगी भीगी’ गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. ‘मरना तेरी गली में जीना तेरी’ गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की ‘रंग दीन्ही रंग’ गीत वाली फिल्म-२
१३. ‘कहना है तुम’ गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. ‘सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार’ गीत वाली फिल्म-२
१५. ‘चाँदनी रात है’ गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. ‘जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी’ गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. ‘याइला रे लड़की मस्त’ गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की ‘बहारों की बारात आ’ गीत वाली फिल्म-३
२८. ‘तुझे देखके दिल’ गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. ‘जिस का मुझे था’ गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. ‘रंग भरे मौसम से’ गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. ‘मैं तेरी मुहब्बत में’ गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. ‘दिल्ली की सर्दी’ गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. ‘किसी के दिल में’ गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की ‘इधर गया था’ गीत वाली फिल्म-४
१६. ‘तेरे बिना तेरे’ गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की ‘ओ भंवरे देखो हम’ गीत वाली फिल्म-२
१८. ‘खाई है रे हमने कसम संग रहने की’ गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की ‘चुराया तूने दिल’ गीत वाली फिल्म-४
२२. ‘अपनी चाहतों पे काबू’ गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की ‘मैंने दिल से कहा’ गीत वाली फिल्म-२
२४. ‘हम तीनों की वो यारी’ गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. ‘पहली बार जो’ गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. ‘सुन जरा सोनिये’ गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6918

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7228

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1		7		
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7227 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 8443

बाएँ से दाएँ

1. आदत, स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरूरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना, धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश, बंजारा-4
16. अंधेरा, अंधकार-3
18. खामी, बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा, करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज, विदेशी-3
2. लीन, मगन-2
3. पैंदा, तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक, लेस-2
6. तहजीब, सलीका-3
8. देह, काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान, आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र, चिट्ठी-2
22. होठ, अधर-2
23. मृत्यु देवता, यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -8442 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.93 अंकों की तेजी के साथ ही 81,337.95 अंकों पर बंद हुआ। वहं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 140.20 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,821.10 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि 10 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसी तरह निफ्टी की 50 में से 36 कंपनियों के शेयर बढ़कर बंद हुए। वहीं14 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एलएंडटी के शेयर सबसे ज्यादा 2.15 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि टीसीएस के शेयरों में सबसे अधिक 0.72 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल अन्य कंपनियों की बात करें तो आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 2.07 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.03 फीसदी, टाटा स्टील 1.69 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.42 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.42 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.28 फीसदी, भारती एयरटेल 1.05 फीसदी, सनफार्मा 0.93 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.75 फीसदी नीचे आये। वहीं एक्सिस बैंक के शेयर 0.64 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.58 फीसदी, आईटीसी 0.43 फीसदी, टाइटन 0.41 फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.08 फीसदी के नुकसान के साथ बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 38 अंक की गिरावट के साथ 80,842 और निफ्टी 2 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 24,678 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का आईटी शेयरों की ओर से किया जा रहा था, जिसके कारण निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में था। वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी जा रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट के लिए अभी अनुकूल परिस्थितियों की तुलना में प्रतिकूल परिस्थितियां ज्यादा हैं।

अब बिना पिन के कर पाएंगे यूपीआई से भुगतान

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) में बड़ा अपडेट होने जा रहा है। इससे उपयोगकर्ताओं को हर बार पिन दर्ज करने की जगह चेहरे की पहचान (फेस रिकॉग्निशन) और उंगलियों के निशान (फिंगरप्रिंट) जैसे बायोमेट्रिक्स का उपयोग करके लेनदेन को प्रमाणित करने की अनुमति मिलेगी। उद्योग के जानकारों ने इसकी पुष्टि की है। इस नए फीचर की अभी समीक्षा की जा रही है और इसे लागू करने के लिए नियामक की मंजूरी की जरूरत होगी। जानकारों का कहना है कि इससे यूपीआई की सुरक्षा और पुख्ता होगी क्योंकि इनमें पिन चोरी और धोखाधड़ी की ज्यादा गुंजाइश रहती है। आगामी 2025 ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में इसको प्रदर्शित किया जा सकता है। इस अपडेट को लागू करने के बाद उपयोगकर्ता पिन दर्ज किए बिना ही लेनदेन के लिए चेहरे की पहचान और अपनी उंगलियों के निशान का उपयोग कर सकेंगे। सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने यूपीआई पारि ?स्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों के साथ समीक्षा, प्रतिक्रिया और लागू करने से पहले की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए इस फीचर का विवरण साझा किया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम इस पर एक साल से ज्यादा समय से काम कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम संचालन समिति और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र से हरी झंडी मिलने के बाद इसे लागू किया जा सकता है।

अमेरिका ने भारत पर व्यापार समझौते में तुरंत शुल्क हटाने का दबाव बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से पहले एक नई चुनौती सामने आ गई है। अमेरिका चाहता है कि भारत समझौते के लागू होते ही अधिकांश उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दे। जबकि भारत इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के पक्ष में है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की मांग है कि अधिकांश वस्तुओं पर शून्य शुल्क तुरंत लागू हो, जबकि कुछ संवेदनशील उत्पादों पर यह 1-2 वर्षों में हटाया जा सकता है। परंपरागत रूप से भारत ‘टैरिफ स्टेजिंग’ के तहत शुल्क कम करने की नीति अपनाता आया है, जिसमें समयबद्ध तरीके से शुल्क घटाया जाता है। ब्रिटेन के साथ हाल में हुए मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने 10 वर्षों में 90 फीसदी वस्तुओं पर शुल्क हटाने का समझौता किया, जिसमें से 64 फीसदी वस्तुएं समझौते के लागू होते ही शुल्क मुक्त हो गईं। यह मॉडल भारत को घरेलू उद्योगों की रक्षा का अवसर देता है। इस बीच, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत की नीति घरेलू बाजार को संरक्षित करने पर केंद्रित रही है, लेकिन अमेरिका चाहता है कि बाजार अधिक खुले। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस मुद्दे पर अभी और वार्ता की आवश्यकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यदि समझौता होता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को अमेरिकी मांगों के आगे नहीं झुकना चाहिए और संतुलित समझौता करना चाहिए। समझौते को लेकर अंतिम समयसीमा 1 अगस्त तय की गई है, और ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमति बना पाते हैं या नहीं। यदि यह सफल होता है, तो यह भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों में नया अध्याय साबित हो सकता है।

मौसम हरिनखेड़े ओबीसी कल्याण आयोग नियुक्ति उपरांत प्रथम आगमन पर जगह जगह हुआ भव्य स्वागत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा अन्य पिछडा वर्ग कल्याण आयोग के द्वारा भाजपा नेत्री श्रीमती मौसम हरिनखेड़े को अन्य पिछडा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति उपरांत श्रीमती मौसम हरिनखेड़े का लांजी की पावन धरा में प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओ के द्वारा स्वागत वंदन किया। कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम पूर्व विधायक रमेश भटेरे एवं परिवार के द्वारा ग्राम बोलेगांव पुष्प गुच्छ भेंट तिलक वंदन कर स्वागत सत्कार किया गया इसी कड़ी में लांजी में विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा अपने निवास में स्वागत वंदन किया गया जहां भाजपा पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वागत कार्यक्रम के अन्तर्गत भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया के निवास भी पंहुची श्रीमती मौसम हरिनखेडें जहां मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया एवं परिवार के द्वारा मौसम हरिनखेडे को बधाई प्रेषित करते हुये शॉल श्रीफल भेंट कर स्वागत वंदन किया गया।

कोटेश्वर महादेव के दर्शन करने पंहुची श्रीमती मौसम

मौसम हरिनखेड़े तथा भाजपा के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता स्वागत कार्यक्रम केपश्चात कोटेश्वर धाम पंहुचकर कोटेश्वर नाथ के दर्शन लाभ लेते हुये विधि पूर्वक पूजन अर्चन किया गया तभा देश एवं प्रदेश में खुशहाली के लिये प्रार्थना की गई। आपने कहा कि भगवान भोलेनाथ का पवित्र माह सावन मास चल रहा है। सभी भोलेनाथ की आराधना में लीन है। मै समझती हूँ की हमारे बालाघ्ज्ञाट जिले की विरासत है इतना वर्षो पुराना हमारा दादा कोटेश्वर जी का मंदिर स्थापित है। इस धाम के जीर्णोद्धा को लेकर वहां बहुत अच्छा कार्य हो इसमे हमारे विधायक राजकुमार कर्राहे के प्रयासो से और पिछले दिनों हमारे मुखिया डॉ मोहन यादव जी भी आये हुये है इस मंदिर में उनके द्वारा भी मंदिर के जीर्णोद्धा के लिये कहा गया है। दादा कोटेश्वर के आशीर्वाद से कोटेश्वर धाम का बहुत अच्छा कायाकल्प होगा।

एकल अभियान संच लांजी के द्वारा किया गया स्वागत वंदन

कोटेश्वर धाम पंहुची श्रीमती मौसम हरिनखेड़े का एकल अभियान संच लांजी के द्वारा स्वागत

वंदन किया गया। बतादे कि एकल अभियान संच लांजी के द्वारा 30 दिवसीय अखण्ड श्रीराम चरित मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, उपाध्यक्ष संजय खंडेलवाल, राजेश रहांगडाले, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, देवेश ऐडे, गौरव बैस सहित अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता पंहुचे जहां सभी ने श्री राम जी की प्रार्थना पूजन कर रामायाठ पाठ किया। वहीं एकल अभियानं संच के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे श्रीमती लता किरनापुरे के द्वारा श्रीमती मौसम हरिनखेड़े को श्री रीमचरित मानस ग्रथ भेंट कर स्वागत वंदन किया गया।

लांजी आगमन के द्वारा श्रीमती मौसम हरिनखेड़े मीडिया से रूबरू होकर कहा कि मध्यप्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव जी की सरकार संवेदन शील है हर जाति वर्ग समाज को उनके अधिकार हक को दिलाने के लिये बारिकी से काम कर रही है। इसी निमित्त चूंकी बडा समुदाय अन्य पिछड़ा वर्ग का आता है उनके शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार, राजनीति में उनकी भागीदारी तमाम विषयो को लेकर मध्यप्रदेश के तात्कालिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा मध्यप्रदेश पिछड़ाव वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया था। जिसके माध्यम से 2021 से 23 के चुनाव में जो अति आवश्यक पंचायत एवं नगरीय निकाय के चुनाव में आरक्षण के साथ हो इस पर आयोग ने अपना अध्ययन किया, रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सफलता हासिल कर मध्यप्रदेश में इतिहास रचा। वर्षा से लंबित मांग 27 प्रतिशत आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय को मिले, छात्र छात्रांओ को हायर एजुकेशन के लिये प्रामोशन में कैसे आरक्षण मिले इस हेतु सरकार ने पुन- आयोग का जवाबदारी दी है। हम सभी तथ्यो का बारिकी से अध्ययन करके हमारे आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमारिया जी के नेतृत्व में पुरी टीम काम कर रही है। दिन और रात एक कर पुरे मध्य प्रदेश के आंकडे एकत्रित कर अगली सफलता हमारी अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने में होगी। हमारे द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की जावेगी रिपोर्ट के माध्यम से सरकार बील लाकर कानून बनाकर एक नया इतिहास रचा जायेगा हम सभी इसी तैयारी में है। हमे विश्वास है चूंकी हमारी मंशा साफ है इसलिये सफल्ता भी हमारे हाथ होगी। इसके साथ ही चाहे हमारी अनुसूचित जाति हो जन जाति हो हर समाज के लिये भारतीय जनता पार्टी की सरकार संकल्पित है। सबका साथ सबका विकास हमारा मत्र है और इसी भाव के साथ हम सब काम कर रहे है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में भारत हमारा विकसित बने, मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बने और नई नई विकास की गाथा रची जाये। यही सब का संकल्प है और इसके निमित्त हम सब कार्य कर रहे।

पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे ने कोटेश्वर धाम पहुंचकर किया अभिषेक

श्रीरामचरित मानस पाठ कार्यक्रम में हुई शामिल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन की पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं लांजी किरनापुर क्षेत्र की विधायक सुश्री हिना कावरे 29 जुलाई दिन मंगलवार को श्रावण मास के पावन पर्व के चलते कोटेश्वर धाम लांजी पंहुची आपके साथ जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, देवेन्द्र खोंगल, बहेला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, मुकेश जोशी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, पार्षद सौरभ पशीने, मुकेश रणदिवे, शरद आसटकर, लीलाधर डोलस, रेवाजी करहाटकरे, पंकज कावरे, राजू मस्करे, मनीष जुझारे, अनमोल तिड़के सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सुश्री कावरे सर्वप्रथम कोटेश्वर धाम पंहुचकर भगवान कोटेश्वर नाथ जी का अभिषेक पूजन कर प्रदेश में सुख समृद्धि, खुशहाली की कामना की।

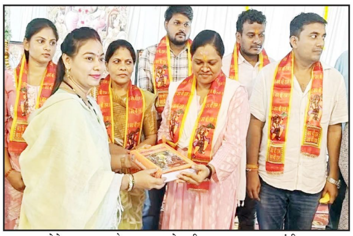

श्रीरामचरित मानस पाठ कार्यक्रम में हुई शामिल

कोटेश्वर महादेव के दर्शन उपरांत सुश्री हिना कावरे एवं उक्त सभी जन कोटेश्वर धाम परिसर में चल रहे एकल अभियान संच लांजी के द्वारा अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ कार्यक्रम में शामिल हुई। जहां आपके द्वारा कुछ देर श्री रामायण पाठ का संगीतमय वाचन किया गया। इस अद्भुत कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुये एकल अभियान संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे एवं श्रीमती लता किरनापुरे को बधाई प्रेषित की। वही झनकार किरनापुरे के द्वारा सुश्री कावरे एवं समस्त उपस्थित जनो को श्री रामाचरित मानस ग्रंथ भेंट कर सरयू नदी के जल एवं अयोध्या की माटी से सभी जनो का तिलक वंदन किया गया।

विकासखंड लांजी में शिक्षा विभाग की परामर्शदात्री की हुई बैठक

शिक्षकों की समस्याओं पर हुई गंभीर चर्चा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार, 28 जुलाई 2025 को विकासखंड लांजी में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार भिमटे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण परामर्शदात्री बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विकासखंड के सभी शिक्षक संगठनों के ब्लॉक अध्यक्षों, संकुल प्राचार्यों और अन्य प्रमुख प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षक संवर्ग की लंबित समस्याओं पर चर्चा कर उनके शीघ्र निराकरण हेतु ठोस कदम उठाना था। बैठक में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, लांजी के ब्लॉक अध्यक्ष तिलक चंद बनोठे ने शिक्षक संवर्ग की विभिन्न लंबित समस्याओं को विकासखंड शिक्षा अधिकारी के समक्ष रखा। इन समस्याओं में निम्नलिखित प्रमुख मांगें शामिल थीं सेवा पुस्तिका का अनुमोदन और वेतनमान लाभ- 12 वर्ष और 24 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाओं का त्वरित अनुमोदन कर उन्हें नियमानुसार वेतनमान और बकाया राशि (एरियर्स) का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जीपीएफ और एनपीएस पासबुक का संधारण- शिक्षकों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) की पासबुक का मासिक व वार्षिक निर्धारण और संधारण नियमित रूप से

किया जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। लंबित एरियर्स का भुगतान- समस्त शिक्षक संवर्ग के बकाया एरियर्स का भुगतान शीघ्र किया जाए, जिससे शिक्षकों को आर्थिक राहत मिल सके। हड़ताल अवधि के वेतन का समायोजन- सितंबर 2022 में आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में की गई हड़ताल के दौरान शामिल शिक्षकों के वेतन को बिना शासकीय आदेश के रोका गया था। इस अवधि के वेतन को अर्जित अवकाश के समायोजन के साथ शिक्षकों के खातों में जमा कर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार भिमटे ने इन सभी मांगों को गंभीरता से सुना और शिक्षक समुदाय की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता व्यक्त की। उन्होंने आश्वासन दिया कि 15 अगस्त 2025 तक उपरोक्त सभी समस्याओं का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, लांजी ने इस सकारात्मक पहल और बैठक के आयोजन के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री भिमटे के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। संघ ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि शिक्षक समुदाय की समस्याओं का समाधान शीघ्र होगा, जिससे शिक्षकों का मनोबल बढ़ेगा और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी कार्यक्षमता में और वृद्धि होगी। बैठक में प्रमुख रूप से आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष चंद्रभूषण चौहान, ब्लॉक सचिव मुकेश कुमार हरिनखेडे, और ब्लॉक संरक्षक भगवती प्रसाद बनोठे सहित कई अन्य गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इन सभी ने शिक्षक समुदाय की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत पालडोंगरी, अमेड़ा, कुम्हारीखुर्द में महिला सशक्तिकरण पर किया कार्यशाला

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल करते हुए 29 जुलाई को लांजी क्षेत्र के ग्राम पंचायत पालडोंगरी, अमेड़ा, कुम्हारीखुर्द में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी, एवं केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में (महिलाओं के विकास एवं ज्ञान आधारित उन्नति के लिए सहयोग अंतिम पड़ाव तक पहुँच और क्षमता विकास के प्रयास हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930, महिलाओं के केन्द्रीय कानून (घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005), कार्यस्थल पर महिलाओ

का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) 2013, दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम (1961), मिशन वात्सल्य, बाल विवाह निषेध अधिनियम (2006), लैंगिक अपराधों से बच्चो का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम (2012), गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (1994), मेडिकल टर्मिशन ऑफ़ प्रेगनेंसी (एमटीपी),, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, बाल विवाह से रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। उक्त कार्यशाला में आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता एवं ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा भी आपातकालीन संपर्क नंबरों से अवगत कराया, जिससे आमजन इन सेवाओं का आवश्यकता पड़ने पर तत्काल लाभ ले सकें। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पालडोंगरी में सरपंच गणेश नारनौरे, सहसचिव राजकुमार कावड़े, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीना रामटेके, लता नारनौरे, विनीता कावड़े, लता घोरमारे, निर्मला बिसेन, पंच राजेश मुरकुटे, ग्राम पंचायत अमेड़ा पा में सरपंच ठगुबाई बिछोड़े, सचिव पवन कंकरायने, सहायक सचिव प्रदीप रावते, शिक्षिका श्रीमती रेखा सिरामे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंगला रणदिवे, छाया दुरूगकर, आकांक्षा घोंगड़े, चन्द्ररेखा पारधी, विनिता कावड़े आदि एवं ग्राम पंचायत कुम्हारी खुर्द में सचिव आशिष अगासे, मनोज तिवारी, संगीता भिमटे, गायत्री गौतम, मिनाक्षी मिश्रा, शांति भल्ले, राजेश धनवले, महेश उमरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में हुआ कारगिल विजय दिवस का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय महाविद्यालय लांजी में शासन के निर्देशानुसार मंगलवार को कारगिल विजय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त सैनिक निरंजन देवगढ़े ने विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व बताया और घायल सैनिकों के प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक पहलुओं, कारणों और इसके दीर्घकालिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र कुमार चिखले ने विद्यार्थियों को अनुशासन बनाए रखने और मोबाइल के उपयोग को कम कर समय का सदुपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डालेश कुमार विजयवार ने किया, जिन्होंने कारगिल विजय दिवस के उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की संयोजक व स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रभारी डॉ. गौतमा कठाने ने कारगिल युद्ध की कहानी सुनाई और वीर जवानों के सम्मान में कविता पाठ किया। इस अवसर पर प्रो. दीपमाला सूर्यवंशी, प्रो. गोलू परते, आर.आर. टिकेश्वर,

साहेबलाल एड़े, जसपाल सिंह सिद्धू, नितेश मेश्राम, महेश दमाहे, डॉ. ललित कामड़े, कु. अंजली सोनी, श्रीमती ममता नारनौरे, भागवत रघुवंशी, शुभम रामटेके, कैलाश इंझरावते, रोशनी सोनवाने, वैभव मुरकुटे, लखनलाल बाहे, राहुल पारधी, हितेश बंसोड़, श्रीमती खेलन बाई राउत, श्रीमती गीता शुक्ला सहित महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शासकीय महाविद्यालय में सीट वृद्धि के लिए सौंपा ज्ञापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) महाकौशल प्रांत, जिला बालाघाट की लांजी इकाई ने शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य आर आर सोनवाने को एक ज्ञापन सौंपा। यह कदम वर्तमान शैक्षणिक सत्र में प्रवेश से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं और छात्र-छात्राओं ने बताया कि बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले कई मेधावी छात्र-छात्राएं सीमित सीटों के कारण शासकीय महाविद्यालय में प्रवेश लेने में असमर्थ हैं। इस स्थिति के चलते उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीटों की कमी के कारण प्रवेश न मिलने से न केवल उनका एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद होने का खतरा है, बल्कि कई छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह सकते हैं, जो उनके भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। लांजी तहसील में शासकीय महाविद्यालय एकमात्र सरकारी उच्च शिक्षा संस्थान है, जिस पर आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं निर्भर हैं। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा प्राप्त करने का एकमात्र सुलभ साधन है। ऐसे में सीटों की कमी के कारण कई प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का उच्च शिक्षा का सपना अधूरा रह जाता है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष युगेश रामटेककर भी उपस्थित थे। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि सीटों की संख्या में तत्काल वृद्धि की जाए, ताकि कोई भी इच्छुक और योग्य छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने प्राचार्य से इस मुद्दे को उच्च शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का आग्रह किया। कार्यकर्ताओं ने यह भी बताया कि लांजी और आसपास के क्षेत्रों में निजी महाविद्यालयों की कमी के कारण शासकीय महाविद्यालय पर दबाव बढ़ गया है, जिसके चलते सीट वृद्धि की मांग और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इस अवसर पर एबीवीपी इकाई लांजी के पदाधिकारियों ने कहा कि वे इस मांग को लेकर निरंतर प्रयास जारी रखेंगे और आवश्यकता पड़ने पर उच्च स्तर पर भी इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने यह भी मांग की कि प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाया जाए, ताकि सभी पात्र छात्र-छात्राओं को शिक्षा का समान अवसर प्राप्त हो सके। प्राचार्य श्री सोनवाने ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मांग को गंभीरता से लेंगे और इसे उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने छात्रों की चिंताओं को समझने का भरोसा दिलाया और कहा कि महाविद्यालय प्रशासन इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने का प्रयास करेगा।

में "पद्मेश"
नेट (ब्राडबेंड)
के लिये संपर्क करें
31996927

ओबीसी आरक्षण पर विधानसभा में मुख्यमंत्री डा. मोहन याद बोले...

डंके की चोट पर ओबीसी को देंगे 27 प्रतिशत आरक्षण

जातिगत जनगणना कराएंगे; कांग्रेस समाज को भडक़ाने का काम कर रही

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम डंके की चोट पर कह रहे हैं कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे। जल्दी से जल्दी कोशिश करेंगे कि 13 प्रतिशत आरक्षण जिन्हें मिला है, उन अभ्यर्थियों को हक के आधार पर नौकरी मिले और योग्यता के आधार पर उनका चयन हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अलग-अलग समाज को भडक़ाने का काम करती है जबकि सारी चीजों में उनका ही इन्वॉल्वमेंट है। पिछड़ों की जनगणना को बंद करने का पाप कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी पर जाता है। बाद में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और उनके बाद लगातार कांग्रेस की सरकार रहीं लेकिन उन्हें जातिगत जनगणना नहीं कराई। सीएम ने कहा कि हमारे राज्य में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मामले में कांग्रेस बिना तथ्य के कमजोरी के आधार पर लाचार नियमों के आधार पर बात कर रही है। अब उस बात के आधार पर झूठ बोलती है कि हमें 27 प्रतिशत आरक्षण दो। हम डंके की चोट पर कह रहे हैं कि 27 प्रतिशत आरक्षण देने वाले हैं और हमारे कई विभागों के अंदर जहां स्टे नहीं था, वहां प्रतिशत परसेंट आरक्षण दे दिया है लेकिन जहां जो कोर्ट में मामला अटका पड़ा है तो उसके लिए कोर्ट में भी हम सरकार का पक्ष रख रहे हैं।

सीएम ने कहा कि हमने कहा जनरल कैटेगरी का 10 प्रतिशत हो एससी-एसटी ओबीसी सभी के लिए हमने हमारे मन में भाव बराबर है। हम किसी दायरे में सिमटना नहीं चाहते। सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए है इसीलिए जो 13 प्रतिशत ओबीसी का आरक्षण का मामला कोर्ट में भी लंबित है। हम जल्दी से जल्दी कोशिश करेंगे कि वह 13 प्रतिशत आरक्षण जिन्हें मिला है उन अभ्यार्थियों को हक के आधार पर नौकरी मिले और उनकी अपनी योग्यता के आधार पर उनका चयन हो।

जातिगत जनगणना करेंगे और आंकड़े सामने लाएंगे

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जातिगत जनगणना पर कहा- मैं कल के चरित्र के लिए कहना चाहता हूं कि कांग्रेस अलग-अलग समाज को भडक़ाने का काम करती है जबकि सारी चीजों में उनका ही इन्वॉल्वमेंट है। पिछड़ों की जनगणना को बंद करने का पाप कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू जी पर जाता है। बाद में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और उनके बाद लगातार हमारी अटल जी की सरकार को छोड़ दो तो लंबे समय तक कांग्रेस की सरकार रहीं लेकिन उन्हें जाति जनगणना नहीं कराई। जो जनगणना अंग्रेजों के समय चलती थी, वह भी बंद कर दी। 2011 में जनगणना की जोर-जोर से बात की लेकिन उसका रिकॉर्ड आज तक सामने नहीं लाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलेआम कहा है कि हम जाति जनगणना करेंगे और समय सीमा में उसके आंकड़े जनता के सामने लाएंगे।

मनुष्य योनि को बदनाम कर रही कांग्रेस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर कहा कि नाग पंचमी की बधाई। मैंने सदन में भी विपक्ष के सदस्यों से कहा है कि आप ढाई लाख से ज्यादा वोटरों के बीच में से चुनकर आते हैं तो अपनी मर्यादा के आधार पर आपको पूरा अधिकार है। आप सदन में बोलें, महात्मा गांधी के सामने जो बात रखना है, वह रखें। आपको तो फर्क पड़ता नहीं है। लेकिन मुझे तो उन वन्यप्राणी पर दया आती है जो हंसते हुए सोचते होंगे कि यह हमारा रूप बनाकर भैंस क्यों बनना चाहते हैं? मनुष्य योनि को बदनाम कर रहे हैं। कभी गिरगिट बनकर अपनी बात रखते हैं। यह कांग्रेस का रंग बदलने का चरित्र आजादी के बाद से दुनिया ने देखा है। प्रदेश ने देखा है। कांग्रेस हमेशा दो रंग के चरित्र से जीती है तो वह अपने चरित्र को सामने क्यों बता रही है। हम सब जानते हैं कि उनके जमाने में भैंस के आगे बीन बजाने जैसा काम ही चलता था। जब राज्य के अंदर विकास के सारे दरवाजे बंद थे... बिजली, पानी सडक़ सब की दुरावस्था थी।

टाइगर रिजर्व बफर जोन में शुरू होगी टाइगर सफारी

सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को बाघ दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पूरी दुनिया में जितने बाघ हैं, उसमें आधे से अधिक अपने देश के अंदर हैं। देश में सबसे ज्यादा बाघों का गौरव मध्यप्रदेश को है। हमारी सरकार बनने के बाद दो टाइगर रिजर्व डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर रातापानी और माधव नेशनल पार्क बनाए गए। हम अपने टाइगर रिजर्व के बफर जोन में भी टाइगर सफारी भी प्रारंभ करेंगे। भारत के बाघों को कंबोडिया में विस्थापित किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा- हमने बाघों को संरक्षित करके गौरव हासिल किया है।

ईओडब्ल्यू ने मंडला में जगदीश सरवटे के रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, होटल सहित भोपाल के फ्लैट पर मारा छापा

भोपाल। ईओडब्ल्यू जबलपुर द्वारा जगदीश प्रसाद सरवटे, उप आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, जबलपुर के मण्डला स्थित रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, होटल सहित भोपाल में कोरलवुड में स्थित उसके फ्लैट पर छापामार कार्यवाही की। इस सर्चिंग के दौरान जगदीश प्रसाद सरवटे की काली कमाई का आंकड़ा और बढ़ गया है, जॉच के दौरान बेहिसाब अनुपातहीन संपत्ति का खुलासा हुआ है। विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ईओडब्ल्यू, जबलपुर द्वारा 22 जुलाई 2025 को की गई छापामार कार्यवाही के क्रम में टीम ने जगदीश प्रसाद सरवटे, उप आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, जबलपुर के मंडला और भोपाल में कोरलवुड स्थित आरोपी के फ्लैट पर सर्च कार्यवाही की गयी। इस दौरान जगदीश प्रसाद सरवटे और उसके परिजनों के नाम से बेहिसाब संपत्तियों से संबधित जानकारी मिली है। इनमें बीमा कंपनियों में 28 लाख 76 हजार 418 रूपये, मण्डला स्थित रिसोर्ट, रेस्टोरेंट, होटल की जानकारी मिली। छापा कार्यवाही के क्रम में मंडला बबेहा नाला में स्थित जायका रेस्टोरेंट, ढाबा में सर्च कार्यवाही के दौरान यहॉ से 4 लाख 46 हजार 490 रूपये की संपत्ति प्राप्त हुई। मंडला जिले के कान्हा नेशनल पार्क के मोचा नामक स्थान पर जगदीश के 2400 वर्गफुट में नवनिर्मित 10 कमरों के इस सुज्जित रिसार्ट में सर्च के दौरान 18 लाख 25 हजार 600 रुपये की संपत्ति पायी गयी। इस भवन की कीमत अनुमानित 24 लाख रूपये है। इसके परिसर में शासकीय शराब दुकान संचालित है। भोपाल स्थित होशंगाबाद रोड, कोरलवुड बिल्डिंग सी-3 में एक फ्लैट नंबर 404 की सर्च की गयी जिसमें 2 लाख 90 हजार 900 रूपये की संपत्ति प्राप्त हुई। फ्लैट से ही करीब 51 हजार की 37 मंहगी शराब की बोतलें भी मिली है, जिसे जिला पुलिस बल भोपाल के थाना मिसरोद के सुपुर्द किया गया। मिसरोद थाने द्वारा इस शराब के संबंध में आबकारी अधिनियम का मामला दर्ज कर जॉच की जा रही है। बीती 22 जुलाई 2025 की रेड में आरोपी जगदीश प्रसाद सरवटे की अनुपातहीन संपत्ति 6 करोड़ 75 लाख 72 हजार 295/-रूपये प्राप्त हुई है। और 28 जुलाई 2025 तक की सर्च कार्यवाहियों में विभिन्न स्थानों पर की गयी रेड में 7 करोड़, 54 लाख, 62 हजार, 703 रूपये की अनुपातहीन संपत्ति प्राप्त हुई है। वहीं आगे की छानबीन जारी है, जिसमें आरोपी की संपत्ति की तलाश एवं दस्तावेज प्राप्त किये जायेगें।

सरकार ने 16 प्रश्नों के उत्तर में कहा- जानकारी एकत्रित की जा रही है, भड़का विपक्ष

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा सत्र के आज दूसरे दिन सदन की कार्यवाही के दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने हंगामा करने का प्रयास किया, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मामले को भांपते हुए स्थिति को संभाल लिया। दरअसल, मंगलवार को सुबह 11 बजे आसंदी पर स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर बैठे ही थे कि कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री बाला बच्चन ने पाइंट ऑफ ऑर्डर का सवाल उठा दिया। उन्होंने प्रश्नकाल शुरु होने से पहले कहा कि आज जो भी प्रश्न विधानसभा में लगाए गए हैं उसमें से 16 प्रश्नों के जवाब सरकार ने नहीं दिए है। इनमें सीधा लिखा गया है कि जानकारी एकत्रित की जा रही है। ये संसदीय परंपरा के खिलाफ है और सरकार जवाब देना नहीं चाहती है। तभी विपक्ष के सदस्य शोर करने लगे और कुछ सदस्य खड़े भी हो गए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आपत्ति उठाते हुए कहा कि इस तरह की बात कहना उचित नहीं है, क्योंकि हम सभी संसदीय मर्यादाओं का पालन करने वाले लोग हैं। जहां तक पाइंट ऑफ आर्डर की बात है तो यहां प्रश्नकाल इस तरह से पाइंट ऑफ आर्डर नहीं होता है। इसी के साथ संसदीय मंत्री ने सदन को याद दिलाते हुए कहा कि पहलगाम हमला करने वाले तीन आतंकियों को भारत के बहादुर जवानों ने ढेर कर दिया है।

विधानसभा स्थित समिति कक्ष में कैबिनेट बैठक

भोपाल। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-एक में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। जिसमें चार विधेयकों को मंजूरी दी गई। इन विधेयकों को इसी सत्र में पेश किया जाना है। इसके साथ ही सरकार ने बाबई मोहासा में उद्योग के लिए आरक्षित जमीन में छूट देने का भी फैसला किया है।

कैबिनेट की बैठक वंदे मातरम् गान के साथ प्रारंभ हुई। इसके बाद जन विश्वास संशोधन विधेयक 2025, माध्यमस्थ अधिकरण संशोधन विधेयक, दुकान स्थापना अधिनियम संशोधन विधेयक, कारखाना अधिनियम संशोधन विधेयक पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सभी विधेयकों को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट बैठक में विक्रमपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में गांवों की भूमि का भू-अर्जन करने को लेकर भी चर्चा हुई है और इसे मंजूरी दी गई है।

एनएसयूआई का पीएनएसटी छात्राओं की मांगों को लेकर प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी भोपाल में मंगलवार को तेज बारिश के बीच नर्सिंग छात्राएं सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन करती नजर आई। लिंक रोड नंबर 3 पर भारी बारिश और जलभराव की परवाह किए बिना छात्राएं अपनी मांगों को लेकर डटी रहीं और जमकर नारेबाज़ी की। प्रदर्शन कर रहीं छात्राओं का कहना था, कि उन्होंने नर्सिंग की एलिजिबिलिटी टेस्ट (पीबी बीएससी / जीएनएम) पास कर ली है, इसके बावजूद उन्हें सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन नहीं मिल रहा। छात्राओं ने आरोप लगाया कि शासन और विभाग की लापरवाही के कारण उनके भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (व्यापम / ईएसबी) द्वारा प्री-नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (पीएनएसटी)-2022 की परीक्षा जून 2023 में आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के परिणाम पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगा दी गई थी, लेकिन 27 मार्च 2025 को हाईकोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया।

जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि आज दिनांक तक प्रवेश के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, जिसके चलते शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में सत्र 2022-23 की सभी सीटें खाली पड़ी हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए छात्राएं हाईकोर्ट से लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुकी हैं, लेकिन न्याय न मिला उनकी इस लड़ाई में एनएसयूआई पूरी मजबूती से साथ खड़ी हैं। प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने बताया कि प्रदेश की लगभग 60 हजार से ज्यादा छात्राओं ने पीएनएसटी-2022 की परीक्षा दी थी। इस परीक्षा के परिणाम पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी, जिसके कारण लगभग दो वर्ष तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया बाद में हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि परीक्षा का परिणाम जारी किया जाए। हालांकि यह रिजल्ट छात्राओं की संतुष्टि के लिए औपचारिक रूप से जारी किया गया है लेकिन इससे हमें न्याय नहीं मिला अब हम निरंतर लड़ाई लड़ेंगे ।

ईडी ने तेज की हरसी घोटाले की जांच

347 करोड़ के घोटालेबाज 49 अफसरों की संपत्ति की जानकारी जुटाने का जिम्मा ईई को

भोपाल। हरसी उच्च स्तरीय नहर निर्माण के 347 करोड़ रुपए के घोटाले का मामला लगभग 15 साल से न्यायालय में लंबित रहने के बाद अचानक सुर्खियों में आ गया है। ईडी ने इस मामले की जांच तेज करते हुए परियोजना के दस्तावेज व जानकारी देने के लिए जल संसाधन के कार्यपालन यंत्री पंकज सेंगर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। ईडी ने उन अधिकारियों की चल-अचल संपत्तियों की भी जानकारी मांगी है, जिन पर ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की है। यह जानकारी संभवत शासन को हुए नुकसान की वसूली के लिए मांगी गई है।

ईडी ने जल संसाधन विभाग से हरसी उच्च स्तरीय प्रोजेक्ट व आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो(ईओडब्लयू) द्वारा दर्ज किए गए मामले की जानकारी मांगी है। यह परियोजना ग्वालियर और भिंड जिलों में नहर के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी। जिसके निर्माण में कथित तौर पर 347 करोड़ का घोटाला सामने आया था और 49 अधिकारी, बैंक प्रबंधक व ठेकेदारों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। यह मामला न्यायालय में लगभग 15 वर्ष से विचाराधीन है। जिन अफसरों और ठेकेदारों पर प्रकरण दर्ज हुए थे उनमें से लगभग 11 की मौत हो चुकी है। ईओडब्लयू के तत्कालीन एसपी ओपी मित्तल ने 2009 में आरोपियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

ईडी ने मांगे हैं यह दस्तावेज

हरसी उच्च स्तरीय परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट, सहायक दस्तावेज। परियोजना में शामिल जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का विवरण व आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान के बिल। खरीदी गई सामग्री के मूल व संशोधित अनुमान के तहत प्रावधान व सहायक दस्तावेज। नहर के लिए राशि की स्वीकृति एवं नवीनीकरण स्वीकृति के संबंध में पत्रों व आदेशों का विवरण। सामग्री खरीदने के लिए जारी निविदाओं का विवरण। आपूर्तिकर्ताओं का विवरण और उनके बैंक खातों की जानकारी। आंतरिक, विभागीय व अंतिम जांच रिपोर्ट।

प्लास्टर गिरने की संभावना तो ना लगाएं क्लास

लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किया आदेश

भोपाल। झालावाड़ स्कूल हादसे में हुई 7 बच्चों की मौत की घटना के बाद मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने सुरक्षा के इंतजाम बनाने के आदेश दिए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी किए हैं, जिसमें सभी स्कूलों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के जिलों में अतिवृष्टि (भारी बारिश) की स्थिति है। इसको देखते हुए यदि किसी भी स्कूल की छत में लीकेज, सीपेज की स्थिति है तो इसकी मरम्मत कराई जाए। इसके लिए आवश्यक आवंटन किया जा चुका है। इसको लेकर 24 अप्रेल को विस्तृत निर्देश भी जारी किए गए थे।

बता दें, पिछले निर्देश के बाद भी 19 जुलाई को भोपाल के बरखेड़ा स्थिति सरकारी स्कूल में चलती क्लास के दौरान दो बच्चियों के सिर पर छत से प्लास्टर का एक बड़ा टुकड़ा आकर गिड़ पड़ा था। जिससे एक बच्ची के सिर पर गंभीर चोट आई थी। इस दौरान स्कूल प्रबंधन ने मरम्मत ना करा पाने के पीछे बजट ना होने की बात कही थी। लोक शिक्षण संचालनालय के नए निर्देश में साफ किया है कि प्राथमिक, माध्यमिक और हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में किसी भी प्रकार की सीपेज, लीकेज या सीलिंग का प्लास्टर गिरने की संभावना हो, वहां किसी भी कारण से क्लास ना लगाई जाएं। इससे साफ है कि विभाग ने भोपाल और झालावाड़ जैसी घटनाओं को गंभीरता से लिया है। इसके लिए सभी संबंधित शिक्षा संस्थानों के प्रचार्यों और प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया है कि हर कक्ष का दोबारा निरीक्षण करें। संभावित खतरों की पहचान करें और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएं। इसके लिए उपलब्ध आवंटन या स्थानीय मद का उपयोग करें।

विस समाचार - कांग्रेस विधायकों ने किया आसंदी का घेराव, बहिर्गमन भी किया

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आज विधानसभा में पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेस विधायकों को परेशान करने का मामला उठाया और सभी मामलों में जांच करवाने की मांग की। राज्य सरकार द्वारा जांच का आश्वासन नहीं दिए जाने पर विपक्षी सदस्यों ने सदन से नारेबाजी करते हुए आसंदी का घेराव किया तथा सदन से बहिर्गमन कर दिया गया। यह मामला शून्य काल के दौरान उठाया गया था।

इससे पहले सदन में रीवा जिले के कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा और जोबट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक श्रीमती सेना पटेल ने उनके साथ हुई घटना के बारे में सदन को अवगत कराया और पुलिस द्वारा की गई ज्यादति के बारे में विस्तार से बताते हुए संबंधित मांमले की जांच उपरांत नियमानुसार दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन राज्य सरकार का कहना था कि यह मामले मुख्यमंत्री के संज्ञान में आ चुके है, इसीलिए मामले में कुछ भी कहना उचित नहीं है। इन्हीं मामलों को आधार बनाकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि यह सरासर गलत हो रहा है। पूर्व विधायक के कहने पर अभय मिश्रा पर झूठा प्रकरण बना दिया। इसी तरह सेना पटेल का लडक़ा गाड़ी चला रहा था। साफ दिख रहा है नजर हटी दुर्घटना घटीए जैसी स्थिति थी,जानबूझकर नहीं हुआ कुछ भी, लेकिन फिर भी 307 लगा दी गई। यह कुल मिलाकर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास है। इसी तरह आरिफ मसूद का स्कूल तोडऩे के लिए अमला चला गया। इन प्रकरणों की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। इस संबंध में मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी बात लाई गई थी लेकिन 24 घंटे बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

नियमों को दरकिनार कर बेलवाल की हुई थी नियुक्ति

ललित बेलवाल की पोस्टिंग का मामला, तत्कालीन एसीएस की नोटशीट से बड़ा खुलासा : आईएएस कैडर में आईएफएस की नियुक्ति को बताया था अनुचित

भोपाल। मप्र के पूर्व आईएफएस ललित मोहन बेलवाल की नियुक्ति के मामले में नोटशीट पर सियासी बवाल शुरू हो गया है। कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह ग्रेवाल के सवाल में खुलासा हुआ है कि नियमों को दरकिनार कर बेलवाल की नियुक्ति हुई थी। तत्कालीन अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव की नोटशीट से यह खुलासा हुआ है। दरअसल, उन्होंने आईएएस के कैडर में आईएफएस की नियुक्ति को अनुचित बताया था। मनोज श्रीवास्तव ने बेलवाल की नियुक्ति को लेकर आपत्ति जताई थी। साथ ही इस मामले में कलर्ड साइज ऑफ पावर का आरोप लगाया था।

नोटशीट में पद का दुरुपयोग, शक्ति का पक्षपात करने का जिक्र किया गया है। इस मामले में मनोज श्रीवास्तव ने लिखा- यदि कोई कार्य किसी तरह विशेष तरीके से किया जा सकता है तो इस मार्ग से किया जाए। किसी अन्य दूसरे तरीके से नहीं किया जाए। इस मामले को लेकर पंचायत मंत्री ने भी आपत्ति जताई थी। लेकिन उनके हस्तक्षेप के बाद भी नियुक्ति हुई थी। विधानसभा में मिली जानकारी के अनुसार ललित मोहन बेलवाल दिसंबर 2018 में सेवानिवृत्त हुए। 2020 में इकबाल सिंह के मुख्य सचिव बनने के बाद 18 जुलाई 2020 को संविदा आधार पर बेलवाल को ओएसडी बनाया गया। इससे एक दिन पहले 17 जुलाई को मिशन की प्रभारी सीईओ शिल्पा गुप्ता (आईएएस) को हटाया गया। 22 जुलाई को सीएस बैंस ने निर्देश दिए कि बेलवाल को सीईओ का प्रभार दिया जाए। सीएस की नोटशीट पर एसीएस मनोज श्रीवास्तव ने लिखा कि सीईओ का पद आईएएस कैडर का है। संविदा कर्मी को वित्तीय कार्य वाला सीईओ नहीं बनाया जा सकता। मंत्री महेन्द्र सिसौदिया ने भी श्रीवास्तव का समर्थन किया।

बैंस ने किया पद का दुरुपयोग

कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल के सवाल के जवाब में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने विधानसभा में जानकारी दी है कि प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने आजीविका मिशन के ओएसडी ललित मोहन बेलवाल को मिशन के सीईओ प्रभार देने में पद का दुरुपयोग किया था। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी गुमराह किया। इतना ही नहीं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव और पंचायत मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया की टीप को भी दरकिनार किया गया था। श्रीवास्तव ने अपनी टीप में लिखा था कि यह कलर्ड एक्सरसाइस ऑफ पॉवर (पद का दुरुपयोग) है। जिसका पूर्व मंत्री सिसौदिया ने भी समर्थन किया और बेलवाल को सीईओ का प्रभार देने का विरोध किया था। इकबाल सिंह बैंस ने नोटशीट पर लिखा था कि अन्य विभागों में संविदा पद पदस्थ अधिकारियों को प्रमुख दायित्व सौंपे जाते रहे हैं। आजीविका मिशन में संविदा पर ओएसडी बनाए गए बेलवाल को इस शर्त पर मिशन के सीईओ का प्रभार दिया गया था कि यह नियुक्ति अस्थाई है। आईएएस की पदस्थापना होने तक हैं। इसके बाद 3 साल तक किसी आईएएस को आजीविका मिशन का सीईओ नहीं बनाया गया। 3 बाद संविदा नियुक्ति दी गई। कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल का आरोप है कि इस दौरान 3 हजार हजार करोड़ का पोषण आहार घोटाला हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया ने पांवचे टी20 में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया, 5-0 से टी20 सीरीज जीती

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को पांचवें टी20 मैच में तीन विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से जीत हासिल की है। इस अंतिम मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने 19.4 ओवरों में 170 रन बनाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये लक्ष्य तीन ओवर पहले ही हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। कप्तान शाई होप दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं ब्रैंडन किंग 11, कीसी कार्टी 1 और शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन बनाकर टीम को संभाला। हेटमायर ने तीन छक्के और तीन चौके लगाकर 31 गेंदों में 52 रन बनाये। वहीं जेसन होल्डर ने 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन जबकि नाथन एलिस ने दो विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवरों में ही मैच जीत लिया। कंगारुओं की शुरुआत भी खराब रही और उसने 60 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने मिचेल ओवन के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 63 रन बनाकर टीम को संभाला। ग्रीन ने 18 गेंदों में 32 रन बनाये जबकि मिचेल ओवन ने 17 गेंदों में 37 रन बनाये। आरोन हार्डी ने 25 गेंदों में 28 रन बनाये। मेजबान टीम की तरफ से अकील हुसैन को तीन जबकि अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर को दो-दो विकेट मिले।

ओवल में मिल सकता है अभिमन्यु को अवसर

इंग्लैंड। बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर अब तक एक भी मैच में अवसर नहीं मिला है। अभिमन्यु पिछले चार साल से टीम के साथ हैं पर उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है जबकि उनका घरेलू क्रिकेट का रिकार्ड अच्छा है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अभिमन्यु ने भारत ए टीम की कप्तानी की थी। उसके सामने ही 15 खिलाड़ियों को डेब्यू का अवसर मिल है पर वह बैंच पर ही बैठा अपनी बारी का इंतजार करता रह गय है। इस दौरान तीन कोच और कप्तान तक बदले हैं पर किसी ने भी उसे अवसर नहीं दिया है।

वहीं अब 31 जुलाई से ओवल में होने वाले पांचवे व अंतिम टेस्ट में अभिमन्यु को अवसर मिल सकता है। इस मैच में अगर करुण नायर बाहर रहे तो अभिमन्यु को उनकी जगह मिल सकती है।

इस बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27 शतक दर्ज हैं और 7,841 रन बनाये हैं। वहीं 31 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। अभिमन्यु ईश्वरन के रिकॉर्ड को देखें तो वह इस सीरीज में डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन के घरेलू रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं। सुदर्शन ने अभी तक कुल 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 36 की औसत से खेलते हुए 1987 रन बनाए हैं। वहीं, अभिमन्यु का बैटिंग औसत 103 मैच खेलने के बावजूद 54 का है। 51 पारियों में सुदर्शन सिर्फ 7 शतक और 5 अर्धशतक ही लगा सके हैं। अनुभव से लेकर बल्लेबाज रिकॉर्ड तक में अभिमन्यु सुदर्शन से कहीं ज्यादा आगे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का ये मानना है कि सुदर्शन सिर्फ इसलिए लाइमलाइट में आ गए, क्योंकि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन जोरदार रहा था अब कोई टीम अभिमन्यु को आईपीएल में नहीं लेती तो इसका मतलब ये नहीं कि वो बल्लेबाज खराब है। अभिमन्यु ईश्वरन पिछले लगभग 4 साल से स्क्वॉड में आते हैं और पानी पिलाकर घर लौट जाते हैं। ड्रेसिंग रूम में अभिमन्यु ने समय तो बहुत बिता लिया है, लेकिन टीम इंडिया की जर्सी में खेलने का सपना अब तक साकार नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर के सामने ही यशस्वी जायस्वाल रजत पाटीदार, ईशान किशन जैसे युवा बल्लेबाज बल्लेबाजों ने डेब्यू किया है।

पांचवें टेस्ट के लिए आर्चर, ब्रायडन को आराम दें - ब्रॉड

लंदन। भारत के खिलाफ इस माह के अंत में शुरु हो रहे पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीमें भी अपने दो तेज गेंदबाजों को आराम दे सकती है। भारतीय टीम जिस प्रकार अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देने जा रही है। उसी प्रकार से इंग्लैंड भी अपने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी आराम दे सकती है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि आर्चर को आराम दिया जाना चाहिए। आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। आर्चर ने भारत के खिलाफ लॉडर्स टेस्ट में वापसी करते हुए तीसरी गेंद पर ही विकेट लिया था। उन्होंने इस मैच में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इसके बाद मैनचेस्टर में चार विकेट लिए थे। वहीं बाकी गेंदबाज संघर्ष करते दिखे थे। ब्रॉड ने कहा, ' आर्चर की चार साल बाद वापसी के बाद उससे इतनी ज्यादा गेंदबाजी नहीं करायी जा सकती क्योंकि हम उसे अगले चार साल तक बाहर नहीं कर सकते।.' ब्रॉड ने कहा, 'मेरा मानना है कि पांचवें टेस्ट में गस एटकिंसन को उतारा जाना चाहिये। उस पर इतना काम का बोझ नहीं है। इसलिए उसे अवसर मिलना चाहिये। उसे टेस्ट क्रिकेट में अभी तक शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ नहीं आजमाया गया है।' उन्होंने कहा, 'ब्रायडन कार्स ने चौथे टेस्ट में पूरी कोशिश की पर वह थका हुआ लग रहा था। वहीं जोश टंग ने पहला टेस्ट खेला और निचले क्रम के बल्लेबाजों के ही विकेट लिए पर वह आर्चर का विकल्प हो सकता है।' वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का भी मनना है कि चार साल बाद वापसी करने वाले आर्चर पर इतना बोझ डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर एटकिंसन फिट हैं तो उसे घरेलू मैदान पर उतारना चाहिए।'

मैनचेस्टर में पाक की जर्सी पहुंचकर आने वाले की जांच होगी

मैनचेस्टर। यहां के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत ओर इंग्लैंड के बीच हुए चौथे टेस्ट मैच में अंतिम दिन एक अजीब वाकया हुआ। जब भारतीय खिलाड़ी मैच बचाने में लगे थे तो एक व्यक्ति पाकिस्तानी जर्सी पहुंचकर स्टेडियम में पहुंच गया। इस व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों ने अपनी टी-शर्ट ढकने को कहा। इस वायरल वीडियो में वह व्यक्ति कहते हुए नजर आया, 'भारतीय प्रशंसकों को कोई परेशानी नहीं, तो आपको क्या परेशानी है?' हालांकि, मैच से पहले जारी गाइडलाइन में साफ लिखा गया था कि केवल भारत और इंग्लैंड टीमों से जुड़े झंडे, बैनर और कपड़े ही स्टेडियम में प्रवेश के अधिकारी होंगे। वहीं लंकाशायर काउंटी क्लब ने कहा है कि इस मामले की जांच की जाएगी। क्लब प्रवक्ता ने कहा, 'हम इस घटना की जानकारी रखते हैं और पूरी स्थिति की गहराई से जांच कर रहे हैं। हम देखेंगे कि कैसे कोई पाक जर्सी में आ गया। इस मामले के दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।'

अनजान से गेंदबाज ने बनाया सबसे तेजी से पांच विकेट लेने का रिकार्ड

मुम्बई । फिनलैंड की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के महेश तांबे ने एस्टोनिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में तेजी से पांच विकेट लेकर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। तांबे ने केवल आठ गेंदों में पांच विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। इससे पहले सबसे तेजी से 5 विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड बहरीन के जुनैद अजीज के नाम था। अजीज ने साल 2022 में जर्मनी के खिलाफ केवल 10 गेंद में ही पांच विकेट लिए थे।

फिनलैंड और एस्टोनिया के बीच खेले गये तीसरे टी20 मैच में एस्टोनियाई टीम 19.4 ओवर में 141 रन ही बना पायी। एस्टोनिया ने इस मैच की शुरुआत में 2 विकेट पर 104 रन बना लिए थे और वह अच्छे स्कोर की ओर बढ़ रहा था पर महेश ने पांच विकेट लेकर उसकी पारी को समेट दिया। महेश ने एस्टोनिया के मध्यक्रम को ध्वस्त कर दिया। उसने स्टेफन गूच, साहिल चौहान, मुहम्मद उस्मान, रुपम बरुआ और प्रणय गीवाला को आउट किया। महेश ने दो ओवरों में 19 रन देकर पांच विकेट लिए।

फिनलैंड ने इसके बाद अच्छी बल्लेबाजी कतरे हुए 18.1 ओवर में 5 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। उसकी ओर से अरविंद मोहन ने सबसे ज्यादा रन बनाए। अरविंद ने 60 गेंद में 67 रन बनाये। अरविंद के आउट होने के बा फराज मेहती अब्बास ने 19 और जॉर्डन ओ'ब्रायन ने 18 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। फिनलैंड ने इस जीत के साथ ही टी20 सीरीज 2-1 से जीत ली है।

गांगुली ने फैक्चर के बाद भी ऋषभ के बल्लेबाजी करने को साहसिक बताया

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने पैर में फैक्चर के बाद भी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में साहसिक बल्लेबाजी के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। ऋषभ ने पैर में फैक्चर के बाद भी मैनचेस्टर टेस्ट में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली थी। जिससे भारतीय टीम पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। ऋषभ ने इस दौरे में दो शतकों के साथ ही सात पारियों में 479 रन बनाए। उन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट में हाथ में चोट लगने के बाद भी 74 रनों की पारी खेली थी। उनके इस प्रदर्शन से ही भारतीय टीम को पांच मैचों की सीरीज बराबर करने की प्रेरणा मिली है जिसमें अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। गांगुली ने कहा, वह एक बहुत अच्छा टेस्ट खिलाड़ी है। वह चोटिल है और उसे फिट होने में समय लगेगा। उसने सीरीज में अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। इस क्रिकेटर को मैनचेस्टर में भारत की पहली पारी के दौरान चोट लगी थी, जब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक खतरनाक यॉर्कर उनके पैर में लगी थी।

कुलदीप को अंतिम टेस्ट में शामिल करने की मांग जोर पकड़ने लगी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के इस दौरे में चाइनमैन स्पिनर कुलदीप यादव अब तक बैंच पर ही बैठे हुए हैं। ऐसे में उन्हें अंतिम टेस्ट में अवसर देने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। ऐसे में उसके लिए अंतिम मैच में जीत दर्ज करना जरुरी है। इन हालातों में कुलदीप जैसा गेंदबाज और भी प्रभावी साबित हो सकता है क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाज कलाई के स्पिनर के सामने सहज नजर नहीं आते। वहीं टीम प्रबंधन अगर चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप को शामिल नहीं करता है तो ये नुकसानदेह रहेगा और उन्हें इंग्लैंड ले जाना भी बेकार रहेगा। ये भी साफ है कि गेंदबाजों को केनिंग्टन ओवल में पिच से सहायता की उम्मीद है फिर भी एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज होना फायदेमंद रहेगा। भारतीय टीम प्रबंधन का भी माना है कि कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह देने के प्रयास हो रहे है पर आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की जो रणनीति है। उसके कारण ये संभव नहीं हो पा रहा।

टीम प्रबंधन का मानना है कि हम कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं पर इसके लिए हमारे शीर्ष के छह बल्लेबाजों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। कुलदीप एक विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और इस समय वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए हम उन्हें टीम में शामिल करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

इस बार कुलदीप को इसलिए भी शामिल किये जाने की उम्मीद है क्योंकि नये तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज पहले ही टेस्ट में सफल नहीं रहे और ऐसे में उनकी जगह पर कुलदीप को रखा जा सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी इस मैच में जसप्रीत बुमराह की जगह खेलने का अवसर मिल सकता है।

अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

लंदन। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे।

गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करें

भारतीय उच्चायोग में टीम इंडिया की प्रमुख हस्तियों से हुई मुलाकात

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में 31 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांवचे टेस्ट मैच से पहले टीम का उत्साह बढ़ाते हुए कहा है कि हमारे पास सीरीज में बराबरी का अंतिम मौक है जिसका लाभ हमें उठाना है। गंभीर ने चौथे टेस्ट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जमकर सराहना भी की। मैनचेस्ट में चौथे टेस्ट के अंतिम दिन रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शतक लगाकर भारतीय टीम को हार से बचा लिया था। पांचवां टेस्ट खेलेंगे, से पहले भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पहुंची। इस दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात हुई। इसमें सभी ने उन्हें मिले समर्थन के लिए आभार जताया। गंभीर ने इस

कार्यक्रम में भारत-इंग्लैंड मुकाबलों के ऐतिहासिक महत्व को भी बताया।

गंभीर ने कहा, इंग्लैंड का दौरा हमेशा ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा है। दोनों देशों के बीच का क्रिकेट इतिहास बेहद अहम है। हमें हर बार ब्रिटेन दौरे पर आपार समर्थन मिला है। इंग्लैंड ने इस सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से जीता था, जिसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले को 336 रन से जीता। वहीं इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट को 22 रन के करीबी अंतर से जीतकर सीरीज में एक बार फिर 2-1 से बढ़त हासिल कर ली जबकि चौथा टेस्ट बराबरी पर रहा।

गंभीर ने कहा, पिछले पांच हफ्ते दोनो ही टीमों के लिए बेहद रोमांचक रहे। मेरा मानना है कि जिस तरह का क्रिकेट खेला गया, उसने हर क्रिकेट प्रेमी खुश है। दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अब भारत के पास अंतिम टेस्ट जीतकर ये सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त करने का अंतिम अवसर है। साथ ही कहा कि अंतिम टेस्ट को लेकर टीम को मिलकर प्रयास करना होगा। साथ ही कहा कि हमारे पास एक सप्ताह का समय है जिसमें हम बराबरी हासिल कर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।

सुंदर के पिता का आरोप, मेरे बेटे से भेदभाव करते हैं चयनकर्ता

मुम्बई। भारतीय टीम के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता ने चयनसमिति पर निशाना साधा है। सुंदर के पिता का आरोप है कि उनके बेटे के साथ भेदभाव किया जा रहा है। साथ ही कहा कि जहां अन्य खिलाड़ियों को लगातार अवसर मिलते हैं। वहीं सुंदर को अच्छे प्रदर्शन के बाद भी बाहर कर दिया जाता है। सुंदर के पिता ने मैनचेस्टर में उसके शतक के बाद कहा कि उसे लगातार खेलने का अवसर नहीं दिया जाता। लोग उसके प्रदर्शन को नजरअंदाज कर देते हैं जबकि अन्य खिलाड़ियों को लगातार अवसर मिलते हैं, केवल सुंदर कोनहीं मिलते। उसे पांचवें नंबर पर ही बल्लेबाजी करनी चाहिए जैसे उसने चौथे टेस्ट की

दूसरी पारी में किया था। उसे पांच से दस सीधे अवसर मिलने चाहिए। मेरे बेटे को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए शामिल नहीं किया गया था। चयनकर्ताओं को उसके प्रदर्शन को देखना चाहिए फिर ही कोई फैसला करना चाहिये। इस क्रिकेटर के पिता ने कहा मेरे बेटे को केवल एक या दो मैचों में विफल होने पर भी बाहर कर दिया जाता है जबकि यह सही नहीं है। इस क्रिकेटर ने साल 2021 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ एक कठिन पिच पर नाबाद 85 रन बनाए थे और उसी साल अहमदाबाद में 96रन बनाए थे। अगर वह इन दोनो पारियां में शतक लगाता तो भी उसे बाहर कर दिया जाता।इस प्रकार का रवैया अन्य क्रिकेटरों के लिए नहीं अपनाया जाता।

बीसीसीआई स्टोर से लाखों रुपये की आईपीएल जर्सी चोरी हुई, सुरक्षा प्रबंधक निकला आरोपी

मुंबई। मुंबई में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक मर्चेंडाइज स्टोर से 6.52 लाख रुपए की 261 आईपीएल जर्सी चोरी होने का मामला सामने आया है। इस मामले में सबसे चिन्ताजनक बात ये है कि स्टोर के सुरक्षा प्रबंधक फारुख असलम खान के खिलाफ ही चोरी का आरोप लगा है। बीसीसीआई कर्मचारी हेमंग भारत कुमार अमीन ने जर्सी चोरी होने की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी है। अमीन ने आरोप लगाया था कि फारुख ने दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी आईपीएल टीमों की जर्सी चोरी की हैं। पुलिस ने अमीन की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फारुख पर चोरी का आरोप गंभीर है और जांच में सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। इस घटना के बाद वानखेड़े स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बीसीसीआई का मर्चेंडाइज स्टोर दूसरी मंजिल पर स्थित है और यह प्रशंसकों के बीच काफी लोकप्रिय है। गौरतलब है कि वानखेड़े स्टेडियम मुंबई में स्थित एक ऐतिहासिक क्रिकेट स्टेडियम है। 1974 में स्थापित यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का मुख्यालय और मुंबई इंडियंस का घरेलू मैदान है।

हांगकांग की टीम के कोच बने श्रीलंका के कौशल सिल्वा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कौशल सिल्वा अब हांगकांग की पुरुष क्रिकेट टीम के नया मुख्य कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हांगकांग क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 को देखते हुए सिल्वा को कोच की जिम्मेदारी दी है। सिल्वा ओपनर और विकेटकीपर रहे हैं। अब वह एशिया कप से पहले हांगकांग की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। एशिया कप 2025 में हांगकांग को ग्रुप बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ जगह मिली है। ऐसे में सिल्वा की जिम्मेदारी टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करना रहेगा। सिल्वा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे 7 साल तक श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैच खेले और 74 पारियों में 28.36 की औसत से 2099 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वह कोच बन गये। उनके पासा श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में घरेलू टीमों की कोचिंग का अनुभव लिया हालांकि वह पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे। हांगकांग की टीम ने अब तक चार बार एशिया कप में भाग लिया है। हालांकि अब तक वह कोई विशेष प्रदर्शन नहीं कर पायी है। हाल ही में टीम ने एशिया पैसिफिक क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट के फाइनल में हांगकांग को मलेशिया से हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम नए सिल्वा के नेतृत्व में एशिया कप 2025 में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी।

श्रेयस का हेलीकॉप्टर वाला वीडियो छाया

नई दिल्ली। क्रिकेटर श्रेयस अय्यर सोशल मीडिया में भी काफी सक्रिय रहते हैं। श्रेयस का एक वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें वह प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। श्रेयस के माथे पर लाल रंग का गोल टीका लगा हुआ है जबकि ब्लैक शर्ट में सामने के कुछ बटन खुले हुए हैं। सफेद पैंट पहने श्रेयस ने हेलीकॉप्टर से जिस तरह से प्रवेश किया सभी उन्हें देखते रह गये। इस दौरान फैंस उनकी तुलना चीफ मिनिस्टर से कर रहे हैं। श्रेयस का ये वीडियो पालघर जिले के विरार वेस्ट में स्थित न्यू विवा कॉलेज का है। जहां क्षितिज उत्सव दही हांडी प्रीमियर लीग का आयोजन हुआ था। श्रेयस इस उत्सव में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। श्रेयस के पहुंचते ही कॉलेज का माहौल बदल जाता है। इस इवेंट में वह हेलीकॉप्टर से पहुंचे। श्रेयस को हेलीकॉप्टर से उतरता देखकर लोग उनकी तुलना चीफ मिनिस्टर से करने लगते हैं। वहीं कोई उन्हें मुंबई का नया राजा कह रहा है। उनके गले में एक मोटी चेन नजर आ रही थी जिससे उनका लुक और भी प्रभावी हो गया। श्रेयस की दीवानगी कॉलेज के छात्र छात्राओं में इतनी थी कि उनके साथ तस्वीर खिंचाने को सभी उमड़ पड़े। श्रेयस भी तस्वीर खिचंवाने और ऑटो ग्राफ देने में व्यस्त दिखे।

अपने निर्धारित समय पर नहीं चल रही ट्रेनें, यात्री हो रहे परेशान

गोंदिया से बालाघाट पहुचने में लग गया 2 घण्टे का समय

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लाख जतन के बावजूद भी ट्रेनों की लेट लतीफी का सिलसिला अब भी बा-दस्तूर जारी है।जहां एक्का दुक्का ट्रेनो को छोड़कर लगभग सभी ट्रेने अपने पूर्व निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार चलाने में रेलवे प्रशासन अब भी पिछड़ा हुआ है। रोजाना ट्रेनों की हो रही लेट लतीफी के चलते किराए में मिली छूट भी यात्रियों को नहीं भा रही है और वे ट्रेनों को सही समय पर चलाए जाने की लगातार मांग कर रहे हैं।आए दिनों की तरह ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला मंगलवार को भी देखने को मिला।जहां गोंदिया से जबलपुर की ओर करीब 3 बजे जाने वाली इस पैसेंजर ट्रेन को गोंदिया से बालाघाट आने में 2 घण्टे का समय लग गया।उधर 1 घण्टे में करीब 4 बजे बालाघाट स्टेशन पहुचने वाली ट्रेन करीब 5 बजे 1 घण्टे देरी से पहुची। जहां ट्रेन लेट होने के चलते बालाघाट रेलवे स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।बताया जा रहा है कि बालाघाट से होकर गुजरने वाली केवल लोकल ट्रेन ही लेट नहीं हो रही है, बल्कि एक्सप्रेस, सुपरफास्ट और स्पेशल ट्रेन भी रोजाना देरी से चल रही है।जिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए यात्रियों ने ट्रेनों को समय पर चलाए जाने की बात कही ,तो वहीं यात्रियों द्वारा मालगाड़ी की जगह यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता दिए जाने की गुहार लगाते हुए व्यवस्थाओं में सुधार किया जाने की मांग की है।

ट्रेनों का सफर लगने लगा महंगा

बेबस सिस्टम, लचर व्यवस्था ने रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लंबे समय से यात्री ट्रेन का शेड्यूल ठीक नहीं हो पाया है।लम्बी दूरी की सवारी गाड़ी 2-3 घंटे विलंब से पहुच रही है।वही ,रीवा इतवारी, चांदाफोर्ट और अन्य एक्सप्रेस ट्रेन भी विलंब से चल रहीं हैं। निर्धारित समय पर ट्रेन नहीं चलने के कारण यात्रियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बालाघाट से गोंदिया और गोंदिया से बालाघाट की ओर चलने वाली पैसेजर ट्रेन हर दिन विलंब से पहुंच रही है।कई बार तो घंटों विलंब से ट्रेन चलने के कारण यात्रियों को गंतव्य की ओर बस के जरिए महंगा सफर तय करना पड़ रहा है।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का दंश झेल रही जनता

आपको बताए कि ट्रेनों की लेटलतीफी का सिलसिला कोई आज का नही है बल्कि एक लम्बा वक्त गुजर जाने के बाद भी सिस्टम में सुधार नहीं आ पा रहा है।जहा टाइमटेबल के अनुरूप यात्रियों को ट्रेन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।कई बार जन प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित कराए जाने के बाद भी किसी प्रकार के कारगर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।जिसके चलते जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का दंश जिले की जनता को भुगतना पड़ रहा है।जिसपर जिम्मेदारो का कोई ध्यान नही है।

यात्री की जगह मालगाड़ी को दी जा रही प्राथमिकता

ट्रेन आने की राह देखकर परेशान हो चुके यात्रियों का आरोप है कि रोजाना ट्रेन अपने निर्धारित समय से नही चल रही है और आए दिन लेट हो रही है। जहां यात्रियों ने, रेलवे प्रशासन पर माल गाड़ियों को प्राथमिकता देने और मालगाड़ी को पास करने के चक्कर में यात्री ट्रेनों को रोजाना लेट किए जाने का आरोप लगाया है। जिन्होंने मालगाड़ी की जगह यात्री ट्रेनों को प्राथमिकता देकर सभी ट्रेने टाइम टेबल के अनुसार चलाए जाने की मांग की है।

विभाग के पास नही है कोई स्पष्ट कारण

रोजाना ट्रेनों की लेट लतीफी को लेकर विभाग के पास कोई स्पष्ट कारण नहीं है। कभी ट्रेनो की लेटलतीफी को लेकर मालगाड़ी को वजह बताया जाता है तो कभी गोंदिया में तकनीकि कारणों को इसका कारण बताया जाता है, जिससे यह साफ है कि ट्रेनो के देरी से चलने का विभाग के पास भी कोई स्पष्ट कारण नहीं है। दूसरी ओर रेल यात्रियों के पास इंतजार करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार किया गया है- चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट रेलवे स्टेशन प्रबंधक कृष्ण कुमार चौधरी ने बताया कि पहले की अपेक्षा की लगभग सभी ट्रेनो शेड्यूल के इर्द गिर्द चल रही है। अभी सुबहा की गाड़ी भी गोंदिया लगभग समय पर ही चल रही है।लम्बी दूरी वाली कुछ ट्रेने थोड़ी लेट हो रही है। हमारा प्रयास है की ट्रेने सही समय पर चले इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों से पत्राचार किया गया है।

श्री राम मंदिर में अखंड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्थानीय श्री राम मंदिर में सावन के पवित्र मास भर चलने वाली अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें श्रद्धालु जनों के द्वारा अखंड रामायण पाठ किया जा रहा है,भगवान महादेव का पूजन प्रतिदिन यहां जलाभिषेक के साथ किया जाता है तथा प्रतिवर्ष अखंड रामायण पाठ में श्रद्धालु जनों का सराहनीय सहयोग यहां पर रहता है। जो इस वर्ष भी श्रद्धालु जनों के द्वारा आयोजित अखंड रामायण पाठ में महिला पुरुष बच्चे शामिल होकर रामचरितमानस का पाठ कर रहे हैं । कि यहां मौजूद भगवान महादेव का शिवलिंग १८ वीं शताब्दी में छोटे से स्वरूप में मौजूद थे। जिनका आकार और स्वरूप दिन.ब.दिन बढ़ता गया आज यह शिवलिंग अपने असली स्वरूप में आ चुका है । जिसका श्रद्धालूजन बड़े भक्ति भाव और मनोकामनाओं के साथ पूजन दर्शन प्रतिदिन करते है। नगर एवं क्षेत्र के कावड़ियों के द्वारा भी यहां चंदन नदी से जल लेकर भगवान शिव के शिवलिंग का अभिषेक प्रतिवर्ष करते आ रहे है। जो ४ अगस्त को भगवान महादेव को जलाभिषेक का आयोजन बड़े धूमधाम से किए जाने का निर्णय नगर के युवाओं के द्वारा लिया गया है।

मोटरसाइकिल की ठोकर से 75 वर्षीय से वृद्ध घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के गढ़ी थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम लगमा के पास बेलगाम मोटरसाइकिल ने रोड किनारे बैठे एक व्रद्ध को चपेट में ले लिया। मोटरसाइकिल की ठोकर से घायल व्रद्ध मंगलूसिह पिता फंदी मेरावी 75 वर्ष सकराही टोला ग्राम लगमा थाना गढ़ी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलूसिह अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है। 28 जुलाई को दोपहर में मंगलूसिंह अपने घर के बैल चराने के लिए ले गया था और रोड किनारे बैठकर बैल चला रहा था। शाम 6:00 बजे करीब गढ़ी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने रोड किनारे बैठे मंगलू सिंह को चपेट में ले लिया। मोटरसाइकिल की ठोकर से मंगलू सिंह के हाथ पैर और मुंह में चोंटे आई जो घायल हो गया ।मंगलूसिंह के साथ में बैल चला रहे अन्य लोगों उसके घर में खबर दिए। परिवार के लोगों ने घायल मंगलू सिंह को बैहर के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

जर्जर हुए चौंदाटोला शासकीय प्राथमिक भवन को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लांजी जनपद क्षेत्र के लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण द्वारा चौदाटोला के शासकीय प्राथमिक शाला भवन को लेकर ज्ञापन कलेक्टर को दिया गया है जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला भवन बहुत अधिक जर्जर हो चुका है । इस भवन से बरसात के समय पानी भी रिश्ते रहता है । उनकी मांग है कि इस प्राथमिक शाला के भवन को बंद करते हुए स्कूल का संचालन अन्य भवन में किया जाए। आपको बता दे की मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में लांजी जनपद पंचायत के ग्राम चौदाटोला के लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण ने जिला मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि उनके क्षेत्र में चौदाटोला के प्राथमिक शाला भवन बहुत अधिक जर्जर हो गया है । यहां बच्चों का अध्यापन कार्य संभव नहीं है । इसलिए उन्हें अन्यत्र भवन में स्थानांतरित किए जाने की मांग को लेकर उन्होंने ज्ञापन सौंपा । साथ ही ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत टेमनी से चौदाटोला पहुंच मार्ग भी बहुत अधिक जर्जर हो चुका है । इसे भी संबंधित विभाग के द्वारा जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए । जबकि इसको लेकर संबंधित जनप्रतिनिधियों को भी ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया है लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई मार्ग को लेकर नहीं हुई है। जबकि इस मार्ग से 10 से 12 गांव के स्कूली छात्र-छात्राएं आवागमन करते हैं । ग्राम पंचायत टेमनी से पहुंचे जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि महेश मात्रे और पूर्व सरपंच लक्ष्मण सहारे द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत टेमनी से चौदाटोला पहुंच मार्ग बीते कई वर्षों से जर्जर हो चुका है जिससे लगभग क्षेत्र के 10 से 12 गांव के बच्चे आवागमन करते हैं । इसको लेकर ग्रामीणों ने अनेकों बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी दिया है पर इस विषय को लेकर अभी तक विभाग में संज्ञान नहीं लिया। चौदाटोला प्राथमिक शाला भवन जो की कुछ महीनो से जर्जर हो चुका है और यहां पर बच्चों का अध्यापन कार्य संभव नहीं है बरसात के दिनों में स्कूल की छत टपकती रहती है। इसलिए ग्रामीण और बच्चों के माता-पिता चाहते हैं कि स्कूल का संचालन अन्य किसी भवन में किया जाए । इसी मांग को लेकर उन्होंने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया है ।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन का द्वितीय वार्षिकोत्सव संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के २ वर्ष पूर्ण होने पर मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बालाघाट जिले के नीमा सदस्य परिवार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धवंतरी के पूजन के द्वारा की गई। तत्पश्चात जिले के आयुर्वेद चिकित्सकों का पुष्प गुच्छ के द्वारा अभिनंदन किया गया। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ नीरज अरोरा ने विगत २ वर्षों की गतिविधियों के साथ आगामी योजना से अवगत कराया। इसके बाद ऑर्केस्ट्रा का आनंद लेते हुए सभी ने स्वादिष्ट भोज का लुत्फ उठाया। एसोसिएशन के सचिव डॉ वागीश राहंगडाले ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी डॉक्टर्स का आभार व्यक्त किया। उक्त आयोजन में डॉ टी एस पवार,डॉ श्याम रंगलानी,डॉ जयश्री अरोरा,डॉ राजेश उपवंशी,डॉ गिरेंद्र पवार,डॉ निलेश शिवहरे,डॉ शालीन अमूले,डॉ विशाल असाटी,डॉ माधुरी पवार,डॉ समीर सुनेरी,डॉ दीपांक रामटेककर, डॉ राजू चौधरी,डॉ ओमप्रकाश गोपाले,डॉ गौरव पारधी ,डॉ युक्तिमा पारधी,डॉ रूपाली शरणागत, डॉ दीपिका,डॉ अर्चना गुप्ता,डॉ खेमलता राहंगडाले,डॉ प्रीति नगपुरे,डॉ सुनील बिसेन,डॉ राकेश ठाकरे,डॉ आलोक भारती,डॉ पंकज मेश्राम,डॉ सत्येंद्र विश्वकर्मा,डॉ नीरज चौधरी,डॉ चंद्रप्रकाश भूरे,डॉ मोहित पटले,डॉ धनेंद्र पटले,डॉ विकास नगपुरे,डॉ गौरव पुरी,डॉ रूपांकी बिसेन,डॉ वैशाली ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्प्लैश-2025 चित्रकला प्रतियोगिता

प्रतिभागियों ने बिखेरे रंग, 1100 स्कूली बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रोटरी क्लब बालाघाट द्वारा आयोजित अंतर-विद्यालयीन चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन वॉटर थीम पर, स्प्लैश-2025 के नाम से आयोजित किया गया था। जिसमें न केवल स्कूली बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति को कैनवास पर उकेरा, बल्कि रचनात्मक ऊर्जा से चित्रकारी में रंगो को बिखेरा।दरअसल, रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल ग्रुप ने चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया था, जो रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 में स्प्लैश नाम से एक साथ आयोजित की गई। जिसे बालाघाट में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे. अमित जायसवाल के मार्गदर्शन तथा डिस्ट्रिक्ट मैनेजमेंट टीम से रोटे. कमलजीतसिंह छाबड़ा और असिस्टेंट गवर्नर रोटे. अंकुर महेश्वरी के निर्देशन में आयोजित किया गया। जिसमें अलग-अलग स्कूल के, 1100 बच्चो ने हिस्सा लिया। जिसका पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संदीपनी विद्यालय में किया गया।पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन के साथ-साथ, विशिष्ट अतिथि पीडीजी रोटे. निखिलेश त्रिवेदी, डीजीएम रोटे. भानु प्रताप सिंह चैधरी और संदीपनी स्कूल प्राचार्य डॉ.युवराज रहांगडाले प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नगद राशि व प्रमाणपत्रों का किया वितरण

कार्यक्रम के दौरान क्लब ने दो वर्गो में प्रथम तीन प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार के साथ ही स्मृति चिन्ह प्रदान किया। जिसमें

कक्षा 6 वीं से 8 वीं में पूवी सोनवाने, टीना सेलोकर, जिया सूर्यवंशी और कक्षा 9वीं से 12 वीं में अर्पिता मातरे, उन्नति रावते, गारगी पारधी को क्रमशः 51 सौ, 31 सौ और 11 सौ रूपए की नगद राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही सभी 1100 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।इसके अलावा प्रतियोगिता में शामिल स्कूलो के प्राचार्यो को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

भविष्य की गतिविधियों में शासन एवं प्रशासन का रहेगा पूर्ण सहयोग- बिसेन

मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने सभी प्रतिभागी बच्चों को बधाई दी तथा जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे बचाने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने रोटरी क्लब आफ बालाघाट रॉयल के सदस्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और आश्वस्त किया कि भविष्य की गतिविधियों में शासन एवं प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहेगा।

बच्चो को अभिव्यक्ति और मंच देना ही उद्देश्य-संदीप असाटी

रॉयल क्लब अध्यक्ष रोटे. संदीप असाटी ने बताया कि स्प्लैश-2025 का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति और मंच देना है। हमारी टीम का प्रयास है कि हर बच्चा स्वयं पर गर्व करे और अपनी रचनात्मकता पर भरोसा बनाए।

अन्य रोटे ने भी रखे विचार

कार्यक्रम चेयरमेन रोटे. अंकित अग्रवाल ने कहा कि हमने प्रतियोगिता को पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ सभी स्कूलों में आयोजित किया। जिससे हर प्रतिभा को पहचान मिल सके। आयोजन की सफलता टीमवर्क का परिणाम है। को-चेयरमैन रोटेरियन रवि सचदेव ने कहा कि बच्चों की सोच और रंगों की भाषा ने हमें चैंका दिया। हमें गर्व है कि बालाघाट के छात्रों में इतनी रचनात्मकता है। को-चेयरमेन रोटे. केशव परिहार ने कहा कि हमारा लक्ष्य था कि प्रत्येक छात्र को सम्मान मिले और विजेता ही नहीं, प्रतिभागी भी प्रोत्साहित हो। यही 'स्प्लैश' की आत्मा है।

ऐसे आयोजनों से बच्चों का बढ़ता है आत्मविश्वास- रहांगडाले

प्राचार्य डॉ. युवराज रहांगडाले ने कहा कि चित्रकला केवल एक विषय नहीं, बल्कि बच्चों के अंदर छिपी भावनाओं और विचारों को उजागर करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से बच्चों को आत्मविश्वास मिलता है और वे अपने भीतर की प्रतिभा को पहचान पाते हैं।आयोजित कार्यक्रम के दौरान संदीप असाटी, आशीष साहू, राजेश गांधी, मुकुल राठौर, अंकित अग्रवाल, गौरव कोचर, नरेंदर सिंह छाबड़ा, सौरभ हरिनखेड़े, रवि सचदेव, हरजीतपाल सिंघ राजपूत, एड. विक्रम भूते, लखविंदर सिंह भंगल, केशव परिहार, बलविंदरपाल सिंघ राजपूत, राहुल तुरकर, और डॉ. नेहा मेश्राम सहित अन्य की उपस्थिति रही।

रामपायली के नाग थाना मंदिर में नाग पंचमी मनाई गई

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्थानीय नाग थाना मंदिर में नाग पंचमी पर्व के अवसर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जहां देवाधिदेव महादेव के शेषनाग का पूजन विधि विधान से उनका अभिषेक किया गया तथा नाग पंचमी पर्व के अवसर पर नगर वासियों ने भी नाग देवता का विधि विधान से परिवार सहित जाकर पूजन किया । इस पर्व पर नगर के प्रत्येक घरों से आरती लेकर परिजन नाग मंदिर जाकर वहां विधि विधान से पूजन करने की परंपरा वर्षो से चली आ रही है । जिसका निर्वहन इस वर्ष भी नगर वासियों के द्वारा किया गया। नाग मंदिर समिति के द्वारा यहां महाप्रसादी का आयोजन किया गया । इस महाप्रसादी के आयोजन में नगर सहित क्षेत्र के श्रद्धालु जन भी मौजूद रहे।

इसरो-नासा का 'निसार' सैटेलाइट : आज रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसियों—इसरो (इसरो) और नासा (नासा) की साझा परियोजना निसार अब लांच के अंतिम चरण में है। इस सैटेलाइट को 30 जुलाई को भारत के जीएसएलपवी-एफ 16 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसकी लागत करीब 1.3 बिलियन डॉलर (लगभग 11,240 करोड़ रुपये) है। यह अब तक का सबसे महंगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह माना जा रहा है।

इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने बताया कि निसार एक उच्च तकनीकी रडार सैटेलाइट है, जो हर मौसम और दिन-रात पृथ्वी की निगरानी करने में सक्षम है। यह सैटेलाइट 740 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित होगा और दुनिया के तमाम क्षेत्रों में होने वाले भौगोलिक परिवर्तनों को रिकॉर्ड करेगा।

एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर आज संपूर्ण लामता बंद रहेगा

लामता(पद्मेश न्यूज)।.विगत वर्षों से लामता रेल्वे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग काफी समय से की जा रही थी,परन्तु ट्रेनों का स्टॉपेज लामता में नहीं होने से लामता क्षेत्र की जनता यातायात को लेकर काफी परेशान है,जिसको देखते हुए कल 30 जुलाई दिन बुधवार को संपूर्ण लामता बंद रखा जायेगा एवं विशाल आक्रोश आंदोलन रैली सुबह 11 बजे गांधी चौक से निकाली जाएगी जो रेल्वे स्टेशन पहुंचकर विरोध प्रदर्शन कर लामता स्टेशन मास्टर को रेल मंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस आंदोलन रैली में क्षेत्रीय जानता से अपील है की ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाए।

हरियाली यात्रा से दिया जा रहा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड किरनापुर के अंतर्गत नवांकुर संस्था दीप ज्योति तेजस्वी महिला संघ किरनापुर द्वारा नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विकासखंड किरनापुर के ग्राम मोरवाही में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक श्रीमती रुचिका बैस के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती की छायाचित्र की पूजा अर्चना, कलश पूजन एव पौधों की पूजा के साथ हुआ। तत्पश्चात नवांकुर सखियों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति समुदाय को जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों द्वारा नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम एवं पर्यावरण संरक्षण के संबंध में अपने-अपने विचार रखें गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चेतना कुराहे, अनिल राहंगडाले पंच, दीप ज्योति तेजस्विनी महिला संघ अध्यक्ष किरनापुर से सविता बोपचे , सचिव वंदना मेश्राम , भुमेश्वरी बिसेन, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति प्रतिमा बिसेन, संध्या राहडाले, रीना मेश्राम, ममता चौधरी, कलावती बरवे, सविता लिलहरे, महेश पटले सहित, नवांकुर सखी व अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

सांदीपनी स्कूल में झूले से गिरने से घायल हुआ छात्र

एक घंटा स्कूल में पड़ा रहा घायल छात्र रौनक, स्कूल प्रबंधन ने नहीं की अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था, कोतवाली पुलिस ने घायल छात्र को अस्पताल में किये भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के कोतवाली के सामने ठीक स्थित (सांदीपनी) सी एम राइस स्कूल में झूला झूलते समय एक छात्र झूले से गिरने से घायल हो गया। घायल छात्र रौनक पिता मनीष मेश्राम 10 वर्ष वार्ड नंबर 29 जय प्रकाश कॉलोनी बालाघाट निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। यह बालक छात्र सांदीपनी स्कूल में कक्षा पांचवी का छात्र है इस घटना में उसका दाहिना हाथ ही फैक्चर हो गया। करीब एक घन्टे तक यह छात्र घायल हालत में ही स्कूल में ही पड़ा रहा किंतु इस स्कूल के प्रबंधन ने इस घायल छात्र को अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था नहीं की। जो मूकदर्शक ही बने रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्र रौनक मेश्राम तीन भाई है तीनों भाई में रौनक मेश्राम बड़ा है। जिसके पिता की पिछले वर्ष मृत्य हो गई है। जिनकी माँ कमला मेश्राम मजदूरी कर भरण पोषण करती है। रौनक का मेश्राम का एक बड़ा पिता सतीश मेश्राम भी परिवार में रहते हैं। बालाघाट नगर के कोतवाली के सामने स्थित सी एम राइस स्कूल जो सांदीपनी विद्या के नाम से है। इस स्कूल में रौनक मेश्राम अपने छोटे भाई वंश मेश्राम के साथ पढ़ाई करते हैं। जिनमे रौनक मेश्राम कक्षा पांचवी और उसका छोटा भाई वंश मेश्राम कक्षा पहली के छात्र हैऔर दोनों भाई को स्कूल लाना ले जाना उनके बड़े पिता सतीश मेश्राम करते हैं। 29 जुलाई को 9:30 बजे सतीश मेश्राम ने रौनक मेश्राम और उसके छोटे भाई वंश मेश्राम को सांदीपनी (सी एम राइस) स्कूल लाकर छोड़ा था। बताया गया है कि रौनक मेश्राम स्कूल में आने के बाद अन्य अन्य छात्रों के साथ स्कूल परिसर में स्थित झूला झूल रहा था झूला झूलते समय अचानक रौनक मेश्राम झूले से नीचे गिर गया और उसका दाहिना हाथ फेक्चर गया। झूले से गिरने के बाद घायल छात्र रौनक मेश्राम को अन्य छात्रों ने उठकर स्कूल के कमरे में ले जाकर ब्रेंच में सुला दिए थे।

घायल छात्र को कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल में किये भर्ती

10:30 बजे करीब सतीश मेश्राम को खबर मिलने पर वह तुरंत स्कूल पहुंचे और ब्रेंच लेटे हुए रौनक मेश्राम को देखा। घायल रौनक मेश्राम को स्कूल से अस्पताल ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं होने पर सतीश मेश्राम तुरंत कोतवाली पहुंचा और कोतवाली में घटना के संबंध में बताये जिसके बाद कोतवाली पुलिस सी एम राइस स्कूल पहुंची और घायल छात्र रौनक मेश्राम को पुलिस वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

घायल छात्र को स्कूल प्रबंधन नेअस्पताल भिजवाने की नहीं की कोई व्यवस्था

बताया गया है कि झूले से गिरने के बाद घायल छात्र रौनक मेश्राम स्कूल में ही करीब एक घंटा घायल हालत में पड़ा रहा किंतु इस शिक्षण संस्था के किसी भी शिक्षक शिक्षिकाएं और यहा के प्रबंधन ने इस घायल छात्र रौनक मेश्राम को अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था नहीं की और इस छात्र को देखने के लिए इस सी एम राइस स्कूल से कोई भी शिक्षक शिक्षिकाये या प्राचार्य अस्पताल नहीं पहुंचे जो एक बड़ी लापरवाही सामने आई।

स्कूल वालों को अस्पताल पहुंचाने बोला किंतु नहीं बोल दिए,जिसके बाद वह कोतवाली पहुंचा था- सतीश मेश्राम

सतीश मेश्राम ने पद्मेश न्यूज़ को बताएं कि यह लड़का मेरे छोटे भाई का बेटा है उसके पिता का निधन हो चुका है । 9:30 बजे रौनक को स्कूल छोड़ा था। 10:30 बजे पुरानी मैडम ने फोन करके बताई थी मैंने उसे बोला कि अस्पताल में भर्ती कर दो तो उसने बोली कि आज मेरी छुट्टी है ।आप तत्काल स्कूल पहुंचो तब मैं हड़बड़ी में घर से निकला। बालक स्कूल में वैसा ही पड़ा हुआ था। अस्पताल पहुंचाने के लिए बोला किंतु उन्होंने नहीं बोल दिये। तब मैं कोतवाली गया कोतवाली के साहब को बताया। उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी स्कूल भिजवाए ।पुलिस गाड़ी आने के बाद वहा के शिक्षक बोल रहे थे कि हम अस्पताल छोड़ देंगे। श्री मेश्राम ने आगे बताएं रौनक को अस्पताल से जबलपुर या नागपुर ले जाने के लिए बोल रहे हैं। हमारी स्थिति खराब है। पालन पोषण करने वाले नहीं है। रौनक की मां चौका बर्तन करने जाती है। पूरी जिम्मेदारी मेरी है और आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण हम लोग नागपुर जबलपुर नहीं जा सकते।

विद्युत करंट से बेहोश एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पालागोंदी में बीती रात इसी ग्राम का व्यक्ति दिलीप पिता अघन सिंह पन्द्रे 52 वर्ष विद्युत करंट लगने से बेहोश हो गया जिसकी जिला अस्पताल में लाते समय मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप पन्द्रे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी दो बेटे और तीन बेटी है। जिनमे एक बेटी की शादी हो चुकी है। 28 जुलाई की रात्रि दिलीप पन्द्रे अपने परिवार के साथ घर में था ।रात्रि 9:00 बजे करीब विद्युत बंद होने पर दिलीप अपने घर के बाहर मीटर से लगे कटे तार को जोड़ रहा था। तभी अचानक विद्युत आने पर दिलीप पन्द्रे विद्युत करंट लगने से नीचे गिर गया जो बेहोश हो गया था जिसके हाथ मे तार चिपका हुआ था। दिलीप पन्द्रे को को नीचे गिरते देखा उसका बेटा दौड़ा और लकड़ी से तार हटाए। विद्युत करंट लगने से बेहोश दिलीप पन्द्रे को तुरंत ही 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाये जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिये। दिलीप पन्द्रे की उसके घर पालागोंदी से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने रात्रि में दिलीप पन्द्रे की लाश जिला अस्पताल की फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे ।29 जुलाई को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने दिलीप पन्द्रे की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार पिता पुत्र घायल

परसवाड़ा से बैहर रोड पर हुई दुर्घटना, दोनों घायल पिता पुत्र का जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। परसवाड़ा थाना अंतर्गत बैहर रोड ग्राम बघोली और पोंडी के बीच कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी ।इस सड़क दुर्घटना में कार की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक 8 वर्षीय बालक और उसका पिता दोनों घायल हो गए।।

दोनों घायल राजकुमार पिता अजब सिंह वरकड़े 35 वर्ष ग्राम कुरेन्डा थाना परसवाड़ा और उसका बेटे शिवम पिता राजकुमार वरकडे 8 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। जहां से शिवम को नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुरेन्डा निवासी राजकुमार वरकडे खेती किसानी करते हैं ।जिसके परिवार में पत्नि और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा शिवम उत्कृष्ट विद्यालय बैहर में कक्षा छठवीं का छात्र है और वह बैहर के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करता है ।बताया गया है कि शिवम का स्वास्थ्य खराब होने के कारण 28 जुलाई को राजकुमार वरकड़े बेटे शिवम को लाने के लिए बैहर गया था और बैहर छात्रावास से बेटे शिवम को मोटरसाइकिल में लेकर अपने घर कुरेन्डा लौट रहा था। शाम 6:00 बजे करीब बैहर परसवाड़ा से आते समय ग्राम बघोली और पोंडी के बीच परसवाड़ा की ओर से तेज रफ्तार से जा रही कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। कार की ठोकर से राजकुमार वरक? और उसका बेटा शिवम दोनों घायल हो गए ।दोनों घायल को उसी कार वाले ने परसवाड़ा के अस्पताल में लाकर भर्ती किए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद राजकुमार वरकडे और उसके बेटे शिवम वरकडे को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इस दुर्घटना में बालक को शिवम अत्यधिक चोंटे आई जिसका का पैर फैक्चर हो गया। जिला अस्पताल से बालक शिवम को हायर सेंटर रेफर किया गया। जिसे उसके परिजनों ने नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किये है।

प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से कलेक्टर ने की पदस्थापना

कार्तिकेय जायसवाल वारासिवनी एसडीएम एवं माया राम कोल किरनापुर एसडीएम बनाये गए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2022 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री कार्तिकेय जायसवाल की पदस्थापना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वारासिवनी के पद पर किये जाने के फलस्?वरूप कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से तीन अधिकारियों की पदस्थापना में परिवर्तन किया है। कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम किरनापुर कार्तिकेय जायसवाल को एसडीएम वारासिवनी के पद पर पदस्थ किया है। इसी तरह एसडीएम वारासिवनी के पद पर कार्यरत संयुक्त कलेक्टर राजीव रंजन पांडेय को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट तथा संयुक्त कलेक्टर मायाराम कोल को एसडीएम किरनापुर के पद पर पदस्थ किया गया है। संयुक्त कलेक्टर मायाराम कोल को सौंपी गई शाखाओ के प्रभार का सम्पूर्ण कार्य संयुक्त कलेक्टर श्री राजीव रंजन पाण्डेय देखेंगे।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट